नई दिल्ली । बुधवार, 08 जुलाई, 2026
आषाढ़ कृष्ण पक्ष अष्टमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :183 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल वर्ल्ड आर्चरी का फैसला, ज्योति सुरेखा वेन्नम के वर्ल्ड ...
@ विचार इंडोनेशिया में पीएम मोदी ने कर दिया बड़ा खेल...
@ व्यापार लगातार चार सत्रों की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार...

भारत-इंडोनेशिया साथ बढ़ते हैं तो कुछ-कुछ नहीं बहुत कुछ होता है : मोदी

एजेंसी ■ जकार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण में इंडोनेशिया पहुंचे, जहां जकार्ता कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार को भारतीय समुदाय को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए भारतीय समुदाय और इंडोनेशिया के लोगों का आभार जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधन की शुरुआत दुनिया भर में चल रहे फुटबॉल फीवर से की। पीएम ने कहा कि साथियों कल जब मैंने इंडोनेशिया में कदम रखा है, तब से अब तक जो प्रेम मुझे लोगों से मिला है, उसका धन्यवाद करने के लिए मेरे पास शब्द कम पड़ गए हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का एयरपोर्ट में मेरा स्वागत के लिए आना मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने देखा कि यहां के लोगों का उत्साह और बच्चों की मुस्कान सब कुछ अद्भुत थी। मैं जहां-जहां गया और जिससे भी मिला, भारत के पति प्रेम, सम्मान और अपनापन साफ दिखाई दिया। हर चेहरे पर भारत के प्रति प्रेम, सम्मान और आत्मीयता साफ दिखाई दी। मैंने देखा कि इंडोनेशिया में भारत का गाना 'कुछ-कुछ होता है...' बहुत ही लोकप्रिय है। कुछ-कुछ होता है... भारतीय गाना यहां बहुत चर्चा में रहता है, ऐसा मैंने देखा। इस पर मैंने प्रेसिडेंट प्रबोवो से कहा कि जब भारत-इंडोनेशिया साथ मिलकर चलते हैं, तो कुछ-कुछ से भी आगे बढ़कर बहुत कुछ होता है।

उन्होंने कहा कि आज मुझे इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ। यह भारतीयों का सम्मान है। यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों का यश है। ये पुरस्कार भारत और इंडोनेशिया की मित्रता के गर्व का प्रतीक है। मैं यहां की जनता और राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करता हूं। भारत और इंडोनेशिया के बीच का रिश्ता सभ्यताओं का रिश्ता है। साम्राज्य बने और मिटे, और वैश्विक राजनीति बदली, लेकिन भारत और इंडोनेशिया के बीच का यह अटूट बंधन हमेशा बना रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

पीएम मोदी ने कहा कि ये गति, ये प्रगति ऐसे ही नहीं आई है। भारत ने एक के बाद एक रिफॉर्म्स किए हैं। हमने लगातार परफॉर्म किया है। इसलिए आज देश ट्रांसफॉर्म हो रहा है। रिफॉर्म्स, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म... इस मंत्र को लेकर हम चल रहे हैं। अगर मुझे भारत की तरक्की की रफ्तार और पैमाने को एक लाइन में बताना हो, तो मैं कहूंगा कि 1.4 अरब लोगों की उम्मीदें और आकांक्षाएं आगे बढ़ रही हैं। आज, गांवों से लेकर शहरों तक भारत का हर नागरिक उम्मीदों और आकांक्षाओं से भरा हुआ है। हर किसी में सफलता पाने का आत्मविश्वास आ गया है।

रायपुर की फैक्ट्री में भीषण हादसा, 3 मजदूर की मौत

मौके से मृतक मजदूरों के क्षत-विक्षत शव बरामद किए गए

विश्व केसरी ■

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर के उरला थाना क्षेत्र स्थित बेंद्री की एक 3डी फैक्ट्री में मंगलवार को हुए भीषण विस्फोट से बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री परिसर में अचानक हुए ब्लास्ट के बाद अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में 3 मजदूरों की मौत होने की खबर है, जबकि कई अन्य मजदूर घायल बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही उरला थाना पुलिस सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस और राहत टीमों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को फैक्ट्री परिसर से बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। हादसे के बाद फैक्ट्री क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने के कारण यह विस्फोट हुआ होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस, प्रशासन और संबंधित विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुट गई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के क्षेत्र में भी इसकी आवाज सुनाई दी। ब्लास्ट के बाद फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूरों में भगदड़ मच गई। कई मजदूर अपनी जान बचाने के लिए बाहर की ओर भागे। हादसे में फैक्ट्री के अंदर मौजूद कुछ मजदूर इसकी चपेट में आ गए।

मृतकों में एक छत्तीसगढ़ तथा दो मध्यप्रदेश के निवासी

जानकारी के अनुसार, डिंडौरी (मध्यप्रदेश) निवासी लाल सिंह और जांजगीर-चांपा निवासी अरुण पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल डिंडौरी निवासी कमल सिंह ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी, एडीसीपी नॉर्थ और एसीपी सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाया।

'ई20 पेट्रोल से खराब हुई एक कार का नाम बताइए' नितिन गडकरी ने आलोचकों को दी खुली चुनौती

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को देश के ई20 पेट्रोल कार्यक्रम का बचाव करते हुए इसके आलोचकों को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा कि यदि 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) से किसी वाहन को नुकसान हुआ है, तो लोग ऐसी सिर्फ एक कार का नाम बता दें। उन्होंने ई20 से माइलेज घटने या वाहनों को नुकसान पहुंचने जैसे दावों को 'पेड कैंपेन' का हिस्सा करार दिया।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'विकसित भारत कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि ई20 पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने का कोई भी प्रमाण उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा, 'देश में ई20 पेट्रोल की वजह से किसी भी कार में खराबी आने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। अगर किसी कार को ई20 पेट्रोल से दिक्कत हुई है, तो उसका सिर्फ एक नाम बता दीजिए।' गडकरी ने आरोप लगाया कि ई20 पेट्रोल के खिलाफ जानबूझकर गलत जानकारी फैलाई जा रही है और यह एक प्रायोजित (पेड) अभियान है।

उन्होंने कहा, 'उच्च इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर झूठी कहानियां फैलाई जा रही हैं। ये सब पेड कैंपेन हैं।' इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का समर्थन करते हुए गडकरी ने कहा कि भारत आज भी बड़ी मात्रा में जीवाश्म ईंधन पर निर्भर है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और पर्यावरण दोनों पर दबाव पड़ता है।

उन्होंने बताया कि भारत हर साल लगभग 22 लाख करोड़ रुपए का पेट्रोलियम ईंधन आयात करता है। ऐसे में स्वच्छ और वैकल्पिक ईंधन अपनाना देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से न केवल कच्चे तेल का आयात घटेगा, बल्कि कार्बन उत्सर्जन कम करने में भी मदद मिलेगी। गडकरी ने बताया कि भारत पहले ही पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई20) का लक्ष्य हासिल कर चुका है। इथेनॉल गन्ना, मक्का और चावल जैसे जैविक स्रोतों से तैयार किया जाता है और इसे पारंपरिक पेट्रोल की तुलना में अधिक पर्यावरण-अनुकूल ईंधन माना जाता है। कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने उन आरोपों पर भी जवाब दिया, जिनमें कहा जाता है कि सरकार की इथेनॉल नीति से उनके परिवार के कारोबारी हित जुड़े हुए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके परिवार के सदस्य चीनी मिलों से जुड़े हैं, लेकिन यह स्पष्ट किया कि उनका कारोबार इथेनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं है। गडकरी ने कहा कि इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिला है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के कारण उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों की जेब में लगभग 45,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय पहुंची है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

होर्मुज में टैंकर पर फिर ड्रोन हमला शुरू

दुबई। दुनिया के अहम ईंधन मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में 24 घंटे के भीतर तीसरे टैंकर पर हमला हुआ है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूकेएमटीओ के मुताबिक, तीसरे जहाज को ड्रोन से निशाना बनाया गया। हालांकि, इसमें कोई घायल नहीं हुआ। होर्मुज जलडमरूमध्य में मंगलवार को तीन टैंकरों को निशाना बनाया गया। यह फारस की खाड़ी के संकरे मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर हुए ताजा हमलों में से एक है। ब्रिटिश सेना ने यह जानकारी दी। ब्रिटेन के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि तेल परिवहन के लिए बेहद अहम इस समुद्री मार्ग में तीसरे जहाज को ड्रोन से निशाना बनाया गया। इससे पहले मंगलवार को दिन में दो अन्य टैंकरों पर भी हमला किया गया था। यूकेएमटीओ के अनुसार, तीसरे जहाज को मामूली नुकसान पहुंचा है। इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है और जहाज अपनी यात्रा जारी रखे हुए है।

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लि. को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम राहत

एजेंसी ■ रायपुर/ बिलासपुर
(अमित मिश्रा)

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 05 फरवरी 2026 के आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई थी। जिस पर 07 जुलाई 2026 को हुई सुनवाई में CGMSCL की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक और एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड कौस्तुभ शुक्ला ने याचिका की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में आवश्यक विधिक कार्यवाही का संचालन किया। सुनवाई के उपरांत सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई 10 अगस्त 2026 को निर्धारित की है।

सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरिम राहत प्रदान करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा CGMSCL पर लगाए गए 1,00,000/- रुपए के प्रतिकार (Compensation) के भुगतान तथा आदेश में की गई प्रतिकूल टिप्पणियों (Adverse Observations) पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है।

यह महत्वपूर्ण अंतरिम राहत CGMSCL के अध्यक्ष दीपक म्हास्के एवं प्रबंध संचालक ऋतेश कुमार अग्रवाल (IAS) के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में मामले को सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर करने अपने संबंधित विधिक विभाग को निर्देशित किया था।

पूर्व में मामला इस प्रकार है, सीजीएमएससी के अफसरों की कार्यप्रणाली पर हाईकोर्ट के डिविजन बेंच ने फटकार लगाई थी ज्ञात हो कि सीजीएमएससी के अफसरों ने निविदा जारी करते समय कम रेट के के बजाए अधिक रेट वाले को टेंडर दे दी थी मामले की सुनवाई पर चीफ जस्टिस रमेश चंद्र सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने बतौर क्षतिपूर्ति के याचिका कर्ता को एक लाख रु का भुगतान करने का निर्देश सीजीएमएससी को दिया था।

सीजीएमएससी के इस कार्यवाही को चुनौती देते हुए दुर्गा मेडिकल घेरघोड़ा जिला रायगढ़ निवासी नटवर लाल अग्रवाल ने अपने अधिवक्ता आशुतोष मिश्रा के माध्यम से हाईकोर्ट मे याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने उसकी बोली को अयोग्य घोषित करने और 23सितम्बर 2025के तहत अनुबंध हितेश सूर्यवंशी को प्रदान करने के संबंध में सीजीएमएससी की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी याचिका के अनुसार वह बी श्रेणी का पंजीकृत सिविल ठेकेदार है।

वायनाड से डोडा तक : पहाड़ों का कहर, प्रकृति की चेतावनी

एजेंसी ■ वायनाड

केरल के वायनाड और जम्मू कश्मीर के डोडा में मंगलवार को हुई भूस्खलन की घटनाओं ने एक फिर देश के पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को उजागर कर दिया। लगातार हो रही बारिश के बीच पहाड़ दरकने से कई लोगों की जान चली गई, अनेक लोग मलबे में फ़स गए, अब इन दोनों स्थानों पर राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। वायनाड, जो दो वर्ष पहले भी भीषण त्रासदी झेल चुका है एक बार फिर आपदा की चपेट में है। जबकि डोडा में भी पहाड़ों से गिरे मलबे में घरों, दुकानों और वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया है।

सूत्रों के अनुसार केरल के वायनाड जिले में मेप्पाडी-कल्लाडी सुरंग निर्माण स्थल पर मंगलवार को हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग अब भी लापता हैं। सात घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। राहत एवं बचाव दल भारी मशीनों, खोजी कुत्तों और अन्य संसाधनों की मदद से मलबे में दबे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि लापता मजदूरों की तलाश के लिए रातभर बचाव अभियान जारी रहेगा। मेप्पाडी पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी पुल के पास उस स्थान पर हुआ, जहां अनाक्कमपोयिल-कल्लाडी-मेप्पाडी सुरंग परियोजना का निर्माण कार्य चल रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण खुदाई से निकली मिट्टी का विशाल ढेर ढह गया, जिससे कार्यस्थल का बड़ा हिस्सा मलबे में दब गया। पिछले 24 घंटों में मेप्पाडी में 226 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसके चलते मिट्टी धंसने की घटना हुई। भूस्खलन की चपेट में एक चर्च और पास का एक मकान भी आ गया।

डोडा में पीड़ितों के लिए राहत के आदेश दिए गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को डोडा जिले के थथरी क्षेत्र में बादल फटने से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। जम्मू-कश्मीर लोक भवन से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उपराज्यपाल ने डोडा के उपायुक्त को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाने का निर्देश दिया है। बयान में कहा गया कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल बादल फटने के बाद की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने डोडा के उपायुक्त कृष्ण लाल से बात की और उन्हें प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और सहायता सुनिश्चित करने तथा पुनर्निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने थथरी क्षेत्र में बादल फटने के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए डोडा के डीसी से बात की। कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन सौभाग्य से किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है।

एसआईटी रिपोर्ट के बाद दूंगा जवाब : चंपत राय

रामायण की चौपाई का भी किया जिक्र

एजेंसी ■ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने ट्रस्ट के पद से हटने के बाद पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। मंगलवार को उनके नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पत्र सामने आया, जिसमें उन्होंने रामभक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि वह विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों का क्रमवार जवाब देंगे।

साथ ही गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस के अयोध्या कांड की चौपाई 'धीरज धरम मित्र अरु नारी। आपद काल परिखिअहिं चारी' शेयर की गई है।

चंपत राय ने अपने पत्र में लिखा, 'पिछले 7 जून 2026 से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर के दानपात्र की गणना के समय हुई चोरी के संबंध में अनेक प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं। व्यक्तिगत रूप से मेरे ऊपर भी अनेक लोगों ने निराधार आरोप लगाए हैं। मैंने इस पूरे मामले पर मौन धारण कर लिया है।'

उन्होंने कहा, 'मंदिर ट्रस्ट की जुलाई माह की सामान्य बैठक में एसआईटी की प्राथमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जो अब सार्वजनिक भी हो चुकी है। यह रिपोर्ट 'परम गोपनीय' थी।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आश्वस्त करता हूं कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद फैलाए जा रहे सभी बिंदुओं पर क्रमवार अपना उत्तर दूंगा। तब पूरा सत्य सभी के सामने आ जाएगा।'

अपने संगठनात्मक जीवन का उल्लेख करते हुए चंपत राय ने लिखा, 'मुझे वर्ष 1991 के अक्टूबर माह में संगठन द्वारा अयोध्या भेजा गया था। मेरा प्रचारक जीवन 45 वर्षों का है। जहां-जहां मैं रहा, मेरा जीवन एक खुली पुस्तक की तरह रहा है।'

पत्र के अंत में उन्होंने लिखा, 'सभी को आदरपूर्वक नमन।'

बता दें कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में सोमवार को चंपत राय का महासचिव पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया था। इसके बाद कृष्ण मोहन को नए महासचिव की नियुक्ति होने तक अंतरिम महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उपराष्ट्रपति ने कपास क्रांति मिशन की सराहना की, उत्पादकता बढ़ाने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को समयबद्ध मंजूरी पर जोर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन को मंगलवार को उपराष्ट्रपति भवन में केंद्र सरकार के प्रस्तावित कपास उत्पादकता मिशन (कपास क्रांति) की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और कपड़ा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिशन की रूपरेखा प्रस्तुत की।

बैठक में कपास उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुधारने और वैश्विक बाजार में भारतीय कपास की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान मिशन के तीन प्रमुख आयामों पर विशेष जोर दिया गया। पहला, अनुसंधान, आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक खेती के तरीकों के माध्यम से प्रति एकड़ कपास की उत्पादकता बढ़ाना। दूसरा, 'कस्तूरी कॉटन सर्टिफिकेशन' और 'किसान कपास ऐप' जैसी पहलों के जरिए उच्च गुणवत्ता वाले कपास की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करना। तीसरा, वस्त्र उद्योग में नवाचार और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए नई पीढ़ी के प्राकृतिक रेशों के उपयोग को प्रोत्साहित करना।

उपराष्ट्रपति ने भारत के कपास पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए मिशन के समग्र दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार को गति देने और नई तकनीकों को तेजी से अपनाने के लिए समयबद्ध मंजूरी प्रणाली विकसित करना आवश्यक है। उनका मानना था कि यदि अनुसंधान और तकनीक को शीघ्र किसानों तक पहुंचाया जाए तो कपास उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

उन्होंने प्रति एकड़ कपास की पैदावार बढ़ाने की आवश्यकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि भारत को प्रमुख कपास उत्पादक देशों के बराबर पहुंचने के लिए स्पष्ट, व्यावहारिक और मापने योग्य लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। उत्पादकता में वृद्धि से किसानों की आय बढ़ेगी, उद्योग को बेहतर गुणवत्ता का कच्चा माल मिलेगा और देश की निर्यात क्षमता भी मजबूत होगी।

उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत को वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति और मजबूत करनी होगी ताकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाले कपास की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। उन्होंने मिशन के व्यापक प्रचार-प्रसार, किसानों में जागरूकता बढ़ाने और बाजार की जरूरतों के अनुरूप रणनीतियां तैयार करने पर जोर दिया।

वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन को चुनौती देने का कोई आधार नहीं, एक सदस्य ने आरिफ मसूद को दिया जवाब

विश्व केसरी ■

भोपाल । हाल ही में फिर से गठित मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के एक हिंदू सदस्य ने मंगलवार को कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद की उस कानूनी चुनौती को खारिज कर दिया, जिसमें बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने पर सवाल उठाया गया था। उन्होंने कहा कि ये नियुक्तियां संशोधित वक्फ कानून के अनुसार की गई हैं। मसूद के इस बयान पर कि मुस्लिम समुदाय राज्य सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा, बोर्ड के सदस्य अनिमेष भार्गव ने आईएएनएस को बताया कि किसी भी तरह की आपत्ति का कोई आधार नहीं है।

भार्गव ने मंगलवार को आईएएनएस से ??कहा, 'यह भारत के संविधान के अनुसार किया गया है।

संशोधित वक्फ कानून वक्फ बोर्ड में गड़बड़ियों को खत्म करने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए लाया गया था। हमें उसी कानून के प्रावधानों के तहत नियुक्त किया गया है।

उन्होंने कहा कि हमें नियुक्त करने के पीछे सरकार का मकसद पारदर्शिता लाना है। ऐसी बातें सामने आई हैं कि संपत्तियों का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है और जमीन पर कब्जा किया गया है। इमारतों और संपत्तियों पर कब्जा तो कर लिया गया है लेकिन सही किराया नहीं दिया जा रहा है,

इसलिए बोर्ड को पर्याप्त आमदनी नहीं हो रही है।

हमारा मकसद इन कमियों को दूर करना और नुकसान को रोकना है। यह बात सबको पता है कि कुछ लोग लंबे समय से इन संपत्तियों पर कब्जा जमाए हुए हैं और शायद इसीलिए वे इसका विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि भविष्य में ज्यादा पारदर्शिता आने से सब कुछ सबके सामने आ जाएगा।

उन्होंने कहा कि जब पिछले साल यह संशोधन प्रस्तावित किया गया था

तारातला हादसाः सीएम सुवेंदु अधिकारी ने पीड़ित परिवारों को सौंपे मुआवजा राशि के चेक

विश्व केसरी ■

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को ताराताला गोदाम की छत गिरने से प्रभावित परिवारों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की। इसमें आर्थिक मदद, रोजगार में सहायता, मुफ्त इलाज और पीड़ित परिवारों के बच्चों की पढ़ाई के लिए सहायता शामिल है।

राज्य सचिवालय के नबन्ना सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 24 जून को हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाले 16 श्रमिकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता के चेक सौंपे। वहीं हादसे में घायल लोगों को 1 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी गई।

पीड़ित परिवारों से बात करते हुए अधिकारी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार भविष्य में भी उनकी मदद करती रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी घायल श्रमिकों का पूरी तरह ठीक होने तक मुफ्त इलाज और दवाइयों की सुविधा जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के एक-एक सदस्य को उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर रोजगार देने का प्रयास करेगी।

अधिकारी ने कहा, 'मैं यह जिम्मेदारी कोलकाता नगर निगम की प्रशासक स्मिता पांडे और नगर एवं शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल को सौंप रहा हूं। वे यह पता लगाएंगी कि रोजगार के अवसर कहां उपलब्ध हैं और परिवारों के सदस्यों को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरी दिलाने का प्रयास करेंगी। आप सीधे नगर निगम से संपर्क करें।

स्मिता पांडे और अग्निमित्रा पॉल इस मामले की जांच करेंगी और सात से दस दिनों के भीतर आपको जानकारी देंगी। मुझे उम्मीद है कि हम आपकी मदद कर पाएंगे। हालांकि इसके लिए आपकी शैक्षणिक योग्यता की भी जांच करनी होगी। अगर आपने माध्यमिक परीक्षा पास नहीं की है तो रोजगार देने में समस्या आ सकती है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मृतक और घायल श्रमिकों के परिवारों के सदस्यों को कोलकाता नगर निगम में उनकी योग्यता के अनुसार उपयुक्त काम देने की संभावनाएं तलाशें।

अधिकारी ने कहा कि तत्काल राहत के अलावा राज्य सरकार हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को हर महीने आर्थिक सहायता देने पर भी विचार कर रही है।

उन्होंने आगे घोषणा की कि सरकार पीड़ित परिवारों के बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाएगी।

आदिवासी किसानों की मेहनत का कमाल, झारखंड का आम्रपाली आम दुबई पहुंचा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली,। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं के नेतृत्व वाली किसान उत्पादक कंपनियों से 2 मीट्रिक टन आम्रपाली आम खरीदकर दुबई भेजने में मदद की है।

इस खेप को मेसर्स फेयर एक्सपोर्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने दुबई में लुलु स्टोर्स में रिटेल बिक्री के लिए एक्सपोर्ट किया। यह आदिवासी और महिलाओं के नेतृत्व वाले किसान समूहों से एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने की दिशा में एक और अहम कदम है।

एक्सपोर्ट की इस खेप में प्रीमियम क्वालिटी के आम्रपाली आम शामिल थे। ये आम 'पलाश' झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी द्वारा प्रमोट की गई महिलाओं के नेतृत्व वाली तीन उत्पादक कंपनियों से लिए गए थे। इनकी खेप को 3 जुलाई को रवाना किया गया।

एक मीट्रिक टन आम गुमला जिले की एपीडा-रजिस्टर्ड एमवीएम बाघिमा पालकोट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और राइडीह एग्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से लिए गए थे, जबकि बाकी एक मीट्रिक टन आम देवघर जिले की मोहनपुर आजीविका महिला किसान प्रोड्यूसर सोसायटी से लिए गए थे। ये बागान आदिवासी महिला किसानों ने 'बिरसा हरित ग्राम योजना' के तहत विकसित किए हैं। यह योजना मनरेगा के साथ मिलकर और झारखंड सरकार के सहयोग से लागू की गई है।

इस एक्सपोर्ट से इसमें शामिल किसानों को काफी आर्थिक फायदा हुआ है। महिलाओं के नेतृत्व वाली एफपीसी के सदस्यों को स्थानीय बाजार की मौजूदा कीमतों की तुलना में लगभग 180 प्रतिशत अधिक रिटर्न मिला है। यह पहल दिखाती है कि एक्सपोर्ट मार्केट तक पहुंच किसानों की आय बढ़ाने में कितनी मददगार हो सकती है।

बयान में कहा गया है कि इसमें शामिल हर एफपीसी में 1,500 से ज्यादा शेयरहोल्डर हैं और ये सभी मिलकर 50,000 से ज्यादा किसान सदस्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे इस पहल का फायदा किसानों के एक बड़े समुदाय तक पहुंचता है।

सरकारी भर्ती का इंतजार खत्म, यूपीएससी ने मई भर्ती परीक्षा के नतीजे जारी किए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मई 2026 में विभिन्न विभागों में अलग-अलग पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा के नतीजे मंगलवार को घोषित कर दिए हैं। ऐसे में जो उम्मीदवार इस भर्ती परीक्षा में उपस्थित हुए थे और परिणाम जारी होने का इंतजार कर रहे थे, उन उम्मीदवारों के लिए यूपीएससी ने आधिकारिक वेबसाइट पर परिणाम जारी कर दिया है। हालांकि, आयोग की ओर से चुने गए उम्मीदवारों को डाक से अलग-अलग भी सूचित कर दिया गया है।

आयोग ने जिन विभागों में रिक्त पदों पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्त के लिए भर्ती निकाली थी, उनमें वैज्ञानिक 'बी' (बैलिस्टिक्स) - केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, फोरेंसिक विज्ञान सेवा निदेशालय, गृह मंत्रालय; रिसर्च ऑफिसर (नेचुरोपैथी) - आयुष मंत्रालय; सीनियर असिस्टेंट कंट्रोलर ऑफ माइन्स - इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स, खान मंत्रालय; लीगल ऑफिसर (ग्रेड-I) - लीगल एंड ट्रीटीज डिवीज़न, विदेश मंत्रालय; वैज्ञानिक अधिकारी (केमिकल)- नेशनल टेस्ट हाउस, उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय; सिविल हाइड्रोग्राफिक अधिकारी - नौसेना मुख्यालय, नागरिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय; जूनियर तकनीकी अधिकारी - नौसेना मुख्यालय, नागरिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय; स्पेशलिस्ट ग्रेड III असिस्टेंट प्रोफेसर (बायो-केमिस्ट्री) - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; स्पेशलिस्ट ग्रेड III असिस्टेंट प्रोफेसर (माइक्रोबायोलॉजी या बैक्टीरियोलॉजी) - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; साइंटिस्ट 'बी' (सिविल इंजीनियरिंग), सेंट्रल सॉइल एंड मैटेरियल्स रिसर्च स्टेशन, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय; ट्रेनिंग ऑफिसर (महिलाओं की ट्रेनिंग को छोड़कर) (ड्राफ्ट्समैन सिविल) - ट्रेनिंग महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय; डिविजनल मेडिकल ऑफिसर, ओटो-राइनो-लैरिंजोलॉजी (ईएनटी), रेलवे मंत्रालय; मंडलीय चिकित्सा अधिकारी (मनोचिकित्सा) - रेल मंत्रालय; डायलिसिस मेडिकल ऑफिसर - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; स्पेशलिस्ट ग्रेड III असिस्टेंट प्रोफेसर (न्यूरो-सर्जरी)- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; जूनियर साइंटिफिक ऑफिसर (बैलिस्टिक्स)- सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरीज, फोरेंसिक साइंस सर्विसेज निदेशालय, गृह मंत्रालय; असिस्टेंट डायरेक्टर ऑफ माइन्स सेफ्टी (ऑक्यूपेशनल हेल्थ) ग्रेड-I, माइन्स सेफ्टी महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय; स्पेशलिस्ट ग्रेड II (जूनियर स्केल) गायनेकोलॉजी, नई दिल्ली - म्युनिसिपल काउंसिल; असिस्टेंट प्रोफेसर (प्लांट साइंस), जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, अंडमान और निकोबार प्रशासन; और असिस्टेंट प्रोफेसर (जूलॉजी), जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, अंडमान और निकोबार प्रशासन शामिल थे।यूपीएससी ने मई-2026 भर्ती परिणाम जारी करने के साथ यह स्पष्ट किया कि अन्य उम्मीदवारों के आवेदनों पर भी उचित रूप से विचार किया गया, लेकिन खेद है कि उन्हें इंटरव्यू के लिए बुलाना या पद के लिए उनकी सिफारिश करना संभव नहीं हो सका।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में बारिश बनी आफत, खुले मैनहोल में गिरा मासूम, प्राधिकरण की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

विश्व केसरी ■

नोएडा । नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हुई तेज बारिश ने एक बार फिर शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। महज एक घंटे की बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति पैदा हो गई, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे चिंताजनक हालात नोएडा के सेक्टर-105 में देखने को मिले, जहां ओवरफ्लो हो रहे नाले और पानी में डूबे बिजली के ट्रांसफार्मरों के कारण बड़े हादसे का खतरा मंडराने लगा है।

वहीं, ग्रेटर नोएडा में खुले मैनहोल में 10 वर्षीय बच्चे के गिरने की घटना ने प्राधिकरण की लापरवाही को उजागर कर दिया। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-105 स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप के सामने से गुजरने वाले मुख्य नाले का जलस्तर क्षमता से अधिक होने के कारण नाला पूरी तरह ओवरफ्लो हो गया।

इसके चलते नाले का दूषित पानी सेक्टर की आंतरिक नालियों और सड़कों पर वापस आने लगा, जिससे पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति बन गई। हालात तब और गंभीर हो गए जब एटीएस हेमलेट का बारिश का पानी भी तेज गति से सेक्टर-105 के नाले में पहुंचने लगा।

इससे ग्रीन बेल्ट और आसपास की कॉलोनियों में पानी भर गया। सबसे अधिक चिंता का विषय ग्रीन बेल्ट में स्थापित बिजली के मुख्य ट्रांसफार्मरों के आसपास जमा हुआ पानी है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने राज्य में 'विकसित भारत- जी राम जी' और अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की और ग्राम स्तर पर हो रहे कार्यों के सकारात्मक परिणामों पर चर्चा की।

सीएम भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्राम सभा आधारित काम चयन, पारदर्शी फंड उपयोग और ग्राम चौपाल के माध्यम से ग्रामीण रोजगार, स्थायी परिसंपत्तियों और हर गांव के सुव्यवस्थित विकास को तेजी से आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया, साथ ही राज्य में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर एक-दूसरे को बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि राजस्थान में ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन से जुड़े कार्यक्रम अत्यंत संतोषजनक ढंग से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास का पिरामिड मॉडल अपनाते हुए सबसे निचले स्तर पर गांव और पंचायत की जरूरतों के अनुसार योजनाएं लागू की जा रही हैं। ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीण स्वयं अपने क्षेत्र के कामों का चयन कर रहे हैं, जिससे ऐसे स्थायी कार्यों को प्राथमिकता मिल रही है ।

मिजोरम विश्वविद्यालय के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय को नामित भंडार का दर्जा मिला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने मंगलवार को मिजोरम विश्वविद्यालय आइजोल स्थित प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (एनएचएम) को जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 39 के तहत नामित भंडार के रूप में अधिसूचित किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने एक बयान में कहा कि इस अधिसूचना के साथ एनएचएम भारत का 21वां नामित भंडार बन गया है। इस कदम से देश के जैव विविधता संरक्षण और वैज्ञानिक बुनियादी ढांचे को और मजबूती मिलेगी।

नामित भंडार जैव विविधता अधिनियम, 2002 के तहत प्राप्त प्रमाणित जैविक नमूनों के संरक्षण द्वारा भारत के जैव विविधता शासन ढांचे का एक महत्वपूर्ण घटक हैं।

बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण की सिफारिश के आधार पर और प्रस्ताव की विधिवत जांच के बाद केंद्र सरकार ने 19 जून को मिजोरम विश्वविद्यालय स्थित एनएचएम को एक नामित भंडार के रूप में अधिसूचित किया।

एनएचएम में चुनिंदा वनस्पतियों में (टेरिडोफाइट्स और मैक्रोफंगी शामिल हैं) और सरीसृप, उभयचर, मछलियां, पतंगे, भृंग और तितलियां जैसे जीवों के प्रमाणित नमूने रखे जाएंगे।

यह क्षेत्र में हाल ही में खोजी गई प्रजातियों के टाइप नमूनों के लिए नामित भंडार के रूप में भी कार्य करेगा। बयान में कहा गया है कि ये प्रमाणित संग्रह प्रजातियों की पहचान, पता लगाने की क्षमता और वैज्ञानिक अनुसंधान को मजबूत करेंगे, साथ ही दीर्घकालिक संरक्षण के लिए भारत के जैविक संसाधनों की रक्षा करेंगे।

पर्यावास के नुकसान, प्राकृतिक आपदाओं या प्रजातियों की संख्या में कमी की स्थिति में ये भविष्य में पारिस्थितिक बहाली में भी सहायक होंगे।

इसे नामित किए जाने से पहले ही, एनएचएम ने 500 से अधिक नमूनों को एकत्र और संरक्षित करके अपनी वैज्ञानिक तत्परता का प्रदर्शन किया था, जिनमें हर्बेरियम शीट और जल-संरक्षित संग्रह शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि इसकी बहु-विषयक वैज्ञानिक टीम में मिजोरम विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ शामिल हैं।

मानसून सत्र से पहले स्पीकर से मिले सीएम साय और नेता प्रतिपक्ष महंत

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के 13 जुलाई से शुरू होने वाले पांच दिवसीय मानसून सत्र से पहले राजधानी में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से स्पीकर हाउस में शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक आगामी सत्र की तैयारियों, सदन के सुचारु संचालन और विभिन्न संसदीय विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के कुछ समय बाद नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत भी स्पीकर हाउस पहुंचे और विधानसभा अध्यक्ष से अलग से चर्चा की। लगातार हुई इन मुलाकातों को आगामी मानसून सत्र की रणनीति और सदन की कार्यवाही के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

इस बार मानसून सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर तीखी बहस होने की संभावना है। विधानसभा सचिवालय के अनुसार अब तक विधायकों की ओर से 1,033 प्रश्न लगाए जा चुके हैं, जिससे सत्र के दौरान सरकार को विभिन्न विभागों से जुड़े सवालों का जवाब देना होगा।

कांग्रेस ने कानून–व्यवस्था, किसानों की समस्याएं, बिजली–पानी संकट, सड़क निर्माण, मानसून के दौरान व्यवस्थाओं और रायपुर के नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रमुख मुद्दा बनाने का संकेत दिया है। विपक्ष का कहना है कि इन विषयों पर सरकार से जवाबदेही तय की जाएगी।

नकटी विवाद पर सरकार को घेरने की तैयारी

रायपुर के नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने, विस्थापन और विधायक आवास के लिए प्रस्तावित भूमि को लेकर चल रहा विवाद मानसून सत्र में प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। कांग्रेस इस मामले को सरकार के प्रशासनिक फैसलों और कार्यप्रणाली से जोड़ते हुए सदन में उठाने की तैयारी में है।

किसानों के मुद्दों पर रहेगा फोकस

मानसून सत्र में किसानों से जुड़े विषय भी विपक्ष के निशाने पर रहेंगे। खरीफ सीजन में खाद–बीज की उपलब्धता, सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, धान खरीदी की तैयारियों और कृषि से जुड़ी अन्य समस्याओं को लेकर कांग्रेस सरकार से जवाब मांगेगी। विपक्ष का आरोप है कि किसानों को समय पर आवश्यक संसाधन नहीं मिलने से खेती प्रभावित हो रही है।

प्रश्नकाल, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के दौरान इन मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस होने के आसार हैं।

ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस अब चलेगी प्रतिदिन, 9 जुलाई से नई व्यवस्था लागू

रायपुर। यात्रियों की बढ़ती मांग और बेहतर रेल सुविधा को देखते हुए भारतीय रेल ने ब्रह्मपुर–उधना–ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल के संचालन में बड़ा बदलाव किया है। अब तक सप्ताह में तीन दिन चलने वाली यह ट्रेन 9 जुलाई से प्रतिदिन संचालित होगी। इससे ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात के यात्रियों को नियमित एवं सुविधाजनक रेल संपर्क मिलेगा।

रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 19021 उधना–ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस 9 जुलाई से उधना स्टेशन से प्रतिदिन रवाना होगी, जबकि गाड़ी संख्या 19022 ब्रह्मपुर–उधना अमृत भारत एक्सप्रेस 10 जुलाई 2026 से ब्रह्मपुर स्टेशन से प्रतिदिन संचालित की जाएगी। अमृत भारत एक्सप्रेस आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोचों से सुसज्जित है, जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित, आरामदायक और बेहतर यात्रा अनुभव मिलेगा।

माना विमानतल पर देवकीनंदन ठाकुर का गर्मजोशी से भव्य स्वागत

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के लिए राजधानी रायपुर पहुंचे देवकीनंदन ठाकुर महाराज का माना विमानतल पर भव्य स्वागत किया गया, उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री एवं प्रवक्ता राजकुमार राठी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल की अगुवाई में सैकड़ों सनातनियों ने महाराज देवकीनंदन ठाकुर का ढोल –नगाड़ों के साथ स्वागत कर रैली के रूप में वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर पहुंचे।

राठी ने बताया कि श्रीराम मंदिर में देवकीनंदन महाराज का रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू द्वारा स्वागत कर आशीर्वाद लिया तत्पश्चात प्रभु श्रीराम के दर्शन कर देवकीनंदन महाराज ने छत्तीसगढ़ प्रदेश की खुशहाली की कामना करते हुए अच्छी बारिश की कामना की। अग्रवाल ने बताया कि फेडरेशन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से देवकीनंदन महाराज को राजकीय अतिथि का दर्जा देने की मांग की गई थी जिस पर मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा महाराज के रायपुर आगमन से लेकर प्रस्थान तक उन्हें राजकीय अतिथि का दर्जा दिया गया। राठी ने बताया कि बुढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में 8 से 14 जुलाई तक श्रीमद भागवत का कथा का आयोजन किया जा रहा है, इस हेतु सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है, विभिन्न समितियों का गठन कर भक्तों को सुविधाजनक स्थान प्रदान करने की कोशिश की जाएगी। माना विमानतल पर स्वागत करने के दौरान प्रमुख रूप से योगेश अग्रवाल, राजकुमार राठी,शिवरतन गुप्ता, अशोक गुप्ता, रेखा साहू, कृतिका जैन, संजय चौधरी,राजेश अग्रवाल, राजीव अवस्थी, नवीन लोढ़ा, दर्शन सांखला,सुब्रत घोष, विनोद पहुआ, दीपक गुप्ता, आलोक पांडे,रोशनी मिश्रा, सीमा सिंह निशा, राजेंद्र पारख, मालती साहू,रेखा शर्मा, रूबी सुराना, फुलमनी सोनवानी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

रायपुर। देवपुरी स्थित विकास शिक्षा महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में महाविद्यालय में बीएड के छात्र–छात्राओं सहित शिक्षक–शिक्षिकाओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी में पोस्टर के जरिए पर्यावरण को हरा–भरा बनाए रखने एवं प्रदूषण रोकने के उपायों पर जोर दिया गया। आयोजन में संस्था के संचालक डॉ. सुरेश शुक्ला, डॉ. अभिलाषा शुक्ला, डॉ. हेमलता साहू एवं श्रीमती संगीता दुबे आदि शामिल हुए।

छग में डिजिटल जनगणना ट्रायल शुरू

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार जनगणना की प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश के 38 चयनित गांवों में डिजिटल जनगणना का ट्रायल शुरू हो गया है। यह अभ्यास फरवरी 2027 में प्रस्तावित मुख्य जनगणना से पहले नई डिजिटल प्रणाली की कार्यक्षमता परखने के लिए किया जा रहा है। ट्रायल के दौरान मोबाइल एप, सॉफ्टवेयर, डेटा अपलोड, नेटवर्क कनेक्टिविटी और डिजिटल सर्वे से जुड़ी पूरी प्रक्रिया का परीक्षण किया जाएगा। इस बार जनगणना कर्मी पारंपरिक कागजी प्रपत्रों के बजाय मोबाइल और टैबलेट के माध्यम से घर–घर पहुंचकर जानकारी दर्ज करेंगे। ट्रायल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मुख्य जनगणना के दौरान तकनीकी स्तर पर किसी प्रकार की परेशानी न आए। यदि परीक्षण के दौरान कोई खामी सामने आती है तो उसे पहले ही दूर कर लिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, प्री–टेस्ट के दौरान वास्तविक जनगणना नहीं होगी। यह केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप, जीपीएस आधारित लोकेशन, डेटा सुरक्षा, नेटवर्क की उपलब्धता और सॉफ्टवेयर की कार्यक्षमता का परीक्षण है। जनगणना कर्मियों को भी इसी दौरान डिजिटल प्रणाली के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। डिजिटल व्यवस्था लागू होने से जनगणना की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक पारदर्शी और तेज होने की उम्मीद है। कागजी रिकॉर्ड की जगह आंकड़े सीधे डिजिटल सर्वर पर सुरक्षित होंगे, जिससे डेटा में त्रुटियों की संभावना कम होगी और विश्लेषण भी तेजी से किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि इससे जनसंख्या, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक–आर्थिक योजनाओं के लिए अधिक सटीक आंकड़े उपलब्ध होंगे। फरवरी 2027 में प्रस्तावित मुख्य जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराए जाने की तैयारी है।

छत्तीसगढ़ में 5वीं, 7वीं और 8वीं का बदलेगा सिलेबस

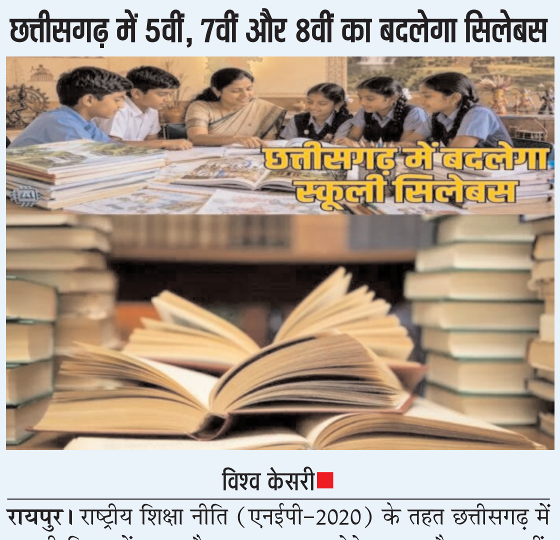

विश्व केसरी

रायपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) के तहत छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा में एक और बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कक्षा 5वीं, 7वीं और 8वीं की पाठ्यपुस्तकों और पाठ्यक्रम को नए सिरे से तैयार किया जाएगा। इससे पहले कक्षा 1 से 3 और 6वीं की नई किताबें तैयार की जा चुकी हैं। अब अगले चरण के तहत 7 जुलाई से 30 सितंबर तक तीन महीने का विस्तृत कार्ययोजना लागू की जाएगी। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा तैयार की जा रही नई किताबें एनसीईआरटी के नए पाठ्यक्रम पर आधारित होंगी। साथ ही इनमें छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, भूगोल, जनजातीय इतिहास, रीति–रिवाज, पर्यटन, तीज–त्योहार, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों और स्थानीय महापुरुषों से जुड़ी सामग्री को भी प्रमुखता से शामिल किया जाएगा।

स्थानीय विषयों को मिलेगा विशेष स्थान

गौरतलब है कि पूर्व में पाठ्यपुस्तकों से छत्तीसगढ़ से जुड़े विषय हटाए जाने पर व्यापक विरोध हुआ था। इसके बाद स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने एससीईआरटी की उच्चस्तरीय बैठक में स्थानीय संस्कृति और इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल करने के निर्देश दिए थे। अब इन्हीं निर्देशों के अनुरूप नई पुस्तकों का निर्माण शुरू किया जा रहा है।

गैर-मुस्लिम से निकाह के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने फर्जी निकाह और विवादित विवाह मामलों पर रोक लगाने के उद्देश्य से नई व्यवस्था लागू करने की घोषणा की है। नए नियमों के तहत गैर–मुस्लिम महिला या पुरुष से निकाह करने के लिए वक्फ बोर्ड में पूर्व रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। साथ ही बिना अनुमति निकाह पढ़ाने वाले मौलानाओं के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने बताया कि अब प्रदेश में केवल वक्फ बोर्ड से पंजीकृत मौलाना ही निकाह करा सकेंगे। यदि कोई मुस्लिम युवक या युवती किसी गैर–मुस्लिम से निकाह करना चाहता है, तो उसे पहले वक्फ बोर्ड में आवेदन देकर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए दोनों पक्षों की सहमति, आवश्यक दस्तावेज और कानूनी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य रहेगा। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था के तहत निकाह कराने वाले सभी मौलानाओं का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। बिना पंजीकरण के निकाह कराने या बोर्ड की अनुमति के बिना निकाह पढ़ाने की स्थिति में संबंधित मौलाना के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। वक्फ बोर्ड के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य फर्जी पहचान, दस्तावेज छिपाकर विवाह कराने और बाद में उत्पन्न होने वाले विवादित मामलों पर प्रभावी निगरानी रखना है। अब प्रत्येक निकाह का पूरा रिकॉर्ड वक्फ बोर्ड के पास सुरक्षित रखा जाएगा और निकाह के बाद जारी होने वाला प्रमाणपत्र भी बोर्ड के माध्यम से जारी किया जाएगा।

नकटी में तोड़फोड़, कांग्रेस ने की कार्रवाई और न्यायिक जांच की मांग

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नकटी गांव में हुई तोड़फोड़ की कार्रवाई को भाजपा सरकार का 'अपराधिक और अमानवीय कृत्य' बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। सोमवार को राजीव भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना समुचित पुनर्वास और वैधानिक प्रक्रिया अपनाए बारिश के मौसम में गरीब परिवारों के घरों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें बेघर कर दिया।

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कहा कि नकटी गांव में 50 वर्षों से रह रहे लोगों के मकानों को विधायकों के आवास निर्माण के नाम पर तोड़ा गया। उन्होंने दावा किया कि 85 मकानों के साथ 25 से अधिक प्रधानमंत्री आवास भी ध्वस्त किए गए, जिससे हितग्राहियों का भविष्य प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि कार्रवाई में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा कांग्रेस न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि सरकार और भाजपा नेता इस मामले में जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आवास एवं पर्यावरण विभाग के वर्ष 2024 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि नकटी क्षेत्र को जनप्रतिनिधियों के आवास के लिए चिन्हित करने की प्रक्रिया भाजपा सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थी।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासनकाल में न तो विधायक आवास निर्माण की योजना स्वीकृत हुई थी और न ही विस्थापन का कोई नोटिस जारी किया गया था। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि पुनर्वास की समुचित व्यवस्था किए बिना लोगों के घर तोड़े गए। उन्होंने आरोप लगाया कि विस्थापित परिवारों को दूरस्थ स्थानों पर एक कमरे के मकान दिए जा रहे हैं, जहां बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।

फर्जी सिम बेचने वाले दो पीओएस एजेंट गिरफ्तार

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन साइबर शील्ड' के तहत रायपुर रेंज साइबर थाना पुलिस ने फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी कर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराने वाले दो पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) एजेंटों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मध्यप्रदेश के छतरपुर निवासी उमेश प्रजापति और खैरागढ़ जिले के मनोज देवांगन शामिल हैं। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में सामने आया कि आरोपी मोबाइल दुकान संचालक ग्राहकों की ई–केवाईसी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर उनकी जानकारी पर अतिरिक्त सिम कार्ड सक्रिय कर देते थे। बाद में इन्हें अधिक कीमत पर साइबर अपराधियों को बेच दिया जाता था। इन्हीं सिम कार्डों का इस्तेमाल फेसबुक और व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए ब्लैकमेलिंग तथा 'कौन बनेगा करोड़पति' में इनाम दिलाने के नाम पर ठगी जैसे मामलों में किया गया। पुलिस के अनुसार गरियाबंद जिले के इंदागांव थाना क्षेत्र में दर्ज एक मामले में पीड़ित को फेसबुक पर दोस्ती के बाद व्हाट्सऐप वीडियो कॉल कर अश्लील वीडियो मॉर्फिंग के जरिए ब्लैकमेल किया गया और उससे 7.90 लाख रुपये की ठगी की गई। वहीं रायपुर रेंज साइबर थाने में दर्ज दूसरे मामले में 'कौन बनेगा करोड़पति' में इनाम जीतने का झांसा देकर टैक्स जमा कराने के नाम पर धोखाधड़ी की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने मोबाइल सेवा प्रदाताओं से सिम कार्ड और सोशल मीडिया खातों की जानकारी जुटाई। तकनीकी विश्लेषण, पीड़ितों और गवाहों के बयान तथा आरोपियों से पूछताछ के आधार पर दोनों मोबाइल दुकान संचालकों की भूमिका सामने आई।

युवा कैट की बिजनेस मीट में गूंजा 'कनेक्ट कोलाब्रेटिव ग्रो' का मंत्र

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। युवा कैट प्रदेश अध्यक्ष कान्ति पटेल, प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष भरत भूषण गुप्ता ने बताया कि युवा कैट रायपुर द्वारा प्रत्येक माह आयोजित की जाने वाली मासिक बिजनेस मीट का आयोजन होटल किंगवे, तेलीबांधा में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारियों, उद्यमियों एवं प्रोफेशनल्स को एक ऐसा सशक्त मंच प्रदान करना था, जहाँ वे आपसी परिचय, व्यापारिक अनुभवों का आदान–प्रदान, नए व्यावसायिक अवसरों की खोज तथा मजबूत नेटवर्किंग के माध्यम से अपने व्यवसाय को नई दिशा दे सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

सरदार अमरजीत सिंह छाबड़ा, अध्यक्ष, राज्य अल्पसंख्यक आयोग, छत्तीसगढ़ शासन (राज्यमंत्री दर्जा) ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में सफलता का सबसे बड़ा आधार मजबूत नेटवर्किंग, पारस्परिक विश्वास एवं सहयोग की भावना है। उन्होंने स्थानीय व्यापारियों से एक–दूसरे के साथ जुड़कर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठित व्यापार ही प्रदेश की आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने युवा कैट की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए इसे व्यापारिक समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया। बिजनेस मीट में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े व्यापारियों, उद्योगपतियों, स्टार्टअप्स एवं युवा उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

फर्जी अंकसूची से नौकरी पाने वाले जीएसटी विभाग के दो कर्मचारी बर्खास्त

2013 की भर्ती में कक्षा आठवीं की कथित फर्जी अंकसूची लगाने का मामला

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। फर्जी अंकसूची के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में राज्य जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जीएसटी आयुक्त पुष्पेंद्र मीणा ने मंगलवार को जारी आदेश में किशोर पटेल और भागवत पटेल को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक कर दिया। दोनों पर वर्ष 2013 की भृत्य भर्ती में कक्षा आठवीं की कथित फर्जी अंकसूची प्रस्तुत कर नियुक्ति प्राप्त करने का आरोप था।

मामला लंबे समय से विवादों में रहा है। किशोर पटेल का नाम उस समय भी सुर्खियों में आया था, जब वह कर्मचारी संघ का नेता बना था। बताया जाता है कि तत्कालीन विशेष आयुक्त टी.एल. ध्रुव के समन्वय कक्ष में पदस्थापना के दौरान टाइपिंग कार्य को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद किशोर पटेल ने कर्मचारी संघ के माध्यम से प्रधानमंत्री कार्यालय तक शिकायत भेजी थी, जिसकी चर्चा मीडिया में भी हुई थी।

इसी दौरान बलौदाबाजार के कुछ लोगों ने शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि किशोर पटेल और भागवत पटेल द्वारा नियुक्ति के समय प्रस्तुत की गई कक्षा आठवीं की अंकसूचियां फर्जी हैं। शिकायत के साथ संबंधित मिडिल स्कूल की परीक्षा परिणाम पंजी भी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत की गई।

सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त दस्तावेजों में यह दावा किया गया कि समतुल्यता परीक्षा में अनुपस्थित परीक्षार्थियों के रोल नंबर का उपयोग कर कथित रूप से फर्जी अंकसूचियां तैयार की गई थीं। आरोप यह भी है कि तत्कालीन प्रधान पाठक, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सारंगढ़ और जिला शिक्षा अधिकारी बलौदाबाजार की मिलीभगत से दस्तावेजों का सत्यापन कराया गया।

शिकायत मिलने के बाद जीएसटी विभाग ने संबंधित शिक्षा अधिकारियों से अंकसूचियों का सत्यापन कराया था। उस समय अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में दस्तावेजों को सही बताया था। हालांकि बाद में विधानसभा में ध्यानाकर्षण सूचना के दौरान मामला दोबारा उठा, जिसके बाद जांच आगे बढ़ी और अंततः दोनों कर्मचारियों को बर्खास्त करने की कार्रवाई की गई।

शिक्षा अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं, आपराधिक केस का भी सवाल

दोनों कर्मचारियों की बर्खास्तगी के बाद अब जांच के दायरे में शिक्षा विभाग के उन अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, जिन पर कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों का सत्यापन करने और संरक्षण देने के आरोप हैं। अब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

कानूनी जानकारों का कहना है कि यदि जांच में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने की पुष्टि होती है, तो सेवा से बर्खास्तगी के साथ–साथ संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और फर्जी दस्तावेजों के उपयोग के आरोप में आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जा सकता है। फिलहाल इस संबंध में किसी आपराधिक कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

संपादकीय

दक्षिण एशिया के लिए अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन क्यों महत्वपूर्ण है?

नवाब खान

तुर्की के अंकारा में 7–8 जुलाई को होने वाला आगामी नाटो शिखर सम्मेलन दक्षिण एशिया के लिए महत्वपूर्ण है और हालांकि नाटो वहां प्रत्यक्ष रूप से सक्रिय नहीं है, फिर भी यह भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन–भारत प्रतिद्वंद्विता के आसपास के व्यापक रणनीतिक वातावरण को आकार देता है।

नाटो के पास स्वयं कोई औपचारिक दक्षिण एशिया रणनीति नहीं है, लेकिन हाल की चर्चाओं में भारत को हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के विरुद्ध एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में देखा जा रहा है और इसलिए भारत के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने का समर्थन किया जा रहा है।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन अंकारा शिखर सम्मेलन को क्षेत्रीय शक्ति के रूप में तुर्की की भूमिका को बढ़ावा देने और भू–राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और तनाव बढ़ने के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के बीच एक कड़ी के रूप में इसकी भूमिका को मजबूत करने के अवसर के रूप में देखते हैं।

हाल के महीनों में नाटो की एकता की परीक्षा हुई है, खासकर 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हमला शुरू करने और युद्ध को भड़काने के बाद से। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका की मदद न करने के लिए यूरोपीय देशों की बार–बार निंदा की है और गठबंधन से हटने की धमकी दी है, हालांकि कम ही लोग मानते हैं कि वे वास्तव में ऐसा करेंगे।

नाटो के महासचिव मार्क रुट्टे ने हाल ही में वाशिंगटन का दौरा किया ताकि ईरान संघर्ष और यूरोप से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की धमकियों को लेकर उत्पन्न तनाव को कम किया जा सके।

तुर्की–पाकिस्तान कारक

भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों और पाकिस्तान के साथ मजबूत रणनीतिक साझेदारी के कारण, तुर्की संभावित रूप से नाटो शिखर

सम्मेलन को एक राजनयिक मंच के रूप में इस्तेमाल कर सकता है ताकि भारत से जुड़े मुद्दों पर पाकिस्तान के दृष्टिकोण का अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन किया जा सके।

तुर्की और भारत के बीच संबंध मुख्य रूप से इसलिए जटिल हो गए हैं क्योंकि तुर्की ने कश्मीर मुद्दे पर बार–बार ऐसी टिप्पणियां की हैं जिन्हें भारत पाकिस्तान के पक्ष में मानता है। भारत कश्मीर को एक आंतरिक मामला मानता है और बाहरी हस्तक्षेप का कड़ा विरोध करता है।

पाकिस्तान के साथ तुर्की का बढ़ता सैन्य और राजनीतिक सहयोग भारत की चिंताओं को और बढ़ा रहा है। तुर्की अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को राजनयिक रूप से समर्थन देता है।

नाटो शिखर सम्मेलन मुख्य रूप से इसके सदस्य देशों की सामूहिक सुरक्षा के बारे में होते हैं, लेकिन इसके नेता अपनी चिंताओं के मुद्दों पर अनौपचारिक बैठकें और चर्चाएं भी करते हैं।

तुर्की दक्षिण एशियाई सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान के पक्ष में चिंताएं उठा सकता है, अन्य पश्चिमी देशों पर पाकिस्तान के रुख के प्रति अधिक सहानुभूति दिखाने के लिए दबाव डाल सकता है, और क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद या अन्य मुद्दों पर व्यापक चर्चा को इस तरह से आकार दे सकता है जिससे भारत प्रभावित हो सकता है।दक्षिण एशियाई और प्रवासी

भारत–तुर्की–पाकिस्तान त्रिकोण अब प्रत्यक्ष संघर्ष के बजाय रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और बदलते गठबंधनों से अधिक प्रभावित हो रहा है। तुर्की और पाकिस्तान ने रक्षा संबंधों, नौसेना आधुनिकीकरण, ड्रोन संचालन, प्रशिक्षण सहयोग और राजनीतिक समर्थन के आधार पर घनिष्ठ साझेदारी विकसित की है, क्योंकि तुर्की अक्सर कश्मीर और भारत–पाकिस्तान मुद्दों पर पाकिस्तान का समर्थन करता है।

पाकिस्तान के लिए तुर्की इसलिए उपयोगी है क्योंकि वह चीन जैसे पारंपरिक सहयोगियों से परे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी चिंताओं को उठाता है। तुर्की के लिए, पाकिस्तान दक्षिण एशिया और हिंद महासागर में रणनीतिक पहुंच प्रदान करता है।

इसके प्रतिसंतुलन के रूप में, भारत ग्रीस, साइप्रस और आर्मेनिया जैसे तुर्की के प्रतिद्वंद्वियों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है।

नाटो दक्षिण एशिया में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, लेकिन तुर्की नाटो क्षेत्रों का उपयोग संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय शक्तियों के साथ अप्रत्यक्ष कूटनीति के लिए कर सकता है, जो दक्षिण एशियाई अस्थिरता को व्यापक सुरक्षा चिंताओं से जोड़ते हुए हिंद–प्रशांत सुरक्षा पर चर्चाओं को प्रभावित कर सकती हैं।

Indonesia में PM Modi ने कर दिया बड़ा खेल, Indo Pacific के सारे समीकरण ही बदल कर रख दिये

नीरज कुमार दुबे

भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बदलती वैश्विक राजनीति में दोनों देश केवल पुराने मित्र नहीं, बल्कि भविष्य के रणनीतिक साझेदार भी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा ने हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को नई मजबूती दी है। जकार्ता में जिस गर्मजोशी और सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत हुआ, उसने साफ संकेत दिया कि भारत अब एशिया की राजनीति, सुरक्षा और विकास की दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्ति बन चुका है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा लोकतंत्र, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक नए क्षेत्रीय गठबंधन की मजबूत नींव भी साबित हुई। भौगोलिकसंदर्भ

इंडोनेशिया की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने भारत और इंडोनेशिया को केवल दो देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से जुड़े सभ्यतागत साझेदार बताया। रामायण, महाभारत, नालंदा और प्रम्बानन मंदिर का उल्लेख करते हुए मोदी ने साफ कहा कि समुद्र ने दोनों देशों को कभी अलग नहीं किया, बल्कि यही समुद्र दोनों को जोड़ने वाला पुल बना। उनका यह संदेश केवल सांस्कृतिक संदेश नहीं था, बल्कि इंडो पैसिफिक की नई भू–रणनीतिक सोच का संकेत भी था।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और इंडोनेशिया यदि साथ खड़े होते हैं तो लोकतंत्र पर दुनिया का भरोसा और मजबूत होगा। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडो पैसिफिक क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है।

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि दोनों देशों के बीच हुए 20 ऐतिहासिक समझौते रहे। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, दुर्लभ खनिज, दूरसंचार, कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए ये समझौते आने वाले वर्षों में भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाले हैं। सबसे अधिक चर्चा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर हुए समझौतों की रही। यह हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक संतुलन को मजबूत करने वाला कदम है।

देखा जाये तो भारत द्वारा इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाना कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित इंडोनेशिया वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है। दुनिया के बड़े हिस्से का व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ना सीधे तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। यह साझेदारी समुद्री डकैती, अवैध गतिविधियों और किसी भी प्रकार की आक्रामक विस्तारवादी नीति के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में महा सागर दृष्टि का उल्लेख करते हुए साफ कहा कि भारत मुक्त, खुला और नियम आधारित इंडो पैसिफिक चाहता है। यह संदेश पूरी दुनिया और खासतौर पर चीन के लिए था कि भारत किसी गुट की राजनीति नहीं बल्कि संतुलित और स्थिर वैश्विक व्यवस्था का समर्थक है। आसियान की केंद्रीय भूमिका पर भारत का जोर यह भी दिखाता है कि नई दिल्ली दक्षिण पूर्व एशिया को केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि रणनीतिक सहयोगी मानती है।

हम आपको बता दें कि मोदी की इस यात्रा में तकनीक और डिजिटल क्षेत्र में हुए समझौते भी बेहद महत्वपूर्ण रहे। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के आधार पर इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क की शुरुआत, भुगतान प्रणाली को जोड़ने की तैयारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा स्टार्टअप सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि भारत अब तकनीकी नेतृत्व की दिशा में भी निर्णायक भूमिका निभा रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु का परिसर इंडोनेशिया में खोलने का फैसला शिक्षा और ज्ञान कूटनीति के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने मोदी सरकार की कई योजनाओं को अपनाया है। उन्होंने हंसी मजाक में कहा कि उन्हें खुशी है कि इन योजनाओं पर किसी का अधिकार नहीं है। लेकिन इस हल्के फुल्के बयान के भीतर भारत के विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा संदेश छिपा था। इंडोनेशिया द्वारा भारत की कृषि तकनीक, सूखी जमीन को उपजाऊ बनाने के प्रयोग और जनकल्याण योजनाओं का अध्ययन यह दिखाता है कि दुनिया अब भारत को केवल बाजार नहीं बल्कि समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में देख रही है।

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है।

साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। भौगोलिकसंदर्भ

बहरहाल, मोदी सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि उसने भारत को रक्षात्मक सोच से निकालकर निर्णायक वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में पहुंचा दिया है। कभी केवल दक्षिण एशिया तक सीमित माना जाने वाला भारत आज इंडो पैसिफिक की धुरी बन चुका है। दुनिया के बड़े राष्ट्र भारत के साथ साझेदारी को अपनी रणनीतिक आवश्यकता मान रहे हैं। इंडोनेशिया यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति आत्मविश्वास, सांस्कृतिक गौरव, सामरिक दूरदृष्टि और वैश्विक प्रभाव का नया अध्याय लिख रही है।

पतियों की हत्या के बढ़ते मामले

महेन्द्र तिवारी

भारत में विवाह को केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं बल्कि विश्वास, समर्पण, सहयोग और आजीवन साथ निभाने का पवित्र बंधन माना गया है। भारतीय संस्कृति में पति और पत्नी को एक दूसरे का पूरक समझा गया है, जो जीवन की हर परिस्थिति में एक दूसरे का साथ निभाते हैं। यही कारण है कि विवाह संस्था सदियों से भारतीय समाज की सबसे मजबूत नींव रही है। किंतु बदलते समय में अनेक ऐसे घटनाक्रम सामने आ रहे हैं जिन्होंने इस विश्वास को गहरी चोट पहुँचाई है। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें पत्नियों पर अपने ही पतियों की हत्या का आरोप लगा। इन घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया है और लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर रिश्तों में ऐसा कौन सा परिवर्तन आ गया है कि जीवनसाथी ही जीवन का सबसे बड़ा शत्रु बनता जा रहा है।

इस विषय पर चर्चा करते समय तथ्यों की शुद्धता अत्यंत आवश्यक है। उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो पति की हत्या पत्नी द्वारा किए जाने की अलग राष्ट्रीय श्रेणी प्रकाशित नहीं करता। इसलिए पूरे देश के लिए कोई आधिकारिक संख्या उपलब्ध नहीं है।

कुछ स्वतंत्र अध्ययनों और पाँच राज्यों के संकलित मामलों के आधार पर वर्ष 2020 से 2024 के बीच लगभग 785 ऐसे मामले सामने आने का उल्लेख किया गया है, जबकि विशेषज्ञों का अनुमान है कि राष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। इन अनुमानों को अंतिम या आधिकारिक आँकड़ा नहीं माना जा सकता, लेकिन इतना अवश्य स्पष्ट है कि ऐसी घटनाएँ समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं।

इन घटनाओं का सबसे बड़ा प्रभाव विवाह जैसी पवित्र संस्था पर पड़ता है। विवाह का आधार विश्वास होता है। यदि पति और पत्नी के बीच विश्वास समाप्त हो जाए तो केवल एक परिवार ही नहीं टूटता बल्कि समाज की मूल संरचना भी कमजोर होने लगती है। जब लोग यह सुनते हैं कि किसी पत्नी ने अपने पति की हत्या कर दी या किसी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी, तो उनके मन में विवाह के प्रति भय और असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है। युवा पीढ़ी के सामने विवाह का आदर्श स्वरूप धुंधला पड़ने लगता है और यह धारणा बनने लगती है कि वैवाहिक जीवन अब पहले जैसा सुरक्षित और स्थिर नहीं रहा।

अधिकांश मामलों का अध्ययन बताता है कि ऐसे अपराध किसी एक कारण से नहीं होते। कई मामलों में विवाहेतर संबंध, पारिवारिक विवाद, आर्थिक तनाव, संपत्ति का विवाद, लंबे समय से चला आ रहा वैवाहिक तनाव, आपसी अविश्वास और प्रतिशोध जैसी परिस्थितियाँ सामने आती हैं। राष्ट्रीय स्तर पर हत्या के मामलों के उद्देश्यों में भी पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत दुश्मनी, प्रेम संबंध और अवैध संबंध महत्वपूर्ण कारणों में शामिल पाए गए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि परिवार के भीतर पैदा होने वाले विवाद यदि समय रहते नहीं सुलझाए जाएँ तो वे कभी–कभी अत्यंत हिंसक रूप धारण कर सकते हैं।

यह भी समझना आवश्यक है कि हर वैवाहिक विवाद हत्या में परिवर्तित नहीं होता। अधिकांश परिवार कठिन परिस्थितियों के बावजूद बातचीत, समझौते, पारिवारिक सहयोग और कानूनी उपायों के माध्यम से अपने मतभेद सुलझा लेते हैं। इसलिए कुछ जघन्य घटनाओं के आधार पर पूरे समाज या किसी एक लिंग के प्रति नकारात्मक धारणा बनाना उचित नहीं होगा। अपराधी का मूल्यांकन उसके अपराध के आधार पर होना चाहिए।

बोध कथा

ज्ञान रुपी दिपक

'परम मित्रों ', एक बार एक आदमी बड़े ही धार्मिक भाव से रोज संध्या को दीपक जला कर अपने घर के आगे रखने लगा । लेकिन पड़ोस के लोग उसके दिए को उठा कर ले जाते या कुछ लोग तो उसे बुझा भी देते थे । उसके अपने ही उसे कहने लगे कि क्या तू ज्यादा प्रकाश करना जानता है ? हमने भी अंधेरे बहुत देखे हैं, हमें तो किसी ने प्रकाश नहीं दिखाया आज तक । तुम अपने आपको ज्यादा साधन संपन्न समझते हो क्या

लेकिन दीपक जलाने वाला अपने उसी नियम से रोजाना दीपक जलाता रहा । ना तो वह प्रकाश करने की कोई घोषणा करता था और ना ही अपने दीपक का कोई प्रचार करता था । क्योंकि उसे यह मंजूर नहीं था कि उसके ही घर के सामने कोई भी अंधेरे में ठोकर खाए । इसलिए वह निरंतर ही प्रकाश का दीया प्रकाशित करता रहा । आखिर धीरे–धीरे लोगों को बात समझ में आनी शुरु हो गई । अंधेरे रास्ते पर राहगीरों को दूर से ही प्रकाश में दिखाई पड़ने लगा ।

वही प्रकाश राहगीरों को कहने लगा कि आ जाओ, यह रास्ता सुगम है । यहां प्रकाश है, यहां अंधेरा नहीं है ; रास्ते की ठोकरें साफ नजर आती हैं । जब राहगीर प्रकाश के पास आते, तो वह कहता कि देख कर चलना वहां सामने पत्थर है । इधर पीछे की गली कहीं भी नहीं जाती है, वहां पीछे गली समाप्त हो जाती है । यहां से आगे कोई रास्ता नहीं है । धीरे–धीरे प्रकाश में साफ ही नजर आने लगा कि मार्ग किधर है और किधर नहीं है ।

कुछ समय पाकर उस प्रकाश के प्रति गांव के लोगों में आदर भरना शुरु हो गया । फिर सभी लोगों ने अपने–अपने घरों के आगे दीपक जलाने शुरू कर दिए । फिर उस नगर कमेटी के प्रबंधकों ने भी नगर में प्रकाश की व्यवस्था को सुचारु करने का काम शुरू कर दिया था । फिर सारे नगर में ही प्रकाश फैल गया और धीरे–धीरे पूरी दुनिया ही प्रकाशित होने लगी । श्री सतगुरु देव फरमाते हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

भूतों का साया

डॉ. संदीप कुमार सिंह

'तिवारी जी, डॉक्टर ने क्या बताया ? लाडली बिटिया को कौन–सी बीमारी है ?' पड़ोस के शर्मा जी ने पूछा।

'साले सब अनपढ़ हैं। बीमारी पूछो तो चुप। कहेंगे ठीक हो जाएगी। टाइम लगेगा। पता नहीं कौन–सी डॉक्टरी पढ़ी है। हर बार कोई न कोई जाँच करवाता है और फिर बताता है कि जाँच तो ठीक है।'

'तिवारी जी लाडली बिटिया को एक बार भूतों के डॉक्टर को दिखा दो।' शर्मा जी ने सलाह दी।

तिवारी जी भूत–प्रेत में विश्वास नहीं करते थे। कहते हैं मरता क्या न करता। न चाहते हुए भी वे बिटिया को लेकर भूतों के डॉक्टर के पास पहुँच गए।

भूतों के डॉक्टर का दरबार सजा था। लोग शांतिपूर्वक बैठे थे। वह दोनों हाथ जोड़े घुटनों के बल बैठा हुआ था। वह किसी मंत्र का जाप करता। मंत्रों का जाप इतना धीमा होता था कि उसके सबसे पास बैठे हुआ व्यक्ति भी स्पष्ट न सुन पाए। शायद उसको डर रहा होगा कि यदि वह मंत्रों का जाप तेजी से करेगा तो लोग मंत्र की हकीकत जान जाएंगे या मंत्रो को सीखकर खुद ही भूतों को भगाने का काम करने लगेंगे। और यदि लोगों ने यह धंधा अपना लिया तो उसका धंधा चौपट हो जाएगा।

दो घंटे बाद तिवारी जी का नंबर आया, तो उसने पूछा, 'बोल बिटिया, तुझे क्या समस्या है।

'बाबा इसे दौरे आते हैं। कुछ खाती पीती नहीं है। दिनभर खटिया में लेटी रहती है।' तिवारी जी ने समस्या बताई।

'हूँ, बिटिया को तीन भूतों ने पकड़ रखा है। जो कहूँगा, करेगा।'

'हाँ, बाबा बिल्कुल करूँगा।'

'तो सुन। कल प्रयाग चले जाओ। संगम में स्नान कर आओ। सब ठीक हो जाएगा।'

बाबा के कथनानुसार अगले ही दिन तिवारी जी सपत्नीकल बिटिया को लेकर पहुँच गए संगम तट। तीनों ने संगम में डुबकी लगाई। डुबकी के बाद संगम में फूल माला, नारियल और दूध चढ़ाया।

शाम आते–आते फिर से लाडली की तबियत बिगड़ने लगी। आनन–फानन में तिवारी जी फिर से भूतों के डॉक्टर की शरण में पहुँच गए।

'बाबा जी प्रयाग हो आए। संगम स्नान भी कर आए। आज दिनभर बिटिया ठीक थी। शाम को फिर से तबियत बिगड़ गई।' तिवारी जी ने बताया।

बाबा ने ध्यान लगाया और पूछा, 'कितने लोग गए थे ?'

'तीन लोग गए थे। मैं बिटिया और बिटिया की महतारी।'

'टिकट कितने लिए थे।'

'बाबा जी तीन लोग थे, तीन टिकट लिए थे।'

'तीन टिकट लिए थे। बस यही गलती कर गए। इसीलिए तो भूतों का साया बरकरार है।'

'बाबा जी मैं समझा नहीं।'

'तिवारी जी तीन लोग तुम थे और बिटिया के सिर पर तीन भूतों का साया था। कुल लोग हुए छः। तुम्हें छः टिकट लेकर जाना चाहिए था। जब भूतों का टिकट नहीं लिए तो वे यहीं रह गए और जैसे ही लाडली आई तो फिर से वे उस पर सवार हो गए।'

असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी, देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश)

इतिहास

7 जुलाई का इतिहास: भारत और दुनिया के लिए यह दिन कई ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह रहा है। 1981 में आज ही के दिन Sandar Day OÓConnor अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनीं। 1905 में वीर सावरकर ने पुणे में देश में पहली बार विदेशी कपड़ों की होली जलाई 7 जुलाई का इतिहास ।आज के दिन की कुछ मुख्य घटनाएं इस प्रकार हैं:1947 – न्यू मैक्सिको के रोसवेल में एक रहस्यमयी वस्तु दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जिसे आज भी Roswell UFO Sighting के नाम से जाना जाता है।1985 – जर्मनी के 17 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी Boris Becker सबसे कम उम्र में विंबलडन जीतने वाले खिलाड़ी बने।1991 – स्लोवेनिया, क्रोएशिया और यूगोस्लाविया के बीच ब्रिओनी द्वीप पर शांति समझौता (Brioni Declaration) संपन्न हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

एसईसीएल कर्मी सतरेंगा नदी में डूबा, मौत

विश्व केसरी■

कोरबा (बबलू श्रीवास)। कोरबा: छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित सतरेंगा में रविवार को पिकनिक मनाने गए एक स्श्वष्टरु कर्मी की नदी में डूबने से मौत हो गई। सोमवार की देर शाम नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव नदी से बरामद किया। इस हादसे के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान कोरबा निवासी सुभांशु ध्रुव (24) के रूप में हुई है। सुभांशु ध्रुव अपने पांच दोस्तों के साथ रविवार को सतरेंगा पिकनिक मनाने गया था। इस दौरान सभी दोस्त नदी में बने एक टापू तक जाने की कोशिश कर रहे थे। बीच रास्ते से सुभांशु ने वापस लौटने का फैसला किया, लेकिन इसी दौरान वह गहरे पानी में डूब गया। साय कैबिनेट बैठक कल आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत उसे बचाने और ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद मामले की सूचना श्यांग पुलिस और लेमरु थाना पुलिस को दी गई। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी शुरू की, लेकिन रात के अंधेरे और पानी के तेज बहाव के कारण रविवार को रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा। सोमवार सुबह नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया। दिनभर चली कड़ी मशक्कत के बाद देर शाम सुभांशु का शव पानी से बाहर निकाला जा सका। सुभांशु की मौत उसके परिवार के लिए दूसरा सबसे बड़ा झटका है। चार साल पहले उसके पिता का निधन हो गया था, जिसके बाद सुभांशु को अनुकंपा नियुक्ति के तहत स्श्वष्टरु में नौकरी मिली थी। वह पिछले ढाई साल से SECL कोरबा क्षेत्र की सेंट्रल वर्कशाप में कार्यरत था। घर का एकमात्र कमाने वाला बेटा होने के कारण उसकी असमय मौत ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बारनवापारा अभयारण्य 31 अक्टूबर तक बंद

विश्व केसरी■

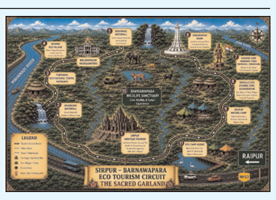

बलौदाबाजार (भुवन पटेल)। वन्यजीवों के संरक्षण, प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य को 1 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि इस अवधि में भी पर्यटकों को निराश नहीं होना पड़ेगा, क्योंकि बलौदाबाजार वनमण्डल ने मानसून पर्यटन को नई दिशा देने के लिए 'बारनवापारा-सिरपुर पर्यटन परिपथ : पवित्र श्रृंखला' की अभिनव अवधारणा पर कार्य शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य प्राकृतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक पर्यटन स्थलों को एक सूत्र में जोड़कर प्रदेश में सतत और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देना है। हर वर्ष मानसून के दौरान वन्यजीवों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए अभयारण्य को बंद रखा जाता है, ताकि वन्यजीवों को अनुकूल वातावरण मिल सके और जंगलों का प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र सुरक्षित रह सके।

हसदेव नदी उफान पर, तटीय इलाके खाली करने का अलर्ट जारी

दर्री बांध का चार नंबर गेट खोला गया, हसदेव में जल प्रवाह तेज

विश्व केसरी■

कोरबा (बबलू श्रीवास)। मानसून की सक्रियता के साथ ही कोरबा जिले सहित पूरे सरगुजा व बिलासपुर संभाग में मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हो गया है। पिछले तीन दिनों से लगातार जारी मूसलाधार मानसूनी वर्षा के कारण जिले के नदी-नाले पूरी तरह उफान पर आ गए हैं।

इसी कड़ी में दर्री मुख्य बांध में सहायक तान नदी से हो रही पानी की भारी आवक को नियंत्रित करने के लिए सिंचाई विभाग ने बांध के 4 नंबर गेट को खोल दिया है। गेट खुलते ही हसदेव नदी में जल का भारी प्रवाह शुरू हो गया है, जिसके चलते नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बाढ़ की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम डीआरएफ ने हसदेव नदी के निचले तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए विधिक रूप से हाई अलर्ट करते हुए सतर्क कर

दिया है। भू-अभिलेख और मौसम विभाग से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कोरबा जिले में 1 जून से लेकर 7 जुलाई 2026 की स्थिति में अब तक औसतन 260.48 मिलीमीटर वास्तविक वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

खेत-खलिहान जलमग्न, जोताई शुरू

बांगो बांध के कैचमेंट एरिया में लगातार बढ़ रहा पानी इस लगातार हो रही मानसूनी बारिश से ग्रामीण अंचलों के खेत-खलिहान पूरी तरह पानी से भर गए हैं। पानी भराव के कारण किसानों ने खरीफ फसल के लिए खेतों की जोताई का काम युद्धस्तर पर तेज कर दिया है, हालांकि धान की बोआई की

विधिक प्रक्रिया शुरू करने के लिए किसान अब बारिश के थोड़ा थमने का इंतजार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, कोरबा की जीवनदायिनी कहे जाने वाले मिनीमाता बांगो बांध के डूबान और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों विशेषकर कोरिया और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों में हो रही भारी बारिश के कारण बांध के जलस्तर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की जा रही है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त विधिक आंकड़ों के अनुसार, बांगो बांध में जहां 1 जून 2026 की स्थिति में मात्र 51.23 पानी शेष था, वहीं ऊपरी जलभराव के कारण वर्तमान में बांध का जलस्तर तेजी से उछलकर 60.40 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जलभराव और बाढ़ नियंत्रण के 3 मुख्य विधिक व प्रशासनिक बिंदु:तटीय बस्तियों में मुनादी: जिला प्रशासन ने दर्री और हसदेव नदी के डाउनस्ट्रीम में आने वाली सभी तटीय बस्तियों में कोटवारों के माध्यम से मुनादी (लाउडस्पीकर घोषणा) करा दी है।

एक भी स्कूल एकल शिक्षक वाला नहीं रहेगा : कलेक्टर

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं एवं प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशील तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में एक भी स्कूल एकल शिक्षक वाला नहीं होना चाहिए तथा शिक्षा, जनकल्याण, शिकायत निवारण और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर अग्रवाल ने जिले के एकल शिक्षक विद्यालयों की समीक्षा करते हुए बताया कि वर्तमान में ऐसे 11 विद्यालय हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी शालाओं में स्मार्ट टीवी एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र केवाईसी कराने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी स्वयं हितग्राहियों को बैंक तक ले जाकर उनकी प्रक्रिया पूरी कराएं, ताकि उन्हें योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी आवेदन का औपचारिक या एकतरफा निराकरण न करें। आवेदक से चर्चा कर उसकी समस्या का सार्थक समाधान सुनिश्चित करें।

विद्युत कंपनी ने करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने किया सचेत

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। बरसात का मौसम आते ही बिजली के करंट का खतरा बढ़ जाता है एवं बिजली के खंभों, एचटी लाइन, तारों और घर पर करंट के कारण कई हादसे देखने को मिलते हैं। इन हादसों में कई बार लोगों की जान तक चली जाती है। इसका कारण जानकारी का अभाव है। बिजली की लाइनों और घरों में प्रवाहित होने वाले करंट से बचने के लिए विभाग ने एडवाइजरी जारी करते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बिलासपुर क्षेत्र ने जनता को सचेत करते हुए कहा है कि जरा सी असावधानी की वजह से करंट बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मर एवं उपकरणों के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनायें रखें। यदि आंधी-तूफान में खंबे, तार आदि टूटे हों, तो इसकी सूचना तत्काल कंपनी के टोल फ्री नं. 1912 पर, मोर बिजली एप एवं समीप के वितरण केन्द्र या जोन कार्यालय में दें।

बारिश में बिजली के खंभों, तारों, और ट्रांसफार्मर से दूर रहें और किसी भी क्षतिग्रस्त लाइन या उपकरण को न छुएं। जहां बिजली के तार या उपकरण हो वहां बारिश के पानी में करंट फैल सकता है, इसलिए पानी में न चलें या न तैरें। बिजली के उपकरणों का उपयोग करते समय, सुनिश्चित करें कि

आपके पैर सूखे हों और आप रबर या प्लास्टिक के जूते पहने हों। विभाग द्वारा बारिश से पूर्व सभी फीडरों, ट्रांसफार्मरों और तारों की जांच की जा चुकी है। लेकिन नागरिकों की सतर्कता भी उतनी ही जरूरी है। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपभोक्ताओं को भी कुछ बातें ध्यान रखना आवश्यक है:-

विद्युत दुर्घटनाओं से बचने के लिए घरों/खेतों आदि में बिजली के गुणवत्तापूर्ण उपकरणों का उपयोग करें।

बाड़ी/खेतों की बाड़/कंटीले तार आदि में विद्युत प्रवाहित न करें, यह अनाधिकृत है, इससे किसी की जान भी जा सकती है तथा विभाग द्वारा खेत या बाड़ी के मालिक पर कानूनी कार्यवाही भी की जा सकती है।

विद्युत लाईनों, उपकरणों/ट्रांसफार्मर आदि में खराबी आने पर अनाधिकृत रूप से उनको सुधारने का प्रयास न करें।

बिजली की लाईनों के नीचे और उनके समीप बिलकुल स्थायी अथवा अस्थायी निर्माण ना करें। विद्युत लाईनों से सुरक्षित दूरी बनाये रखें।

यदि बिजली का तार टूटकर जमीन पर गिरा पाया जाता है, तो उससे दूर रहे तथा इसकी जानकारी तत्काल संबंधित लाईनमेंन/कनिष्ठ अभियंता को देकर विद्युत प्रवाह बंद करावें। नदी, नालों, तालाबों आदि में बिजली का तार टूटकर गिरा पाये जाने पर उनके अंदर न जायें, तथा पर्याप्त दूरी बनाये रखें साथ ही इसकी सूचना संबंधित लाईन कर्मचारी/कनिष्ठ अभियंता को तत्काल देकर विद्युत प्रवाह बंद करावें।

विद्युत लाइनों से सीधे हुकिंग कर बिजली का अनाधिकृत उपयोग न करे, यह खतरनाक हो सकता है।

- कपड़े सुखाने के लिए बिजली के खंभे और स्टे तार आदि का उपयोग ना करें।

मल्दी माइंस चोरी का खुलासा तीन आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार (भुवन पटेल)। मल्दी माइंस क्रेशर खदान क्षेत्र से लोहे के रोलर चोरी करने वाले गिरोह का सुहेला पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 86 नग लोहे के रोलर और वारदात में प्रयुक्त टाटा पिकअप वाहन (CG 12 BJ 5619) जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार, 30 जून 2026 की रात मल्दी माइंस से अज्ञात चोर पिकअप वाहन में 86 लोहे के रोलर लोड कर फरार हो रहे थे। खदान प्रबंधन द्वारा पीछा किए जाने पर घबराहट में आरोपियों का वाहन पलट गया। इसके बाद आरोपी चोरी का सामान और वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गए।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पहाड़ी कोरवा जनजाति पर लिखी पुस्तक का राज्यपाल ने किया विमोचन

विश्व केसरी■

कोरबा (बबलू श्रीवास)। जिले के हाईस्कूल पाताड़ी में पदस्थ अंग्रेजी विषय की व्याख्याता विमला भास्कर ने शिक्षा एवं जनजातीय शोध के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र मानी जाने वाली पहाड़ी कोरवा जनजाति के विद्यार्थियों की शिक्षा और शासकीय योजनाओं पर आधारित उनकी शोधपरक पुस्तक 'पहाड़ी कोरवा विद्यार्थी शिक्षा एवं शासकीय योजनाएं (राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में)' का विमोचन राजभवन रायपुर में राज्यपाल रामेन डेका के करकमलों से किया गया।

इस अवसर पर मंत्रालय रायपुर के विशेष सुरक्षा अधिकारी टंकेश्वर लहरे भी विशेष रूप से

उपस्थित रहे।

यह पुस्तक पहाड़ी कोरवा जनजाति के विद्यार्थियों की शिक्षा, सामाजिक परिस्थितियों और उनके लिए संचालित शासकीय योजनाओं के प्रभाव का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में तैयार यह शोध कार्य जनजातीय शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी दस्तावेज माना जा रहा है।

बालको ने फर्जी वेबसाइट, डोमेन और ई-मेल से सावधान रहने की अपील

विश्व केसरी■

कोरबा (बबलू श्रीवास)। बालकोनगर वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने नागरिकों, कर्मचारियों, व्यावसायिक साझेदारों एवं अन्य हितधारकों से साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि बालको के नाम, ब्रांड, उत्पाद अथवा सेवाओं से मिलते-जुलते फर्जी डोमेन, वेबसाइट और ई-मेल आईडी का उपयोग कर लोगों को गुमराह करने तथा संवेदनशील जानकारी हासिल करने के प्रयास किए जा सकते हैं।

बालको प्रबंधन के संज्ञान में आया है कि साइबर अपराधी ऐसे डोमेन और ई-मेल आईडी का उपयोग कर सकते हैं, जो देखने में कंपनी के आधिकारिक माध्यमों से मिलते-जुलते प्रतीत होते हैं। इनका उद्देश्य गोपनीय, व्यक्तिगत, वित्तीय अथवा व्यावसायिक जानकारी प्राप्त करना, मैलवेयर फैलाना या अन्य प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देना हो सकता है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे किसी भी डोमेन, वेबसाइट, ई-मेल अथवा अन्य संचार माध्यम का बालको से कोई संबंध, स्वीकृति या आधिकारिक मान्यता नहीं है।

सीएम का आदेश बेअसर, 11 दिन से शिकायत ठंडे बस्ते में

विश्व केसरी■

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जनता की शिकायतों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की कार्यप्रणाली पर कबीरधाम जिले से सामने आया एक मामला गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम पंचायत नरोधी से संबंधित शिकायत 26 जून 2026 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज की गई थी। शिकायत क्रमांक WP260600050591 जारी कर इसे आवश्यक कार्रवाई के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा को भेजे जाने की जानकारी दी गई थी।

हालांकि, 7 जुलाई 2026 तक पूरे 11 दिन बीत जाने के बावजूद शिकायतकर्ता से किसी भी अधिकारी ने संपर्क नहीं किया। न कोई फोन आया, न कोई संदेश मिला और न ही जांच अथवा कार्रवाई की जानकारी दी गई। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि यदि 'शीघ्र समाधान' का अर्थ 11 दिन बाद भी शिकायतकर्ता से संपर्क तक नहीं करना है, तो इस व्यवस्था की प्रभावशीलता कैसे सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री लगातार अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध और संवेदनशील निराकरण के निर्देश देते रहे हैं। इसके बावजूद यदि जिम्मेदार अधिकारी मुख्यमंत्री के निर्देशों का प्रभावी पालन नहीं कर पा रहे हैं, तो यह प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। आखिर जब मुख्यमंत्री के निर्देशों की ही अनदेखी हो रही है, तो आम नागरिक अपनी शिकायतों के समाधान के लिए किस पर भरोसा करें। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का उद्देश्य केवल शिकायत दर्ज करना नहीं, बल्कि उसका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है। अब देखना यह होगा कि कबीरधाम जिला प्रशासन और जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा इस मामले में कब तक कार्रवाई करते हैं तथा लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होती है या नहीं। फिलहाल, यह मामला मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की जमीनी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है।

नियमों में बदलाव कर सहायक प्रोग्रामर बना प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी

विश्व केसरी■

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में कबीरधाम जिला पंचायत के तत्कालीन प्रशासनिक फैसलों ने एक बार फिर गंभीर चर्चाओं को जन्म दे दिया है। उपलब्ध चार अलग-अलग आधिकारिक आदेशों के अध्ययन से घटनाक्रम यह संकेत देता है कि पहले सहायक प्रोग्रामर को जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा में पदस्थ किया गया, फिर नियमित कार्यक्रम अधिकारी को जिला पंचायत में संलग्न कर पद रिक्त कराया गया और उसके बाद उसी रिक्त पद का हवाला देकर सहायक प्रोग्रामर को प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया। यह पूरा घटनाक्रम शासन के स्पष्ट निर्देशों के विपरीत दिखाई देता है।

10 सितंबर 2025 : सहायक प्रोग्रामर दिलीप साहू को सहसपुर लोहारा भेजा गया

उपलब्ध आदेश के अनुसार दिनांक 10.09.2025 को जिला पंचायत कबीरधाम ने जनपद पंचायत बोड़ला में कार्यरत सहायक

प्रोग्रामर दिलीप कुमार साहू का स्थानांतरण जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा किया। उसी आदेश में सहसपुर लोहारा में पदस्थ सहायक प्रोग्रामर का स्थानांतरण बोड़ला किया गया। इस आदेश के बाद दिलीप साहू सहसपुर लोहारा में सहायक प्रोग्रामर के रूप में कार्य करने लगे।

16 अक्टूबर 2025 : नियमित कार्यक्रम अधिकारी को जिला पंचायत में अटैच कर पद रिक्त किया गया

इसके बाद सुनियोजित तरीके से दिनांक 16.10.2025 को जिला पंचायत कबीरधाम द्वारा एक अन्य आदेश जारी कर सहसपुर लोहारा में पदस्थ कार्यक्रम अधिकारी सेव कुमार चंद्रवंशी को 'प्रशासनिक व्यवस्था एवं कार्य संचालन' का हवाला देते हुए आगामी आदेश तक जिला पंचायत कबीरधाम में संलग्न कर दिया गया। इस आदेश से सहसपुर लोहारा में कार्यक्रम अधिकारी का पद व्यवहारिक रूप से रिक्त हो गया। इसी बिंदु से पूरे घटनाक्रम पर गंभीर प्रशासनिक सवाल खड़े होने लगे। यदि कार्यक्रम अधिकारी की आवश्यकता थी तो उन्हें जिला पंचायत में संलग्न क्यों किया गया और यदि प्रशासनिक आवश्यकता थी तो उनके स्थान पर नियमित व्यवस्था क्यों नहीं बनाई गई।

22 दिसंबर 2025 : रिक्त पद का हवाला देकर दिलीप साहू को कार्यक्रम अधिकारी का प्रभार

करीब दो महीने बाद दिनांक 22.12.2025 को तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कबीरधाम ने आदेश जारी कर सहायक प्रोग्रामर दिलीप कुमार साहू को यह कहते हुए कि 'कार्यक्रम अधिकारी का पद रिक्त है', जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा में प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया।

जिस पद को पहले नियमित अधिकारी को हटाकर रिक्त कराया गया, उसी रिक्ति को आधार बनाकर अधीनस्थ पद के कर्मचारी को कार्यक्रम अधिकारी का प्रभार सौंप दिया गया। इससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और वैधानिकता पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं।

01 दिसंबर 2018 का शासन आदेश बना सबसे बड़ा आधार

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी दिनांक 01.12.2018 के शासन आदेश में सहायक प्रोग्रामर की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हैं। आदेश के अनुसार सहायक प्रोग्रामर की भूमिका तकनीकी एवं वित्तीय परीक्षण, एमआईएस सत्यापन तथा कार्यक्रम अधिकारी को सहयोग देने तक सीमित है।

आरक्षक भर्ती रद्द नहीं होगी, हाईकोर्ट ने 129 अभ्यर्थियों की जांच के दिए आदेश

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। छत्तीसगढ़ में चल रही आरक्षक भर्ती प्रक्रिया को लेकर दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने पूरी भर्ती प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग खारिज करते हुए कहा कि कुछ अभ्यर्थियों पर लगे अनियमितता के आरोपों के आधार पर पूरे चयन को रद्द करना उचित नहीं होगा। हालांकि, कोर्ट ने भर्ती में संदिग्ध पाए गए 129 अभ्यर्थियों की विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए हैं। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने की। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि बिलासपुर भर्ती केंद्र में आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान लंबी कूद, गोला फेंक और दौड़ जैसी स्पर्धाओं में अनियमितताएं हुईं, जिससे चयन प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द करने के साथ मामले की सीबीआई जांच की भी मांग की थी।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि कथित गड़बड़ी में शामिल अभ्यर्थियों की पहचान की जा चुकी है और उन्हें बाकी उम्मीदवारों से अलग किया जा

सकता है, तो निर्दोष और पात्र अभ्यर्थियों को इसका नुकसान नहीं उठाना चाहिए। इसलिए पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। खंडपीठ ने सीबीआई जांच की मांग भी अस्वीकार कर दी। अदालत ने कहा कि उपलब्ध तथ्यों से यह मामला किसी व्यापक या संगठित भ्रष्टाचार का प्रतीत नहीं होता। विभाग ने शिकायतों के आधार पर स्वयं जांच कर संदिग्ध अभ्यर्थियों की पहचान की है, इसलिए फिलहाल सीबीआई जांच की आवश्यकता नहीं है।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा चिन्हित 129 संदिग्ध अभ्यर्थियों और संबंधित पत्राचार में उल्लेखित अन्य उम्मीदवारों की जांच किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से कराई जाए।

लगातार चार सत्रों की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार में मुनाफावसूली, सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में बंद

विश्व केसरी

मुंबई। लगातार चार सत्रों की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को मुनाफावसूली देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 104.35 अंक या 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,180.72 और निफ्टी 31.65 अंक या 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,398.70 पर था।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 186.20 अंक या 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,285.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 105.70 अंक या 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,213.40 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टाइटन, इटरनल, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, आईटीसी और एसबीआई गेनर्स थे। ट्रेंट, बीईएल, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, सन फार्मा, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल लूजर्स थे।

सूचकांकों में निफ्टी आईटी, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी मिड स्मॉल आईटी एंड टेलीकॉम हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी ऑटो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑयलएंडगैस लाल निशान में थे।

बाजार के जानकारों ने कहा कि सत्र के दूसरे हिस्से में मुनाफा वसूली देखने को मिली। इसकी वजह एशियाई बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी फेड के मिनट्स से पहले निवेशकों का सतर्क होना है।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, आईटी शेयरों ने बाजार को सहारा देना जारी रखा और जून तिमाही के नतीजों के सीजन से पहले अपनी बढ़त बनाए रखी। अमेरिका-ईरान विवाद और ट्रेड टैरिफ को लेकर चिंताएं कम होने के साथ, बाजार का ध्यान अब वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजों और मानसून की प्रगति पर जा रहा है।

ईसीएलजीएस 5.0 के तहत 4.11 लाख से अधिक गारंटी जारी, 1.55 लाख करोड़ रुपए का ऋण हुआ स्वीकृत: सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को बताया कि इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) 5.0 के तहत लॉन्च होने के बाद से अब तक 4,11,497 गारंटी जारी की जा चुकी हैं, और इसके तहत कुल 1,55,229 करोड़ रुपए की गारंटी दी गई है, जो यह दर्शाता है कि बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली ने इस योजना को तेजी से अपनाया है।

सरकार के अनुसार, 5 मई 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई यह योजना पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव से प्रभावित कारोबारों को तेजी से और बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

यह योजना बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए जोखिम को कम करने का काम करती है, ताकि वे पात्र उधारकर्ताओं को अतिरिक्त ऋण उपलब्ध करा सकें। इससे कंपनियों को नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) से जुड़ी समस्याओं से उबरने और अपने कारोबार को सुचारू रूप से जारी रखने में मदद मिलती है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि योजना के तहत एमएसएमई को दिए जाने वाले अतिरिक्त ऋण पर 100 प्रतिशत गारंटी और अन्य कारोबारी वर्गों के लिए 90 प्रतिशत गारंटी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वित्तीय संस्थानों का भरोसा बढ़ा है और जरूरतमंद क्षेत्रों तक तेजी से ऋण पहुंचाना संभव हुआ है।

मंत्रालय ने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 के शुरुआती नतीजे यह साबित करते हैं कि सरकार एक मजबूत, त्वरित और भरोसेमंद ऋण व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार का मानना है कि जैसे-जैसे इस योजना का दायरा बढ़ेगा और अधिक लोगों तक इसकी पहुंच बनेगी, यह विशेष रूप से एमएसएमई और उद्यमियों को बाहरी चुनौतियों के दौरान आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिल्ली-एनसीआर ने 2026 की दूसरी तिमाही में रिकॉर्ड फ्लेक्स स्पेस की मांग दर्ज की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर ने 2026 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) अवधि में फ्लेक्स स्पेस की रिकॉर्ड मांग दर्ज की है और इस दौरान कुल 3.6 मिलियन स्क्वायर फीट की मांग में से फ्लेक्स ऑपरेटर्स की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत की रही है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

सीबीआरई साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड की रिपोर्ट के अनुसार, इस इलाके में मांग बढ़ाने वाले मुख्य सेक्टर रिसर्च, कंसल्टिंग और एनालिटिक्स (17 प्रतिशत) और टेक्नोलॉजी (12 प्रतिशत) रहे, जबकि दिल्ली-एनसीआर में नई आपूर्ति लगभग 2 मिलियन स्क्वायर फीट थी।

दिल्ली-एनसीआर का प्रदर्शन देश के बड़े ट्रेंड को दिखाता है। भारत के ऑफिस सेक्टर में फ्लेक्सिबल स्पेस ऑपरेटर्स सबसे बड़े ऑक्यूपायर (जगह इस्तेमाल करने वाले) रहे, जिनकी हिस्सेदारी 27 प्रतिशत थी।

फ्लेक्स, टेक्नोलॉजी और बीएफएसआई कंपनियों ने मिलकर देश में 2026 की दूसरी तिमाही में लीजिंग का लगभग 63 प्रतिशत और 2026 की पहली छमाही में लीजिंग का 58 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया।

भारत के ऑफिस मार्केट ने 2026 की दूसरी तिमाही में लगभग 24.6 मिलियन स्क्वायर फीट का अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही एब्जॉर्प्शन (जगह की खपत) दर्ज किया। यह पिछली तिमाही के मुकाबले 18 प्रतिशत और साल-दर-साल 14 प्रतिशत ज्यादा था। साथ ही, लगभग 21.0 मिलियन स्क्वायर फीट की रिकॉर्ड सप्लाई भी देखी गई, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 91 प्रतिशत ज्यादा थी।

दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु और पुणे के साथ टॉप तीन योगदानकर्ताओं में शामिल था। इन तीनों का मिलकर भारत के 2026 की दूसरी तिमाही एब्जॉर्प्शन में 58 प्रतिशत हिस्सा रहा।

इस क्षेत्र में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) भी सक्रिय रहे और 2026 की दूसरी तिमाही में पूरे भारत में जीसीसी लीजिंग में दिल्ली-एनसीआर का 8 प्रतिशत हिस्सा रहा। इस तिमाही के दौरान भारत के कुल ऑफिस एब्जॉर्प्शन में जीसीसी का हिस्सा 42 प्रतिशत था - जो अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही हिस्सा है।

सीबीआरई के चेयरमैन और सीईओ (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका) अंशुमन मैगजीन ने कहा, 'भारत का ऑफिस मार्केट अपनी मजबूती और लचीलेपन का प्रदर्शन जारी रखे हुए है।

सोने और चांदी में लगातार दूसरे दिन गिरावट, करीब 1.20 प्रतिशत तक घटे दाम

विश्व केसरी

मुंबई । सोने और चांदी मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ खुले। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 1.20 प्रतिशत तक कम हो गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,46,917 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले हल्की गिरावट के साथ 1,46,566 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

शुरुआती कारोबार में ही इसमें गिरावट देखने को मिली। सुबह 9:52 पर यह 1,009 रुपए या 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,45,908 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,45,767 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,46,566 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है।

चांदी में गिरावट देखी जा रही है। चांदी का 4 सितंबर 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,36,099 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 1,999 रुपए की गिरावट के साथ 2,34,100 रुपए प्रति किलो पर खुला।

शुरुआत कारोबार के बाद इसमें और बिकवाली देखने को मिली। यह 2,816 रुपए या 1.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,33,283 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,32,862 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,34,100 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है, जो कि इसका ओपनिंग लेवल भी है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में बिकवाली देखने को मिल रही है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,141 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61.41 डॉलर प्रति औंस पर था।

इसके अतिरिक्त, रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 27) की अप्रैल-जून अवधि में गोल्ड लोन सबसे बड़ी सिक्योर एसेट क्लास बन गई है। इसने वाहन लोन को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट में बताया गया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जारी किए गए सभी सिक्योर लोन में से गोल्ड लोन की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 31 प्रतिशत हो गई है। वहीं, वाहन लोन की हिस्सेदारी कम होकर करीब 26 प्रतिशत हो गई है।

2026 में एक दिन में सबसे ज्यादा एसएमई आईपीओ की हुई लिस्टिंग, 6 कंपनियों ने बाजार में मारी एंट्री

विश्व केसरी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार का कारोबारी सत्र ऐतिहासिक रहा। इस दौरान कुल 6 स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज (एसएमई) कंपनियों की लिस्टिंग हुई, जो कि 2026 में एसएमई आईपीओ लिस्टिंग का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

लिस्ट हुई छह एमएमई कंपनियों ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए संयुक्त रूप से 185.14 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इनमें से दो कंपनियों की लिस्टिंग नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एसएमई प्लेटफॉर्म एनएसई इमर्ज पर हुई, जबकि बाकी चार कंपनियों की लिस्टिंग बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के एसएमई प्लेटफॉर्म बीएसई एसएमई पर हुई।

इससे पहले 24 जून को एक साथ चार एसएमई कंपनियों की शेयर बाजार में एंट्री हुई थी। इन सभी कंपनियों ने मिलकर शेयर बाजार से 252.55 करोड़ रुपए जुटाए।

एसएमई आईपीओ उन छोटी और मध्यम आकार की कंपनियों का आईपीओ होता है, जिनका कारोबार और पूंजी मेनबोर्ड कंपनियों की तुलना में छोटा होता है। ये कंपनियां मुख्य रूप से एनएसई के इमर्ज और बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध होती हैं। मेनबोर्ड आईपीओ की तुलना में एसएमई आईपीओ में न्यूनतम निवेश राशि अधिक होती है और लॉट साइज भी बड़ा होता है। साथ ही, इनमें तरलता अपेक्षाकृत कम और जोखिम अधिक माना जाता है, क्योंकि कंपनियों का आकार छोटा तथा कारोबार सीमित होता है।

जानकारों के मुताबिक, बड़ी संख्या में छोटी कंपनियों का शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना दिखाता है कि निवेशक अब नए मौकों के लिए एसएमई सेगमेंट की ओर फिर से देख रहे हैं। साथ ही, उनका भरोसा लौट रहा है।

अमेरिका-ईरान युद्ध समाप्त होने के बाद भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की रुचि दोबारा से बढ़ रही है। बीते एक महीने में बीएसई सेंसेक्स ने करीब 6.5 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी ने करीब 6 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी ऑल-टाइम हाई के करीब बने हुए हैं।

एनएसई के 30,000 करोड़ रुपए के आईपीओ पर उठ रहे सवाल, एक दशक की देरी और ऑप्शंस कारोबार में सुस्ती बनी चुनौती

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का प्रस्तावित 30,000 करोड़ रुपए का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा शेयर इश्यू माना जा रहा है। हालांकि यह आईपीओ करीब एक दशक की देरी के बाद सामने आ रहा है। इस देरी की मुख्य वजह को-लोकेशन विवाद रही।

अब जब एक्सचेंज लिस्टिंग की तैयारी कर रहा है, तब डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग पर हाल में लगाए गए नियामकीय प्रतिबंधों के कारण उसकी आय, मुनाफे और बाजार हिस्सेदारी पर असर पड़ा है, जिससे इस बहुप्रतीक्षित आईपीओ को लेकर नए सवाल भी खड़े हो गए हैं। यह जानकारी वैल्यू रिसर्च की रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह पूरा मामला वर्ष 2010 से 2014 के बीच सामने आए को-लोकेशन विवाद से जुड़ा है। आरोप था कि कुछ ब्रोकर्स एनएसई के डेटा सेंटर में बैकअप सर्वर से पहले जुड़ जाते थे, जिससे उन्हें अन्य निवेशकों की तुलना में कुछ मिलीसेकेंड पहले बाजार संबंधी जानकारी मिल जाती थी। फॉरेंसिक ऑडिट में इस पैटर्न की पुष्टि हुई, जिसके बाद सेबी ने जांच शुरू की।

जब एनएसई ने वर्ष 2016 में अपना ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया, तब तक यह मामला पूरी तरह सुलझा नहीं था। नियामकीय अनिश्चितता के कारण आईपीओ की प्रक्रिया रोक दी गई और इसके बाद मामला कई वर्षों तक सेबी की कार्रवाई, अपीलीय न्यायाधिकरण और अंततः सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब यह मामला अंतिम चरण में है। एनएसई ने सेबी के साथ 1,491 करोड़ रुपए के संशोधित सेटलमेंट का प्रस्ताव रखा है, जिसे मंजूरी मिलने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद आईपीओ का रास्ता साफ होता दिख रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 में आशीष चौहान की एनएसई में वापसी ने आईपीओ प्रक्रिया को फिर से गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चौहान एनएसई की संस्थापक टीम का हिस्सा रहे हैं और बाद में उन्होंने बीएसई की 2017 की लिस्टिंग का नेतृत्व भी किया था। उनकी वापसी से एक्सचेंज की नियामकीय विश्वसनीयता मजबूत हुई ।

फिनटेक सेक्टर में आ रहा बड़ा बदलाव, अब ग्रोथ की जगह भरोसा जीतने पर फोकस कर रही कंपनियां : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के फिनटेक सेक्टर में अब कंपनियों का फोकस ग्रोथ की जगह अब ग्राहकों का भरोसा जीतने, गवर्नेंस और मजबूती पर है। साथ ही, सेक्टर में 59 प्रतिशत कंपनियां अपनी साख और ब्रांड से जुड़े जोखिम को बहुत गंभीर चिंता मानती हैं। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (एफएसीई) और ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों के लिए प्रतिष्ठा से जुड़े जोखिम के बाद इंटरऑपरेबिलिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े जोखिम 51 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्राहकों का भरोसा डेटा लीक और साइबर सुरक्षा की घटनाओं से लेकर अनधिकृत संस्थाओं की गलत हरकतों जैसी समस्याओं से प्रभावित हो सकता है। इस तरह, प्रतिष्ठा गवर्नेंस, नियमों का पालन, ग्राहकों के अनुभव और डेटा सुरक्षा का नतीजा होती है।

रिपोर्ट में बताया गया कि फिनटेक कंपनियां यूपीआई और आधार जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा निर्भर हो रही हैं। साथ ही, उन्हें भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम के लगातार विकास और मजबूती पर भरोसा है।

यूपीआई, आधार, ई-केवाईसी और अकाउंट एग्रीगेटर जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की मदद से भारत का फिनटेक इकोसिस्टम देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा बन गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जोखिमों के मामले में मार्केट कॉम्पिटिशन और कंडक्ट रिस्क तीसरे नंबर पर है और इनका औसत गंभीरता स्कोर 6.9 था। वहीं, डेटा एक्सेस, प्राइवेसी और सुरक्षा का स्कोर 6.6 रहा और साइबर सुरक्षा, टेक्नोलॉजी और बिजनेस कंटिन्यूटी का स्कोर 6.5 रहा।

जोखिम की रैंकिंग 1 से 10 के पैमाने पर उत्तरदाताओं द्वारा दिए गए वेटेड एवरेज गंभीरता स्कोर पर आधारित है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर और फाइनेंशियल सर्विसेज रिस्क एडवाइजरी लीडर विवेक अय्यर ने कहा, 'मुनाफे, विकास और भरोसे के बीच संतुलन बनाना फिनटेक इकोसिस्टम के लिए मुख्य कारकों में से एक बन गया है, और फिनटेक बैरोमीटर रिपोर्ट इसी बात पर जोर देती है।

पेमेंट, निवेश, क्रेडिट और बीमा जैसे क्षेत्रों में फिनटेक इकोसिस्टम के पास एक दशक पहले की तुलना में अधिक मजबूत आय और गवर्नेंस मॉडल हैं, जो उन्हें विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने में मदद कर रहे हैं।

दुनिया की इस जगह पर करीब 70 दिन तक नहीं डूबता सूरज, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

क्या आपने कभी ऐसी जगह के बारे में सुना है, जहां सूरज कई दिनों तक डूबता ही नहीं? नॉर्वे का हैमरफेस्ट (Hammerfest) ऐसा ही एक शहर है, जहां गर्मियों के दौरान करीब 70 दिनों तक सूरज क्षितिज के नीचे नहीं जाता. इस अनोखी प्राकृतिक घटना को देखने के लिए हर साल दुनिया भर से हजारों पर्यटक यहां पहुंचते हैं.

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जो अपनी अनोखी प्राकृतिक घटनाओं के लिए मशहूर हैं. नॉर्वे का हैमरफेस्ट उन्हीं खास जगहों में से एक है. यह शहर आर्कटिक सर्कल के उत्तर में स्थित है और दुनिया के सबसे उत्तरी शहरों में गिना जाता है. यहां हर साल गर्मियों के मौसम में एक ऐसी घटना होती है, जिसे देखकर पहली बार आने वाले लोग हैरान रह जाते हैं. इस दौरान करीब 70 दिनों तक सूरज डूबता ही नहीं और आधी रात में भी दिन जैसा उजाला बना रहता है.

हैमरफेस्ट में यह घटना पृथ्वी के 23.5 डिग्री झुकाव (A&ial Tilt) की वजह से होती है. जब पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है, तो गर्मियों में उत्तरी ध्रुव वाला हिस्सा लगातार सूर्य की ओर झुका रहता है. इसी कारण आर्कटिक सर्कल के ऊपर स्थित क्षेत्रों में कई दिनों तक सूरज क्षितिज के नीचे नहीं जाता. इस प्राकृतिक घटना को मिडनाइट सन (Midnight Sun) कहा जाता है.

कब तक दिखाई देता है मिडनाइट सन?

हैमरफेस्ट में आमतौर पर 16 मई से 27 जुलाई के बीच करीब 70 से 75 दिनों तक सूरज लगातार दिखाई देता है. इस दौरान रात के 12 बजे भी आसमान में उजाला रहता है. लोग बिना टॉर्च के बाहर घूम सकते हैं और आधी रात में भी ट्रैकिंग, फोटोग्राफी या अन्य गतिविधियों का आनंद लेते हैं. इसके उलट सर्दियों में यहां पोलर नाइट (Polar Night) होती है, जब कई

हफ्तों तक सूरज क्षितिज के ऊपर नहीं आता.

पर्यटकों के लिए क्यों है खास?

मिडनाइट सन देखने के लिए हर साल दुनिया भर से हजारों पर्यटक हैमरफेस्ट पहुंचते हैं. यहां लोग आधी रात को सूरज के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं, पहाड़ों पर ट्रैकिंग करते हैं और समुद्री किनारों से इस अनोखे नजारे का आनंद लेते हैं. यह अनुभव दुनिया के चुनिंदा स्थानों पर ही देखने को मिलता है, इसलिए यह जगह ट्रैवल लवर्स की बकेट लिस्ट में शामिल रहती है.

प्रकृति का अनोखा करिश्मा

हैमरफेस्ट की यह घटना किसी चमत्कार का नहीं, बल्कि पृथ्वी की गति और उसके झुकाव का परिणाम है. फिर भी पहली बार इसे देखने वाले लोगों के लिए यह किसी जादू से कम नहीं लगता. यही वजह है कि नॉर्वे का यह छोटा-सा शहर दुनियाभर में 'मिडनाइट सन' के लिए प्रसिद्ध है और हर साल लाखों लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

लीची या स्नेक फ्रूट, कौन-सा फल है बेहतर? यहां जानें दोनों के बीच का अंतर

लीची का मीठा और रसीला स्वाद सभी को पसंद आता है. वहीं, स्नेक फ्रूट भी अपने अनोखे स्वाद और खास दिखावट की वजह से लोगों का ध्यान खींच रहा है. आइए लीची और स्नेक फ्रूट के बीच के अंतर को जानते हैं.

गर्मियों के सीजन में लीची का मीठा और रसीला स्वाद सभी को पसंद आता है. वहीं, हाल के सालों में स्नेक फ्रूट (सलाक) ने भी अपने अनोखे स्वाद और खास दिखावट की वजह से लोगों का ध्यान खींचा है. पहली नज़र में भले ही इन दोनों फलों की तुलना की जा सकती है, लेकिन असल में ये उत्पत्ति, स्वाद, बनावट और पोषण के मामले में एक-दूसरे से काफी अलग हैं. आइए लीची और स्नेक फ्रूट के बीच के अंतर को जानें और पता करें कि आपके लिए कौन सा बेहतर हो सकता है...

ये फल कहां उगते हैं?

लीची की खेती मुख्य रूप से भारत, चीन, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों में की जाती है. भारत में बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश इसके मुख्य उत्पादक राज्य हैं. वहीं, स्नेक फ्रूट मूल रूप से इंडोनेशिया का फल है और यह दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ अन्य देशों में भी पाया जाता है.

यह कैसा दिखता है?

लीची का छिलका लाल या गुलाबी और खुरदरा होता है. इसके अंदर सफ़ेद, रसीला गूदा और एक बड़ा बीज होता है. इसके उलट, स्नेक फ्रूट का छिलका भूरे रंग का होता है और सांप के छिलकों जैसा दिखता है इसीलिए इसे 'स्नेक फ्रूट' कहा जाता है.

स्वाद और बनावट

लीची का स्वाद मीठा, रसीला और हल्का खट्टा होता है. इसके उलट, स्नेक फ्रूट मीठा और हल्का खट्टा हो सकता है इसका स्वाद कुछ-कुछ सेब, नाशपाती और अनानास के मिश्रण जैसा लगता है. इसका गूदा कुरकुरा होता है, जबकि लीची ज़्यादा रसीली होती है.

पोषक तत्वों में क्या अंतर है?

दोनों फलों में विटामिन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। लीची को विटामिन ष्ट का अच्छा स्रोत माना जाता है, जबकि स्नेक फ्रूट में फाइबर, पोटैशियम और कुछ एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड होते हैं. अगर इन्हें सीमित मात्रा में खाया जाए, तो दोनों ही हेल्दी डाइट का हिस्सा बन सकते हैं.

कौन सा फल बेहतर है?

यह पूरी तरह से आपकी पसंद और उपलब्धता पर निर्भर करता है. अगर आपको रसीले और मीठे फल पसंद हैं, तो लीची बेहतर विकल्प हो सकती है. दूसरी ओर, अगर आप अनोखे स्वाद और कुरकुरी बनावट वाला कोई खास फल आज़माना चाहते हैं, तो आप स्नेक फ्रूट चुन सकते हैं।

छोटे बच्चों को सुबह जगाते समय जरूर करें ये 8 काम, दिनभर रहेंगे आत्मविश्वास से भरे हुये

बच्चों को सुबह प्यार से जगाएं, सबसे पहले उन्हें एक प्यारी सी मुस्कान दें और गले लगाएं. सकारात्मक बातें करें, जल्दबाजी कम करें और पौष्टिक नाश्ता दें. सुबह स्क्रीन से दूर रखें, इससे उनका दिन खुशहाल बनेगा. तो इन कामों को जरूर ट्राई करें.

सुबह का समय बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है. दिन की शुरुआत जैसी होती है, उसका असर पूरे दिन उनके मूड, व्यवहार और पढ़ाई पर दिखाई देता है. अक्सर माता-पिता बच्चों को स्कूल के लिए जल्दबाजी में उठाते हैं, जिससे बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं और उनका दिन तनाव के साथ शुरू होता है. अगर कुछ आसान बातों का ध्यान रखा जाए तो बच्चों का दिन खुशहाल और ऊर्जा से भरपूर बन सकता है.

प्यार से जगाएं, डांटकर नहीं

बच्चों को अचानक तेज आवाज में या डांट-फटकार के साथ उठाने से उनका मूड खराब हो सकता है. उन्हें धीरे-धीरे प्यार से पुकारें, सिर पर हाथ फेरें या हल्के संगीत की मदद से जगाएं. इससे बच्चे सुरक्षित और सकारात्मक महसूस करते हैं.

सुबह एक प्यारी मुस्कान दें

जैसे ही बच्चा जागे, उसे मुस्कान के साथ 'गुड मॉर्निंग' कहें. माता-पिता की मुस्कान बच्चों के मन पर गहरा प्रभाव डालती है. इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे दिन की शुरुआत अच्छे मूड में करते हैं।

बेसन का हलवा बनाते समय न करें ये छोटी गलती, हर बार मिलेगा हलवाई जैसा दानेदार स्वाद और खुशबू, जानिए आसान रेसिपी

आप बिना ज्यादा मेहनत के स्वादिष्ट मिठाई बनाना चाहते हैं, तो बेसन का हलवा एक शानदार विकल्प है. सही तरीके से भुना हुआ बेसन, देसी घी और इलायची की खुशबू मिलकर ऐसा स्वाद देते हैं कि हर कोई आपकी रेसिपी जरूर पूछेगा.

जब भी घर में कुछ मीठा बनाने की बात आती है, तो बेसन का हलवा सबसे पहले याद आता है. इसकी खुशबू, स्वाद और मुलायम टेक्सचर हर किसी का दिल जीत लेता है. अच्छी बात यह है कि इसे बनाने के लिए ज्यादा सामान या घंटों की मेहनत नहीं लगती, अगर घर में बेसन, घी, दूध और चीनी मौजूद है तो कुछ ही मिनटों में गर्मागर्म हलवा तैयार किया जा सकता है. चाहे त्योहार हो, मेहमान अचानक आ जाएं या शाम की चाय के साथ कुछ मीठा खाने का मन हो, बेसन का हलवा हर मौके पर बढ़िया लगता है. बच्चों से लेकर बड़े तक इसे बड़े चाव से खाते हैं, अगर बेसन को सही तरीके से भून लिया जाए तो हलवे का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है.

इस लेख में आप जानेंगे कि स्वादिष्ट बेसन का हलवा बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए, इसे बनाने का आसान तरीका क्या है और किन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखने से आपका हलवा हर बार बिल्कुल परफेक्ट बनेगा.

बेसन का हलवा बनाने के लिए जरूरी सामान

1. 1 कप बेसन
2. 1 कप दूध
3. 1 कप चीनी
4. 1/3 कप देसी घी (करीब 70 ग्राम)
5. 4 छोटी इलायची
6. 1 टेबल स्पून बारीक कटे पिस्ते

अगर चाहें तो ऊपर से बादाम, काजू या थोड़ी सी केसर डालकर भी इसका स्वाद और लुक बेहतर बना सकते हैं.

बेसन का हलवा बनाने का आसान तरीका

सबसे पहले एक भारी तले वाली कड़ाही लें और उसमें देसी घी गर्म करें. जब घी हल्का गर्म हो जाए तो उसमें बेसन डाल दें. अब धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए बेसन को अच्छे से भूनें. बेसन का रंग हल्का सुनहरा होने लगे और उसमें से खुशबू आने लगे, तब समझिए कि वह अच्छी तरह भुन चुका है. अब इसमें दूध डालें और लगातार चलाते रहें ताकि कोई गांठ न बने. कुछ मिनट पकाने के बाद गैस बंद कर दें और कड़ाही को दो-तीन मिनट के लिए ढक दें. इस दौरान इलायची का पाउडर तैयार कर लें और पिस्ते को बारीक काट लें.

अब दूसरी कड़ाही या पैन में थोड़ा घी डालें. उसमें चीनी, थोड़ा पानी और इलायची पाउडर डालकर चीनी घुलने तक पकाएं. बहुत गाढ़ी चाशनी बनाने की जरूरत नहीं है. बस चीनी अच्छी तरह घुल जाए, इतना काफी है।

लौकी की सजी से भागते हैं बच्चे? एक बार इस मलाईदार रायते का स्वाद चखेंगे तो बार-बार बनाने की करेंगे फरमाइश

गर्मी के मौसम में लौकी का रायता स्वाद और ताजगी दोनों देता है. सही तरीके से उबली लौकी, ताजा दही, हल्के मसाले और हींग-जीरे का तड़का मिलकर इसे बेहद लाजवाब बना देते हैं. एक बार यह आसान रेसिपी जरूर ट्राई करें.

गर्मी का मौसम आते ही खाने-पीने की आदतों में बदलाव करना पड़ता है. इस समय ऐसी चीजें खाना अच्छा माना जाता है जो पेट पर हल्की हों, शरीर को ठंडक दें और लंबे समय तक ताजगी बनाए रखें. इसी वजह से दही, खीरा, ककड़ी और लौकी जैसी चीजें लोगों की पहली पसंद बन जाती हैं, लेकिन सच यह भी है कि घर के कई लोग, खासकर बच्चे, लौकी का नाम सुनते ही खाने से मना कर देते हैं, अगर आपके घर में भी ऐसा ही होता है, तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है. मशहूर कुक मेघा महिंद्रू ने लौकी को स्वादिष्ट बनाने का एक आसान तरीका बताया है.

उनका बनाया लौकी का रायता इतना स्वादिष्ट बनता है कि जो लोग लौकी से दूरी बनाते हैं, वे भी इसे खुशी से खा लेते हैं. यह रेसिपी जल्दी तैयार हो जाती है, बनाने में आसान है और गर्मी के मौसम में खाने का मजा भी दोगुना कर देती है, अगर आप रोज की एक जैसी सब्जी से बोर हो चुके हैं, तो इस बार घर पर यह खास रायता जरूर बनाकर देखें.

सही लौकी चुनना सबसे जरूरी

अच्छे स्वाद वाले रायते की शुरुआत अच्छी लौकी से होती है. हमेशा ताजी, पतली और नरम लौकी लें।

धरती पर मौजूद है ऐसा रेगिस्तान जहां होती है बर्फबारी, नजारा देखन आप भी रह जाएंगे दंग

रेगिस्तान का नाम सुनते ही गर्म रेत, तेज धूप और तपती हवाओं का ख्याल आता है. लेकिन दुनिया में एक ऐसा रेगिस्तान भी है, जहां सर्दियों में बर्फबारी होती है और सुनहरे रेत के टीलों पर सफेद बर्फ की चादर बिछ जाती है. अफ्रीका का गोबी रेगिस्तान (Gobi Desert) अपनी इसी अनोखी खासियत के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है.

रेगिस्तान का मतलब अक्सर लोग सिर्फ भीषण गर्मी और रेत से लगाते हैं, लेकिन हर रेगिस्तान ऐसा नहीं होता. गोबी रेगिस्तान, जो दक्षिणी मंगोलिया और उत्तरी चीन में फैला हुआ है, दुनिया के सबसे अनोखे रेगिस्तानों में से एक है. करीब 13 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला यह एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का छठा सबसे बड़ा रेगिस्तान माना जाता है. इसकी सबसे खास बात यह है कि यहां गर्मियों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच सकता है, जबकि सर्दियों में यही तापमान -40 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है. इसी वजह से यहां कई बार बर्फबारी भी होती है.

रेगिस्तान में बर्फबारी कैसे संभव है?

गोबी रेगिस्तान को कोल्ड डेजर्ट (Cold Desert) कहा जाता है. इसकी वजह इसका भौगोलिक स्थान है. यह समुद्र से काफी दूर स्थित है और चारों ओर ऊंचे पर्वतों से घिरा हुआ है. सर्दियों में साइबेरिया से आने वाली बेहद ठंडी हवाएं इस पूरे इलाके का तापमान तेजी से गिरा देती हैं. जब वातावरण में नमी मौजूद होती है, तो बर्फबारी होने लगती है. यही कारण है कि यहां रेत के टीलों और चट्टानों पर बर्फ की मोटी परत दिखाई देती है.

नजारा किसी जादुई दुनिया से कम नहीं

जब सुनहरी रेत पर सफेद बर्फ की चादर बिछती है, तो गोबी रेगिस्तान का दृश्य बेहद खूबसूरत दिखाई देता है. दूर-दूर तक फैले रेत के टीले, उन पर जमी बर्फ और साफ नीला आसमान इस जगह को किसी फिल्मी लोकेशन जैसा बना देते हैं. यही वजह है कि सर्दियों में यहां आने वाले पर्यटक और फोटोग्राफर इस दुर्लभ नजारे को अपने कैमरे में कैद करने के लिए दूर-दूर से पहुंचते हैं.

सिर्फ रेत ही नहीं, यहां मिलते हैं दुर्लभ जीव भी

गोबी रेगिस्तान जैव विविधता के लिए भी जाना जाता है. यहां जंगली बैक्ट्रियन ऊंट (Wild Bactrian Camel), स्नो लेपर्ड, गोबी भालू (Gobi Bear) और कई दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं. इनमें से कुछ जीव दुनिया के सबसे संकटग्रस्त वन्यजीवों में शामिल हैं. कठोर मौसम के बावजूद इन जानवरों ने खुद को इस वातावरण के अनुसार ढाल लिया है.

डायनासोर के जीवाश्मों के लिए भी है मशहूर

गोबी रेगिस्तान सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, बल्कि पुरातात्विक खोजों के लिए भी प्रसिद्ध है. 1920 के दशक में यहां कई डायनासोर के जीवाश्म और अंडे मिले थे।

जिसने दुनिया भर के वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींचा. आज भी यहां समय-समय पर नई खोजें होती रहती हैं, इसलिए इसे जीवाश्म विज्ञान के लिए बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है।

बारुईपुर केस पर मुनमुन दत्ता ने जताया दुख, बच्ची के लिए मांगा इंसाफ

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने कोलकाता के बारुईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और मर्डर केस पर अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने अधिकारियों से अपील की है कि वे इन लोगों को ढूंढें और बच्ची को इंसाफ दिलाएं।

मुनमुन दत्ता ने एक पोस्टर शेयर किया, जिस पर लिखा था, 'बारुईपुर के लिए इंसाफ।' कैप्शन में उन्होंने बस इतना लिखा, '12 साल की लड़की, एक छोटी सी बच्ची, जिसका रेप और मर्डर कर दिया गया। इन लोगों को ढूंढो।' पश्चिम बंगाल के बारुईपुर इलाके में 5 जुलाई को एक तालाब से 12 साल की लड़की का शव मिला। वह 4 जुलाई से लापता थी। मृतक लड़की के परिवार वालों का आरोप है कि उसके साथ रेप हुआ और फिर उसकी हत्या कर दी गई। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस आरोप की पुष्टि नहीं की है।

नाबालिग लड़की के शव का पोस्टमार्टम 5 जुलाई की रात को पूरा हुआ। पुलिस का कहना है कि हत्या की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह भी पता चलेगा कि उसके साथ रेप हुआ था या नहीं और रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का मामला दर्ज किया जाएगा। सोमवार, 6 जुलाई को बारुईपुर पुलिस जिले ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले तीन पुलिस थानों के इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी।

निषेधाज्ञा लागू होने के साथ ही, इन तीन पुलिस थानों के इलाकों में एक ही समय और जगह पर पांच या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है।

इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। रविवार को बारुईपुर में एक तालाब से नाबालिग लड़की का शव मिलने के बाद तनाव फैल गया था। स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। आरोप है कि लड़की के हत्यारा होने के शक में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। लेकिन इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एक्ट्रेस की बात करें तो मुनमुन दत्ता ने 2004 में 'हम सब बाराती' से अपने करियर की शुरुआत की थी। एक्ट्रेस पूजा भट्ट की डायरेक्ट की गई फिल्म 'हॉलिडे' में एक छोटे से रोल में नजर आई थीं। डिनो मोरिया, गुलशन ग्रोवर और ओंजोली नायर स्टारर यह फिल्म 1987 की अमेरिकी फिल्म 'डर्टी डांसिंग' का रीमेक है।

मुनमुन दत्ता अभी 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में नजर आ रही हैं, जो 'चित्रलेखा' मैगजीन के लिए तारक मेहता के साप्ताहिक कॉलम 'दुनिया ने ऊंधा चश्मा' पर आधारित है। यह भारत में सबसे लंबे समय तक चलने वाले टीलीविजन शो में से एक है।

'जब वन प्लस वन का अर्थ 11 हो', एनिवर्सरी पर शाहिद कपूर के लिए मीरा राजपूत का खास पोस्ट

विश्व केसरी

मुंबई। मीरा राजपूत कपूर ने 7 जुलाई को अपनी शादी की सालगिरह पर पति शाहिद कपूर के लिए एक प्यारी और मजेदार विश लिखी। उन्होंने पुरानी यादों वाली एक खास तस्वीर भी शेयर की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर मीरा कपूर ने मैडम तुसाद म्यूजियम की अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में वह अपने पति शाहिद कपूर और उनके वैक्स स्टैच्यू (मोम के पुतले) के बीच पोज देती नजर आ रही हैं।

तस्वीर में शाहिद फॉर्मल सूट पहने हुए हैं, जबकि उनका वैक्स स्टैच्यू ब्लैक एंड व्हाइट टक्सीडो में दिखाई दे रहा है।

वहीं, मीरा ब्लैक हॉल्टर-नेक गाउन में नजर आ रही हैं और शाहिद तथा उनकी वैक्स स्टैच्यू के बीच खड़ी हैं।

इस यादगार तस्वीर को साझा करते हुए मीरा ने कैप्शन में लिखा, 'जब 1+1 = 11 हो... हैप्पी एनिवर्सरी, मेरी जिंदगी के प्यार!'

शाहिद कपूर और मीरा कपूर ने 7 जुलाई, 2015 को दिल्ली में एक निजी आनंद कारज समारोह में शादी की थी। दोनों का रिश्ता आध्यात्मिक संस्था 'राधा स्वामी सत्संग ब्यास' के माध्यम से तय हुआ था, जिससे दोनों परिवार जुड़े हुए हैं।

दोनों के बीच उम्र का उल्लेखनीय अंतर होने के बावजूद, परिवारों के जरिए मुलाकात के बाद उनका रिश्ता मजबूत हुआ और उन्होंने विवाह करने का फैसला किया।

शाहिद और मीरा दो बच्चों के माता-पिता हैं। उनकी बेटी मिशा कपूर का जन्म वर्ष 2016 में हुआ, जबकि बेटे जैन कपूर का जन्म वर्ष 2018 में हुआ।

पेशेवर जीवन की बात करें तो, शाहिद को आखिरी बार रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'कॉकटेल 2' में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है, जबकि इसमें कृति सेनन और रश्मिका मंदाना भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

इसके अलावा, शाहिद 'ओ रोमियो' में भी नजर आए थे, जिसे बॉक्स ऑफिस पर मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। शाहिद कपूर दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर और अभिनेत्री नीलिमा अजीम के बेटे हैं।

अंशुला कपूर ने दुल्हन बनकर पहना दिवंगत मां का 42 साल पुराना दुपट्टा; 'बाकी सब कुछ उसी के ईर्द-गिर्द तैयार किया गया'

विश्व केसरी

मुंबई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने अपने शादी के परिधान से जुड़ी भावुक कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने अपनी जिंदगी के सबसे खास दिन अपनी दिवंगत मां को अपने करीब महसूस करने के लिए उनकी यादों को अपने साथ रखा।

दुल्हन अंशुला कपूर ने बताया कि शादी के दिन वह एक चीज अपने साथ रखना चाहती थीं और वह थी उनकी दिवंगत मां का 42 साल पुराना सुनहरे टिश्यू और जरदोजी का दुपट्टा।

अंशुला ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शादी समारोह की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह एंटीक रोज रंग के खूबसूरत लहंगे में दुल्हन के रूप में नजर आ रही हैं। उन्होंने लेयर्ड पन्ना और मोती के आभूषणों से अपने लुक को पूरा किया।

उनके पहनावे पर उनकी मां का विरासत में मिला दुपट्टा, जिसमें सुनहरे टिश्यू और जरदोजी का काम था, खूबसूरती से लिपटा हुआ दिखाई दिया।

इसके अलावा उन्होंने एक और बांधनी घर चोला दुपट्टा भी पहना, जो उस परिवार के प्रति श्रद्धांजलि थी, जिसमें वह विवाह के बाद शामिल हुई हैं।

अपने ब्राइडल लुक के महत्व को साझा करते हुए अंशुला ने लिखा, 'जब मैं दुल्हन बनी तो एक चीज थी, जिसके बारे में मुझे पता था कि मैं उसे अपने साथ रखना चाहती हूं—मेरी मां का 42 साल पुराना सुनहरे टिश्यू और जरदोजी का दुपट्टा।

'लोकल फूड को बढ़ावा देना गलत नहीं', ट्रोल्स पर भड़कीं भाग्यश्री

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री भाग्यश्री ने महादेव की नगरी काशी यात्रा के दौरान स्थानीय खाने-पीने की चीजों को बढ़ावा देने पर हो रही आलोचना का करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि लोकल फूड और स्थानीय विक्रेताओं को प्रमोट करने से उनकी मदद होती है और कुछ लोग बिना पूरी जानकारी के बेवजह विवाद खड़ा कर रहे हैं।

भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कुल्हड़ में बनारसी लस्सी का आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि वह सुबह 3 बजे से मंगला आरती में शामिल हुई थीं और इसके बाद भीषण गर्मी में गंगा घाटों पर पैदल घूमने के दौरान यह लस्सी उनके लिए ऊर्जा का बेहतरीन स्रोत बनी।

उन्होंने पोस्ट में लिखा कि लस्सी पर डाले गए सूखे मेवों का स्वाद उन्हें बेहद पसंद आया। उन्होंने यह भी कहा कि मीठी या नमकीन लस्सी पसंद का विषय है। मधुमेह के मरीजों के लिए मीठी लस्सी सही विकल्प नहीं हो सकती, लेकिन दही कैल्शियम, प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स से भरपूर होता है, जबकि चीनी या गुड़ ऊर्जा देता है और पानी शरीर को हाइड्रेट रखता है। 40 डिग्री तापमान में उनके लिए यह एक आदर्श पेय था।

भाग्यश्री ने वायरल हो रही उस वीडियो क्लिप पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने लस्सी का सिर्फ प्रचार किया, लेकिन उसे पिया नहीं। उन्होंने कहा, 'क्या आप वहां मौजूद थे? क्या किसी ने मुझे यह कहते सुना कि लस्सी बहुत मीठी है और मैं इसे नहीं पिऊंगी? आधी जानकारी और अधूरा वीडियो साझा करना ही असली फर्जीवाड़ा है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'लोकल फूड को प्रमोट करने से कोई पैसे नहीं कमाता। इससे सिर्फ स्थानीय खाने और छोटे विक्रेताओं को समर्थन मिलता है। यह शर्म की बात है कि कुछ खाली दिमाग वाले लोग इतनी साधारण बातों में भी नकारात्मकता ढूंढ लेते हैं। काशी जैसी पवित्र जगह के सामने आपकी बेवजह की आलोचना बेहद महत्वहीन है।'

दरअसल, हाल ही में वाराणसी के एक स्थानीय लस्सी विक्रेता के यहां भाग्यश्री का एक वीडियो

'मेरी अंश, तुम हमेशा मेरी रहोगी...', बहन के लिए अर्जुन कपूर का प्यार भरा संदेश

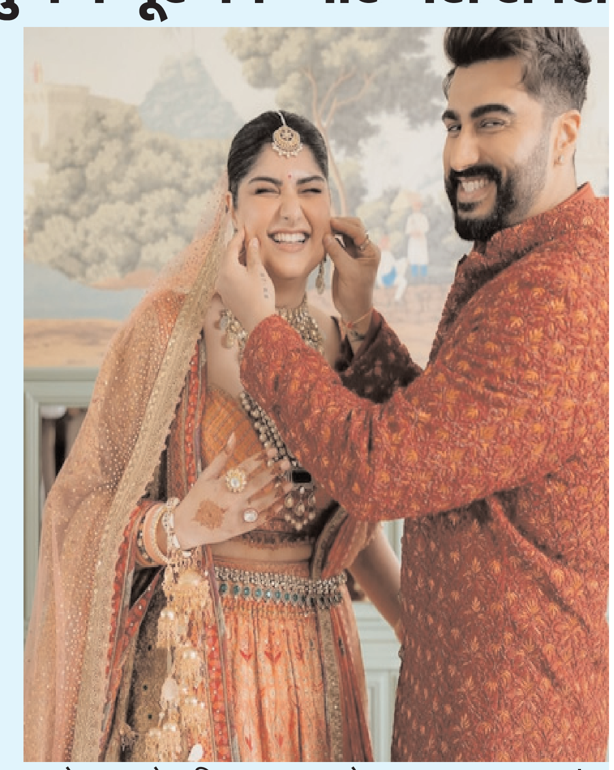

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर अपनी बहन अंशुला कपूर को उनकी नई जिंदगी और शादी की खुशियों की ओर बढ़ते हुए देखकर भावुक हो गए।

एक्टर ने अपनी बहन के लिए एक इमोशनल नोट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि वह हमेशा उनकी ही रहेंगी, लेकिन अब उन्हें उसे जाने देने का समय आ गया है।

अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर अंशुला की शादी के दिन की कुछ दिल को छू लेने वाली तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में एक्टर अपनी बहन के बगल में प्यार से खड़े दिख रहे हैं और एक तस्वीर में उन्होंने अपना हाथ अंशुला के सिर पर रखा हुआ है। एक और तस्वीर में, वह प्यार से उसके गाल खींचते हुए दिख रहे हैं और दोनों भाई-बहन खिलखिलाकर मुस्कुरा रहे हैं।

अंशुला पीच, रेड और गोल्ड रंग के हैवी एंब्रॉयडरी वाले लहंगे और भारी पारंपरिक गहनों में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जबकि अर्जुन ने उनके साथ मेल खाता हुआ मैरून रंग का कढ़ाई वाला कुर्ता पहना था। वहीं, एक फोटो में अंशुला शादी की रस्में निभाते हुए मंडप में बैठी हैं और उनके बगल में उनकी दिवंगत मां मोना कपूर की तस्वीर रखी हुई है।

तस्वीरें शेयर करते हुए अर्जुन ने लिखा, 'मेरी अंश, मेरे लिए तुम हमेशा मेरी ही रहोगी, लेकिन अब मुझे तुम्हें जाने देना होगा... आज तुम रोहन के साथ अपनी नई जिंदगी शुरू कर रही हो और तुम्हें मुस्कुराते हुए देखकर मेरा दिल, मन और आत्मा बहुत खुश हैं।' उन्होंने लिखा, 'मैंने तुम्हें बड़े होते और एक ऐसी शानदार महिला बनते देखा है जो हर कदम पर हमारी मां की याद दिलाती है। कभी चिंता मत करना क्योंकि वह हमेशा तुम्हें देख रही हैं और तुम पर अपना आशीर्वाद बनाए हुए हैं।' अर्जुन ने आगे कहा, 'मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं, हमेशा तुम्हारा सहारा बनूंगा और यह पक्का करूंगा कि तुम्हारे चेहरे से मुस्कान कभी न जाए। ढेर सारा प्यार, तुम्हारे अर्जुन भैया...

बता दें कि अंशुला कपूर ने 6 जुलाई को मुंबई में अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर से शादी कर ली है। अंशुला ने अपनी शादी की रस्मों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ भी शेयर कीं।

विन डीजल ने याद किया अपना सफर, बोले-मैं न्यूयॉर्क का बस एक किस्मत वाला बच्चा हूं

विश्व केसरी

मुंबई। हॉलीवुड स्टार विन डीजल ने न्यूयॉर्क के एक शरारती बच्चे से लेकर स्क्रीन पर एक मशहूर डिटेक्टिव का किरदार निभाने तक के अपने सफर को याद किया और खुद को 'न्यूयॉर्क का बस एक किस्मत वाला बच्चा' बताया।

58 साल के एक्टर, जिनका असली नाम मार्क सिंक्लेयर विंसेंट है, ने फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने अपने बचपन की यादों के बारे में बात की और उस मशहूर किरदार के लिए अपने प्यार को जगाने का श्रेय अपनी स्वर्गीय दादी को दिया।

1990 के दशक के आखिर में मशहूर हुए और 1998 में स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म 'सेविंग प्राइवेट रायन' में काम करके पहचान बनाने वाले इस एक्टर ने 4 जुलाई के जश्न की आतिशबाजी और अपनी शूटिंग के कुछ बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) पल भी शेयर किए।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, '4 जुलाई, इस देश ने अपनी 200वीं सालगिरह मनाई थी... मैं पीएस 41 का बच्चा था।

कैनाल या मॉट से एम80 पटाखे खरीदकर 'लिटिल इटली' के रास्ते घर तक तस्करी करके लाता था, जैसे कोई गैर-कानूनी सामान ले जा रहा हूं। बड़ों को तो बस यही लगता था कि मैं अपनी बनाना-सीट वाली बाइक पर शहर में तोड़-फोड़ कर रहा हूं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बहरीन के उप प्रधानमंत्री से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

मनामा/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर छह देशों की अहम यात्रा पर हैं। दौरे के तीसरे दिन वह बहरीन के उप प्रधानमंत्री खालिद बिन अब्दुल्ला अल खलीफा से मिले। मंगलवार सुबह हुई इस मुलाकात के दौरान दोनों ने भारत और बहरीन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

एस जयशंकर ने एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा,' मंगलवार सुबह बहरीन के उप प्रधानमंत्री महामहिम खालिद बिन अब्दुल्ला अल खलीफा से मिलकर खुशी हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। साथ ही क्षेत्रीय स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।'

उन्होंने आगे लिखा कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-बहरीन संबंधों को और मजबूत करने तथा आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा की। विदेश मंत्री 5 जुलाई को कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, बेल्जियम और अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। दस दिवसीय यात्रा का मकसद इन देशों के साथ अपने रिश्तों को और सुदृढ़ करना है। विदेश मंत्री की खाड़ी देशों की यात्रा की टाइमिंग काफी अहम है। यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बाद पश्चिम एशिया की राजनीतिक परिस्थितियों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। यात्रा से पहले खाड़ी देशों की यात्रा को लेकर विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी किया। जिसके मुताबिक, 'विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 5 से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इन देशों की यात्रा के दौरान, वे अपने समकक्षों और वहां के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। यात्रा का फोकस इन चार देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने पर होगा और साथ ही क्षेत्रीय घटनाक्रमों और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर भी मिलेगा।' इसके बाद, विदेश मंत्री 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के 2028-29 कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे। फिर वे 14-15 जुलाई को ब्रुसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की बैठक में शामिल होंगे और यूरोपीय संघ और बेल्जियम में समकक्षों से बातचीत करेंगे।

नाटो की बैठक से पहले ट्रंप का बड़ा दावा- पुतिन और जेलेंस्की दोनों यूक्रेन युद्ध का अंत चाहते हैं

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उनका मानना है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, दोनों ही यूक्रेन युद्ध खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शांति वार्ता में जितनी प्रगति लोगों को दिख रही है, उससे कहीं ज्यादा आगे बात बढ़ चुकी है।

व्हाइट हाउस में 'ट्रंप अकाउंट्स' निवेश कार्यक्रम शुरू करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हाल ही में उनकी पुतिन से 'बहुत अच्छी बातचीत' हुई थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस हफ्ते होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन का मुद्दा सबसे अहम रहेगा।

जब उनसे पूछा गया कि उनसे बात करने के बाद भी पुतिन सैन्य हमले क्यों जारी रखे हुए हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन पर दबाव है। वह इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और यूक्रेन भी इसे खत्म करना चाहता है। हमारी बातचीत चल रही है, और देखते हैं कि क्या हम इसे खत्म कर पाते हैं।' लगातार जारी लड़ाई के बावजूद ट्रंप ने भरोसा जताया कि हालात सही दिशा में बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम लोग जितना समझ रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा करीब पहुंच चुके हैं। मैं पूरे भरोसे से कह सकता हूं कि राष्ट्रपति पुतिन इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और राष्ट्रपति जेलेंस्की भी अब इसे खत्म करना चाहते हैं।'

ट्रंप ने कहा कि नाटो नेताओं की बैठक में इस मुद्दे पर आगे भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि हम नाटो जा रहे हैं और वहां इस बारे में बात करेंगे। मुझे लगता है कि हम इस युद्ध को खत्म कर पाएंगे। ट्रंप ने इस युद्ध को दुनिया के सबसे घातक जारी संघर्षों में से एक बताया और कहा कि दोनों तरफ लगातार भारी जान-माल का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद स्थिति है। सिर्फ एक महीने में 36,000 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि मैंने आठ युद्ध खत्म करवाए। मुझे लगा था कि रूस-यूक्रेन का युद्ध आसान होगा, क्योंकि मैं दोनों नेताओं को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं।

संक्षिप्त खबर

एआई, एयरोस्पेस और निवेश में भारत के साथ मजबूत संबंधों पर क्यूबेक की नजर

विश्व केसरी

जकार्ता। कनाडा के क्यूबेक प्रांत के मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट के अनुसार, क्यूबेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एयरोस्पेस, शिक्षा और क्लीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर भारत के साथ अपने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को भी बढ़ावा देने की योजना है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में क्यूबेक के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं ला फ्रैंकोफोनी मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट ने कहा कि प्रांत अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने और भारत के साथ दीर्घकालिक तथा स्थिर साझेदारी विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए यह अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने और भारत के साथ स्थायी संबंध स्थापित करने का प्रयास है। हमें लगता है कि दोनों पक्षों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं और इसे लेकर हम बेहद उत्साहित हैं।' स्कीट ने एआई, एयरोस्पेस और शिक्षा को ऐसे क्षेत्र बताया, जिनमें सहयोग की सबसे अधिक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि क्यूबेक और भारत के विश्वविद्यालयों के बीच पहले से मजबूत तालमेल है, जिसे और आगे बढ़ाया जा सकता है।

चीन की मिसाइल परीक्षण ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता, कहा- बीजिंग का तेजी से परमाणु हथियार बनाना परेशानी की बात

विश्व केसरी

वाशिंगटन। चीन ने दक्षिणी प्रशांत महासागर में सबमरीन से लॉन्च की जाने वाली इंटरकॉन्टिनेंटल-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। अमेरिका ने चीन के इस टेस्टिंग को लेकर भारी चिंता जताई है। अमेरिका ने कहा है कि बीजिंग का बढ़ता परमाणु हथियार, परमाणु प्रसार को रोकने की दुनिया भर की कोशिशों के खिलाफ है। राज्य विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि चीन के एक सबमरीन से बिना हथियार वाली इंटरकॉन्टिनेंटल-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च करने पर अमेरिका की नजर थी, जो दक्षिणी प्रशांत महासागर में गिरी। पिगॉट ने कहा, 'ऐसे समय में जब अमेरिका परमाणु प्रसार को रोकने के लिए पहले से कहीं ज्यादा मेहनत कर रहा है, चीन इसका उल्टा कर रहा है।' उन्होंने कहा कि बीजिंग का तेजी से और बिना देखे परमाणु हथियार बनाना इस इलाके और दुनिया के लिए बहुत चिंता की बात है। बयान में चीन से अपील की गई कि वह हथियार नियंत्रण पर औपचारिक बातचीत करे और लंबी दूरी की मिसाइल लॉन्च के बारे में पारदर्शिता बढ़ाए। पिगॉट ने कहा, 'हम चीन से लगातार अपील करते हैं कि वह काम की हथियार नियंत्रण बातचीत में शामिल हो और सभी इंटरकॉन्टिनेंटल-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल और स्पेस लॉन्च के लिए एक रेगुलर नोटिफिकेशन अरेंजमेंट के लिए कमिट करे, जैसा कि बाकी सभी पी5 सदस्यों ने किया है।' अमेरिका ने हिंद-प्रशांत में अपने सुरक्षा प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। बयान में आगे कहा गया, 'अमेरिका अपने साथियों और साझेदारों के प्रति अपने रक्षा प्रतिबद्धताओं पर अडिग है।'

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,535 हुई, 16,700 से ज्यादा घायल

विश्व केसरी

काराकास। नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज के अपडेट के मुताबिक, 24 जून को वेनेजुएला में आए दोहरे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,535 हो गई है, जबकि 16,740 लोग घायल हुए हैं।

रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर जानकारी दी कि 17,854 लोग बेघर हैं। उन्होंने कहा कि बचाए गए लोगों की संख्या 6,462 बनी हुई है, जबकि 86,794 परिवारों को मदद मिली है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पहले एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया था कि 17,345 लोग बेघर भी हुए हैं। अपडेट के मुताबिक, 24 जून को 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप आने के बाद से, वेनेजुएला में (रविवार तक) 995 आफ्टरशॉक (कम तीव्रता के भूकंप) रिकॉर्ड किए गए हैं। अधिकारियों ने बेघर और प्रभावित लोगों की मदद के लिए 80 अस्थायी कैंप भी बनाए हैं। शनिवार के अपडेट के मुताबिक, जिंदा बचे लोगों को ढूंढने के लिए 29,567 बचावकर्मी अभी भी तैनात हैं, जिनमें 3,281 विदेश से आए लोग शामिल हैं। अधिकारियों ने बेघर और प्रभावित लोगों की मदद के लिए 80 अस्थायी कैंप भी बनाए हैं। शनिवार के अपडेट के अनुसार, जिंदा बचे लोगों को ढूंढने के लिए 29,567 बचावकर्मी अभी भी तैनात हैं, जिनमें 3,281 विदेश से आए लोग शामिल हैं। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए जबरदस्त भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं। खतरनाक भूकंपों से हुए मानव जीवन के नुकसान से वेनेजुएला बुरी तरह टूट गया है।' इससे पहले, पुर्तगाली सरकार ने भी वेनेजुएला में भूकंप के पीड़ितों, खासकर पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों के लिए रविवार (5 जुलाई) को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने की घोषणा की थी।

अमेरिका में हीट वेव का कहर, 250वीं वर्षगांठ के सप्ताहांत में कई लोगों की मौत

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के जश्न वाले सप्ताहांत के दौरान देश के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में लेने वाली हीट वेव की लहर ने पूर्वी तट, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में दो दर्जन से अधिक लोगों की जान ले ली।

अमेरिकी राज्य न्यू जर्सी में हीट वेव की लहर के कारण कम से कम 29 लोगों की मौत होने का अनुमान है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, ये मौतें 10 काउंटियों में दर्ज की गईं। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश मृतक ऐसे घरों में पाए गए, जहां एयर कंडीशनिंग की सुविधा नहीं थी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यू जर्सी के स्वास्थ्य आयुक्त रेनार्ड वॉशिंगटन ने शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मृतकों में केवल बुजुर्ग ही नहीं बल्कि कुछ युवा वयस्क भी शामिल हैं।

इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल ने कहा, 'अमेरिका में मौसम से जुड़ी मौतों का सबसे बड़ा कारण भीषण गर्मी है और पिछले 14 वर्षों में यह सबसे लंबा और सबसे तीव्र गर्मी का दौर है।'

फॉक्स फोरकास्ट सेंटर के अनुसार, इस हीट वेव की लहर ने अमेरिका के बड़े हिस्से को प्रभावित किया है। 20 से अधिक राज्यों में तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। 30 जून से 5 जुलाई (रविवार) के बीच दैनिक अधिकतम तापमान के कम से कम 148 नए रिकॉर्ड बने।

शिकागो में हालिया गर्मी की लहर से जुड़ी वजहों से चार लोगों की मौत हुई। यह जानकारी कुक काउंटी मेडिकल एग्जामिनर कार्यालय के रिकॉर्ड से मिली है।

बार काउंसिल चुनाव में कुछ वकीलों को नहीं लेने दिया जा रहा भाग, 16 मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता

विश्व केसरी

पेरिस। दुनिया भर के 16 अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, बार एसोसिएशनों और लॉ सोसाइटीज ने मंगलवार को बांग्लादेश में वकीलों को बार एसोसिएशन चुनावों में भाग लेने से रोकने, डराने-धमकाने और कथित तौर पर 'राजनीति-प्रेरित बहिष्कार' की कड़ी निंदा की।

इन संगठनों का आरोप है कि आवामी लीग समर्थक या स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में पहचाने जाने वाले वकीलों को बांग्लादेश की विभिन्न बार एसोसिएशनों के चुनावों में हिस्सा लेने से रोका जा रहा है। संगठनों ने दावा किया कि ये घटनाएं तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के गठन के बाद से जारी हैं। एक संयुक्त बयान में संगठनों ने बांग्लादेश सरकार के उस फैसले पर गंभीर चिंता जताई, जिसमें 30 जून को बांग्लादेश बार काउंसिल के संचालन के लिए 15 सदस्यीय अस्थायी समिति (एड हॉक कमेटी) गठित की गई। आरोप है कि इस समिति में केवल बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी समर्थित वकीलों को शामिल किया गया है। यह समिति 1 जुलाई 2026 से 30 जून 2027 तक कानूनी पेशे को नियंत्रित करने वाली संस्था का संचालन करेगी। बयान में कहा गया, 'यह फैसला पेशेवर संस्थाओं के लोकतांत्रिक सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है और कानूनी पेशे की स्वतंत्रता तथा प्रतिनिधित्व की भावना को कमजोर करता है।' संगठनों ने कहा कि यह केवल 'प्रशासनिक अनियमितता या राजनीतिक विवाद' का मामला नहीं है, बल्कि यह कानूनी पेशे की स्वतंत्रता, कानून के शासन, संगठन बनाने की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक व्यवस्था के संवैधानिक मूल्यों पर व्यवस्थित हमला है।

धमकियों के बीच वार्ता संभव नहीं, अमेरिका करे समझौते का सम्मान : अराघची

विश्व केसरी

तेहरान। मध्य-पूर्व एशिया में फिलहाल शांति है, लेकिन यूएस-ईरान के बीच हाल ही में हुआ समझौता कितने दिन तक कायम रहेगा, इसे लेकर असमंजस बरकरार है। इसकी एक अहम वजह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फिर ईरान की ओर से दिए जा रहे जवाब माने जा रहे हैं। सोमवार को भी ट्रंप ने ऐसा ही कुछ कहा, जिसका जवाब ईरान की ओर से आया। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अबास अराघची ने स्पष्ट किया कि धमकियों से काम नहीं चलेगा।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि यदि धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू नहीं होगी। उन्होंने इस संबंध में अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के पैराग्राफ 13 का हवाला दिया। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'लाखों गौरवान्वित ईरानी' सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एकत्र हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'न तो ईरानी जनता और न ही हमारी बहादुर सशस्त्र सेनाएं किसी भी तरह की धमकियों से प्रभावित होंगी। अपने हस्ताक्षर का सम्मान करें।'

अराघची की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका या तो ईरान के साथ समझौता करेगा या फिर 'काम तमाम करेगा।' ट्रंप के मुताबिक या तो डील होगी या ईरान का काम तमाम होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक उन्हें ईरान के साथ फिर जंग नहीं चाहिए; वे सैन्य कार्रवाई नहीं चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मैं तो ईरान के साथ डील करना चाहूंगा; मैं नहीं चाहता कि 91 मिलियन लोगों की जिंदगी प्रभावित हो। हम अगर चाहें तो एक घंटे में इनके ब्रिज उड़ा सकते हैं।

भारतीय उच्चायुक्त नागेश सिंह बोले- पीएम मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे से रणनीतिक साझेदारी को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी

जकार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छह दिवसीय दौरे के दूसरे चरण में ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे। पीएम मोदी के दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया में भारत के उच्चायुक्त नागेश सिंह ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों, पीएम मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे, वार्षिक समिट, मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड इवेंट, भारतीय समुदाय, हिंद-प्रशांत और वैश्विक शांति के लिए सहयोग को लेकर न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात की।

पीएम मोदी के दौरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भारत के उच्चायुक्त नागेश सिंह ने कहा, 'पिछले दस सालों में पीएम मोदी का तीसरी बार यहां आना एक बड़ा संकेत है कि पिछले एक दशक में दोनों देशों के संबंध तेज गति से बढ़ रहे हैं। 2020 में हमने व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। इसे जब हम व्यापक बोलते हैं, तो फिर रक्षा और सुरक्षा हो या व्यापार और निवेश हो, स्वच्छ ऊर्जा या लोगों में आपसी जुड़ाव हो, एक प्रगाढ़ संबंध विकसित हो रहा है।' उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि आज विश्व में जो हालात हैं, वे हमारे दोनों देशों को एक साथ ला रहे हैं। हम चाहते हैं कि हिंद-प्रशांत एक ऐसा स्वतंत्र क्षेत्र हो जहां शांति और समृद्धि हो। इसके अलावा राजनीतिक स्तर पर अगर हम देखें, तो दोनों देश लोकतांत्रिक हैं। हम चाहते हैं कि स्थिरता के माहौल में देश की जनता की सेवा कर सकें, विकास हो, और यह और बढ़ता जाएगा।

पिछले एक डेढ़ सालों में जो माहौल रहे हैं, खाड़ी में युद्ध हुए, पश्चिम एशिया में युद्ध चला, ऐसे में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच का संबंध एक स्थिर प्लेटफॉर्म पर है और यह काफी आगे बढ़ेगा। भारतीय उच्चायुक्त ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के पास बहुत रिसोर्स हैं।

पुर्तगाल में हर साल जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्र चार गुना बढ़ा

विश्व केसरी

लिस्बन। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पुर्तगाल में जंगल की आग से जला हुआ क्षेत्र पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग चार गुना बढ़ गया है। भीषण गर्मी और आग लगने के बढ़े हुए खतरे के कारण देशभर में ग्रामीण इलाकों में आग की घटनाओं में तेज वृद्धि हुई है।

पुर्तगाल के ग्रामीण अग्नि एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (एसजीआईएफआर) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक देशभर में जंगल में आग लगने की 4,592 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 30,155 हेक्टेयर क्षेत्र जल चुका है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह कुल जला हुआ क्षेत्र का आधे से अधिक हिस्सा केवल बुधवार से रविवार के बीच दर्ज किया गया।

2025 की इसी अवधि की तुलना में इस साल जला हुआ क्षेत्र लगभग चार गुना बढ़ गया है, जो 2017 के बाद इस अवधि के लिए सबसे अधिक है। वहीं, जंगल में आग लगने की घटनाओं की संख्या में भी पिछले साल की तुलना में करीब 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह 2022 के बाद इस अवधि में दर्ज किया गया सबसे बड़ा आंकड़ा है। पुर्तगाल में पिछले सप्ताह से असाधारण रूप से अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में सबसे उच्च स्तर की रेड हीट चेतावनी जारी की गई है।

शुक्रवार को पुर्तगाल सरकार ने देशभर में आपात स्थिति घोषित कर दी। सरकार ने इसका कारण बताते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में आग लगने का खतरा 'काफी बढ़ गया है।' इससे पहले 3 जुलाई को पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने घोषणा की थी कि देश भीषण गर्मी की लहर के कारण बढ़ते जंगल की आग के खतरे से निपटने के लिए यूरोपीय नागरिक सुरक्षा तंत्र और स्पेन तथा मोरक्को के साथ द्विपक्षीय सहयोग समझौतों को सक्रिय करेगा।

शिवराज चौहान ने लॉन्च किया 'प्रगति' प्रोजेक्ट

बोले-विकसित भारत बिना कृषि और समृद्ध गांव संभव नहीं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को 'प्रगति' नामक एक राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य 20 हजार ग्रामीण युवाओं को कृषि-उद्यमी बनाकर देशभर के 20 लाख छोटे और सीमांत किसानों की आय, उत्पादकता और आजीविका में व्यापक सुधार लाना है। यह बहु-साझेदार पहल भारत में समावेशी, टिकाऊ और जलवायु-संवेदनशील कृषि परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत का सपना विकसित कृषि और समृद्ध गांवों के बिना संभव नहीं है।

सरकार का फोकस केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लागत घटाकर किसानों की आय बढ़ाना, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना और कृषि को लाभकारी बनाना है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि छोटे जोत वाले किसानों के लिए पारंपरिक खेती पर्याप्त नहीं है, इसलिए वैल्यू एडिशन, प्रोसेसिंग और कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि 'प्रगति' इसी सोच का विस्तार है जो किसानों को तकनीक, मशीनीकरण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और बाजार से जोड़कर उनकी वास्तविक आय बढ़ाने का रास्ता तैयार करेगा।

यह पहल देश के प्रमुख कृषि राज्यों- मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम और झारखंड में लागू की जाएगी। कार्यक्रम के तहत तैयार किए जाने वाले कृषि-उद्यमी गांव स्तर पर सलाह, मिट्टी परीक्षण, मशीन सेवाएं, वित्तीय लिंक, बाजार कनेक्ट और वैकल्पिक आय के अवसर उपलब्ध कराएंगे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केवल खेती करने से काम नहीं चलेगा, हमें वैल्यू एडिशन और विविधीकरण की ओर बढ़ना होगा- बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और मधुमक्खी पालन जैसे क्षेत्रों से किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि संभव है। उन्होंने तकनीक के उपयोग, ड्रोन, डिजिटल सलाह और वैज्ञानिक खेती को भविष्य का आधार बताया।

कार्यक्रम में महिला भागीदारी को विशेष महत्व देते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि बड़ी संख्या में 'कृषि सखी' और महिला उद्यमी इस बदलाव की धुरी बनेंगी और एक-एक उद्यमी पूरे गांव की तस्वीर बदल सकता है।

'प्रगति' केवल एक योजना नहीं, बल्कि परिवर्तन का संकल्प है। यह गांवों को आत्मनिर्भर, रोजगारयुक्त और सशक्त बनाने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि राज्यवार कृषि रोडमैप और वैज्ञानिक आधार पर फसल योजना के जरिए सरकार कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव की दिशा में काम कर रही है।

'दिल्ली बनेगी हरियाली और विकास का मॉडल'

70 लाख पौधारोपण मिशन की शुरुआत पर बोलीं सीएम रेखा गुप्ता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली में मिशन 70 लाख पौधारोपण का शुभारंभ किया। इस मौके पर कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया गया। कार्यक्रम में मौजूद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 'इको रेस्टोरेशन मेगा प्लांटेशन प्रोग्राम ड्राइव 2026' केवल पौधे लगाने का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति को उसका सम्मान लौटाने और उन स्थानों को फिर से हराभरा बनाने का संकल्प है, जहां समय के साथ हरियाली खत्म हो गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में प्रकृति को कभी सिर्फ संसाधन नहीं माना गया। हमारी परंपरा नदियों को मां, धरती को माता, पर्वतों को देवतुल्य और पेड़ों को पूजनीय मानती है। उन्होंने कहा कि हमारे संस्कार हमें सिखाते हैं कि प्रकृति से कुछ लेने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार का स्पष्ट विश्वास है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली को ऐसा शहर बनाया जाएगा जहां चौड़ी सड़कें भी होंगी, स्वच्छ हवा भी होगी, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी होगा और घने जंगल भी। आर्थिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन भी पूरी तरह बनाए रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में अब ग्रीन कवर बढ़कर 25 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने अपने कुल बजट का 22 प्रतिशत हिस्सा ग्रीन बजट के लिए निर्धारित किया है।

उन्होंने कहा कि गुजरात के ऑक्सीजन पार्क मॉडल को अब दिल्ली में भी लागू किया जाएगा। इसके तहत राजधानी में 100 ऑक्सीजन पार्क विकसित करने का फैसला लिया गया है, जिनमें से 18 पार्कों पर काम शुरू हो चुका है।

रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में अब हर पेड़ की ऑनलाइन ट्रैकिंग और टैगिंग की जा रही है, ताकि केवल पौधे लगाए ही न जाएं, बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा सके।

संक्षिप्त खबर

प्राइवेट वाहनों पर नहीं लगेगा टोल टैक्स, केवल कमर्शियल गाड़ियों से होगी वसूली : सम्राट चौधरी

विश्व केसरी

अररिया। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में टोल टैक्स को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट किया है कि बिहार सरकार निजी (प्राइवेट) वाहनों पर किसी प्रकार का टोल टैक्स नहीं लगाएगी। उन्होंने कहा कि केवल व्यावसायिक (कमर्शियल) वाहनों से ही टोल टैक्स लिया जाएगा, जबकि परिवार के साथ यात्रा करने वाले निजी वाहन चालकों को सरकार राहत देगी। अररिया जिले के फारबिसगंज में आयोजित सहयोग शिविर को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग टोल टैक्स को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें किसी तरह का कन्फ्यूजन नहीं है और सरकार का रुख पूरी तरह स्पष्ट है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'टोल टैक्स तो कमर्शियल गाड़ियों पर लगना ही चाहिए, लेकिन जो परिवार के लोग घूमते हैं, उन्हें हमारी सरकार जरूर राहत देगी। बिहार सरकार ने अपनी तरफ से तय किया है कि जो प्राइवेट गाड़ियां होंगी, उन पर किसी तरह का टोल टैक्स नहीं लगेगा। केवल कमर्शियल गाड़ियों से ही टैक्स लिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि टोल टैक्स संबंधी व्यवस्था भारत सरकार के निर्धारित मानकों के अनुरूप होगी और राज्य सरकार ने आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए निजी वाहनों को राहत देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में सहयोग शिविरों की उपयोगिता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गांव-गांव तक लोगों की समस्याओं का समाधान करने और उन्हें त्वरित न्याय दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं और न्याय से वंचित न रहे।

बजरंग लाल बागड़ा की नियुक्ति पर कीर्ति आजाद का तंज, घोटाले के आरोपी को राम मंदिर ट्रस्ट में जगह क्यों?

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कीर्ति आजाद ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े हालिया घटनाक्रम को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने ट्रस्ट की बैठक, पदाधिकारियों के बदलाव और विश्व हिंदू परिषद (वीएमपी) से जुड़े लोगों की भूमिका पर सवाल खड़े करते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कीर्ति आजाद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद के सदस्य शामिल हैं। उन्होंने आरएसएस की आर्थिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि संगठन के पास बड़ी-बड़ी इमारतें हैं, देशभर में कार्यक्रम होते हैं और लाखों सदस्यों का दावा किया जाता है लेकिन इसकी फंडिंग और वित्तीय गतिविधियों की सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। ऐसे बड़े संगठनों के लिए सार्वजनिक लेखा-जोखा होना चाहिए। राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे मंजूर होने के बाद नए सदस्य के रूप में बजरंग लाल बागड़ा की नियुक्ति पर भी कीर्ति आजाद ने टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि बागड़ा वर्तमान में विश्व हिंदू परिषद के इंटरनेशनल जनरल सेक्रेटरी हैं और इससे उनकी भूमिका को लेकर सवाल उठते हैं।

नागपुर में 11-12 जुलाई को ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की तीसरी बैठक

विश्व केसरी

नागपुर। ब्रिक्स 2026 के अध्यक्ष के तौर पर भारत 11 और 12 जुलाई को नागपुर में ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की तीसरी बैठक की मेजबानी करेगा। इस बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी परिवहन क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर के स्थायित्व और आवागमन से संबंधित प्रमुख प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आएंगे।

यह बैठक भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के विषय 'अनुकूलन, नवाचार, सहयोग और स्थायित्व के लिए निर्माण (ब्रिक्स)' के तहत आयोजित की जा रही है, जो तकनीकी नवाचार और बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 11 जुलाई को ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें अन्य सदस्य देशों के मंत्री भी भाग लेंगे। ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच परिवहन क्षेत्र में नीतिगत संवाद और सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में स्थापित, परिवहन कार्य समूह सदस्य देशों में सुदृढ़ और कुशल परिवहन प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में उभरा है। रूस और ब्राजील द्वारा आयोजित परिवहन कार्य समूह की पहली दो महत्वपूर्ण बैठकों के बाद, इस तीसरे आयोजन का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय परिवहन सहयोग को और अधिक मजबूत करना है। यह थीम भारत के विकसित भारत 2047 विजन के साथ निकटता से मेल खाती है, जो डेटा-संचालित, जलवायु-जागरूक और आपदा-प्रतिरोधी परिवहन इकोसिस्टम का समर्थन करता है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और सर्कुलर अर्थव्यवस्था संबंधी समाधानों को एकीकृत करके, भारत का लक्ष्य रसद लागत को कम करना और साथ ही एक टिकाऊ, बहुआयामी नेटवर्क स्थापित करना है जो हरित आवागमन को गति प्रदान करता है। इन दो दिनों के दौरान, वरिष्ठ अधिकारी रूस और ब्राजील की अध्यक्षता के बाद से हासिल परिवहन सहयोग की प्रगति की समीक्षा करेंगे, अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रणालियों का आदान-प्रदान करेंगे और सहयोग के उभरते क्षेत्रों पर विचार-विमर्श करेंगे।

दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपी अतहर खान की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में आरोपी अतहर खान को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि उसके खिलाफ प्रथमदृष्टया मामला बनता है और यह भी माना कि उसके भागने का जोखिम है और वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस मधु जैन की डिवीजन बेंच ने अतहर खान की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत अपनी जमानत याचिका खारिज करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि दंगों के दौरान जानमाल के नुकसान का कारण बनी कथित साजिश में अतहर खान की भूमिका प्रथमदृष्टया साबित होती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जमानत पर रिहा होने पर अतहर खान के फरार होने की संभावना है और वह अभियोजन पक्ष के गवाहों को प्रभावित कर सकता है। यह फैसला जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच की ओर से अतहर खान की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखने के कुछ हफ्तों के बाद आया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से कहा था कि रिकॉर्ड में रखे गए व्हाट्सएप चैट प्रथमदृष्टया कथित साजिश में अतहर खान की सक्रिय भागीदारी का संकेत देते हैं।

अतहर खान की ओर से पेश वकील अर्जुन दीवान ने तर्क दिया था कि व्हाट्सएप संदेश केवल शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की योजनाओं को दर्शाते हैं और हिंसा भड़काने के किसी भी इरादे का खुलासा नहीं करते हैं।

केतन हत्याकांड में बड़ा खुलासा, सिया ने प्रेमी चेतन से पहले ही कर ली थी शादी

विश्व केसरी

पुणे। पुणे के चर्चित लोहागढ़ किला हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्य आरोपी सिया गोयल ने कारोबारी केतन अग्रवाल से तय शादी से कई महीने पहले ही अपने प्रेमी चेतन चौधरी से कथित तौर पर गुपचुप शादी कर ली थी।

सूत्रों के मुताबिक, सिया गोयल और चेतन चौधरी ने करीब चार महीने पहले स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी का पंजीकरण कराया था। हालांकि, इसी साल फरवरी में सिया की सगाई पुणे के 25 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल से हुई थी और दोनों की शादी नवंबर में होने वाली थी।

बता दें कि 18 जून को लोहागढ़ किले पर केतन अग्रवाल की खाई में गिरने से मौत हो गई। जांच एजेंसियों को संदेह है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी और सिया गोयल, केतन अग्रवाल से शादी नहीं करना चाहती थी।

पुलिस अब इस दावे की जांच कर रही है कि दोनों ने कानूनी रूप से विवाह का पंजीकरण कराया था। अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या विवाह प्रमाणपत्र मौजूद है, क्योंकि ऐसा दस्तावेज जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकता है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी के वॉयस सैंपल से इनकार पर उठाए सवाल

विश्व केसरी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से जुड़े कथित हेट स्पीच मामले में सीआईडी जांच के दौरान आवाज के नमूने देने में उनकी देरी और अनिच्छा पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने पूछा कि जांच में सहयोग करने के लिए आवाज़ का नमूना देने में उन्हें आपत्ति क्यों है। यह मामला चुनाव के दौरान दिए गए कथित आपत्तिजनक भाषणों से जुड़ा हुआ है, जिसकी जांच सीआईडी कर रही है।

यह मामला एक चुनावी रैली से जुड़ा है, जिसमें बनर्जी पर हिंसा भड़काने वाले बयान देने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने का आरोप लगाया गया है। सीआईडी इस मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान वीडियो में मौजूद भाषण की पुष्टि करने के लिए सीआईडी ने बनर्जी से उनकी आवाज के नमूने मांगे हैं।

यह घटनाक्रम बुधवार को नॉर्थ 24 परगना जिले की बिधाननगर कोर्ट में बनर्जी के पेश होने से पहले हुआ। जिला अदालत के पहले के आदेश के अनुसार, उन्हें ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट और फ़ोरेंसिक विशेषज्ञों की मौजूदगी में अपने आवाज के नमूने देने के लिए कहा गया है। तय तारीख पर पेश होने से पहले राहत पाने के लिए अभिषेक बनर्जी के वकील ने जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल बेंच के सामने एक याचिका पर तुरंत सुनवाई की मांग की। इस याचिका में जिला अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उन्हें आवाज के नमूने देने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, जस्टिस भट्टाचार्य ने तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया और सवाल किया कि टीएमसी नेता जांच में सहयोग क्यों नहीं कर रहे हैं, जबकि उन्हें कलकत्ता हाईकोर्ट से 31 जुलाई तक गिरफ्तारी समेत पुलिस की सख्त कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा मिली हुई है। कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी के वकील की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि आवाज के नमूने देने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि सांसद पहले ही मान चुके थे कि कैंपेन वीडियो में सुनाई देने वाली आवाज उन्हीं की थी।

उत्तर बंगाल में भारी बारिश की संभावना, भूस्खलन और नदियों का जलस्तर बढ़ने की चेतावनी जारी

विश्व केसरी

कोलकाता। मौसम विभाग ने मंगलवार को उत्तर बंगाल के जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि इससे पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो सकता है और नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जा सकता है।

मौसम विभाग ने फिलहाल दक्षिण बंगाल के जिलों में भारी बारिश की संभावना से भी इनकार किया है।

मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि दक्षिण बंगाल के ऊपर से कम दबाव का क्षेत्र (डिप्रेशन) हट रहा है। इसलिए दक्षिण बंगाल में अब भारी बारिश की संभावना कम हो गई है। कुछ जगहों पर हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है। लेकिन उत्तर बंगाल में भारी बारिश होने की उम्मीद है। इससे नदियों में पानी बढ़ सकता है और भूस्खलन (पहाड़ी हिस्सों में मिट्टी ढहना) का खतरा है। इसलिए वहां बारिश को लेकर खास चेतावनी जारी की गई है। उत्तर बंगाल में, मंगलवार को दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, अलीपुरद्वार, कूचबिहार और जलपाईगुड़ी जिलों में भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

बाकी जिलों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, बुधवार को पांच पहाड़ी जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि वहां बहुत भारी बारिश की संभावना है।

महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश का कहर, पालघर में 203 मिमी वर्षा; कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है, जबकि कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। महाराष्ट्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एमएसडीएमए) की मंगलवार सुबह जारी स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, बारिश से जुड़ी घटनाओं में दो लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हुए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 203.3 मिमी बारिश पालघर जिले में दर्ज की गई। इसके अलावा ठाणे में 116.4 मिमी, रायगढ़ में 108.7 मिमी, मुंबई उपनगर में 90.4 मिमी और पुणे में 70.9 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। लगातार हो रही बारिश के कारण कोंकण क्षेत्र की कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। अंबा, सावित्री और जगबुडी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि कुंडलिका और पिंजल नदियां चेतावनी स्तर को पार कर चुकी हैं। बारिश से जुड़े हादसों में सतारा जिले में भूस्खलन के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई।

वहीं, भारी बारिश के चलते दीवार गिरने से चार पशुओं की भी मौत हुई। नंदुरबार में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई। ठाणे और मुंबई शहर में पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में एक-एक व्यक्ति घायल हुआ है।

पालघर में किसी मानव की मौत नहीं हुई, लेकिन बाढ़ के पानी में बह जाने से 11 पशुओं की मौत हो गई। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इनकॉइस) ने महाराष्ट्र के पूरे समुद्री तट के लिए 8 जुलाई की रात तक रेड अलर्ट जारी किया है। चेतावनी के अनुसार, समुद्र में 4.8 से 5 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

करीब 25 प्रतिशत भारतीय कंपनियों का मानना है कि उनके कर्मचारी एआई का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए तैयार: रिपोर्ट

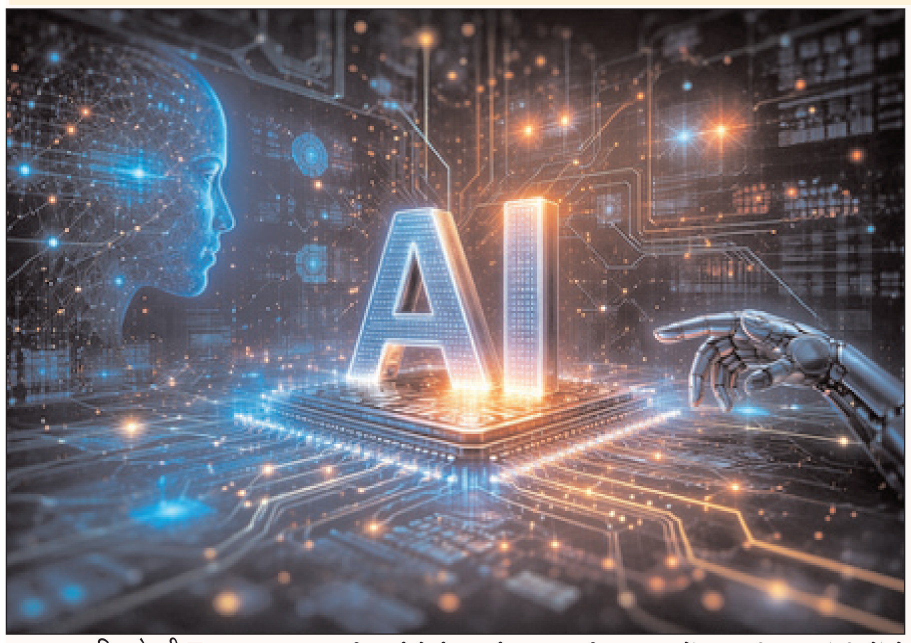

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन कंपनियों का मानना है कि कर्मचारियों की तैयारी इस रफ्तार का साथ नहीं दे पा रही है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25 प्रतिशत भारतीय कंपनियों का मानना है कि उनकी वर्कफोर्स एआई का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार है। यह आंकड़ा 2025 के मुकाबले 12 प्रतिशत अंक कम है।

काइंड्रिल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 56 प्रतिशत कंपनियों ने एआई को अपने प्रमुख बिजनेस प्रोसेस में व्यापक रूप से लागू कर दिया है। पिछले साल 2025 में 36 प्रतिशत कंपनियों ने कहा था कि एआई उनके संगठन में पूरी तरह एकीकृत हो चुका है। इससे साफ है कि एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन कर्मचारियों की तैयारी उस गति से नहीं हो रही।

रिपोर्ट में बताया गया कि 81 प्रतिशत भारतीय बिजनेस लीडर्स को चिंता है कि एआई का विकास कर्मचारियों की क्षमताओं, गवर्नेंस फ्रेमवर्क और ऑपरेटिंग मॉडल से कहीं अधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इसके अलावा, 84 प्रतिशत भारतीय कंपनियों का अनुमान है कि अगले 12 महीनों में स्वायत्त एआई एजेंट महत्वपूर्ण कारोबारी फैसले लेने लगेंगे। हालांकि, केवल 28 प्रतिशत कंपनियां ही ऐसे एआई सिस्टम पर पूरी तरह भरोसा करती हैं, जो बिना किसी मानवीय निगरानी के काम करें।

रिपोर्ट के मुताबिक, एआई अपनाने की दिशा में भारतीय कंपनियां कई अहम कदम भी उठा रही हैं। करीब 69 प्रतिशत कंपनियों ने एआई को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों की भूमिकाओं में बदलाव किया है, जबकि 33 प्रतिशत संगठनों ने कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए अलग बजट और औपचारिक योजनाएं शुरू की हैं।

इसके बावजूद, रिपोर्ट बताती है कि कंपनियों में संगठनात्मक बदलाव की गति, एआई से जुड़े गवर्नेंस, भरोसे और निगरानी व्यवस्था के विकास से कहीं अधिक तेज है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई की सफलता केवल नई रणनीतियों, तकनीकों या उपयोग के मामलों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि कंपनियां काम करने के तरीके को किस तरह बदलती हैं और कर्मचारियों को उस बदलाव के लिए कैसे तैयार करती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एआई पर भरोसा मजबूत करने के लिए कंपनियों को अपने ऑपरेटिंग मॉडल और गवर्नेंस सिस्टम में भी ठोस बदलाव करने होंगे।

काइंड्रिल इंडिया के एशिया पैसिफिक प्रेसिडेंट लिंगराजू सावकर ने कहा कि भारत लगातार नई तकनीकों को अपनाने में अग्रणी रहा है और कंपनियां तेजी से एआई को अपने कारोबार का हिस्सा बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि एआई से वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब कंपनियां केवल नई तकनीक अपनाने तक सीमित न रहें, बल्कि काम करने के तरीके में बदलाव करें, कर्मचारियों की नई भूमिकाएं तय करें।

सैमसंग ने दूसरी तिमाही के लिए रिकॉर्ड 59 अरब डॉलर के मुनाफे का अनुमान किया जारी, एआई से हो रहा फायदा

विश्व केसरी

सोल । दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने मंगलवार को 2026 की दूसरी तिमाही के मुनाफे का अनुमान जारी करते हुए कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग मुनाफा 90 ट्रिलियन वॉन (करीब 58.8 अरब डॉलर) रह सकता है। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मांग की वजह से सेमीकंडक्टर सेगमेंट में तेज ग्रोथ होना है।

दक्षिण कोरियाई न्यूज एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट में बताया गया, 'सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का कहना है कि अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग मुनाफा 89.4 ट्रिलियन वॉन रह सकता है, जो कि उसके पिछले साल के समान अवधि के मुनाफे से 1,181 प्रतिशत अधिक है।

योनहाप न्यूज एजेंसी की फाइनेंशियल डेटा शाखा, योनहाप इन्फोमैक्स के अनुसार, यह अनुमान औसत मार्केट पूर्वानुमान से 6.2 प्रतिशत अधिक था।

सैमसंग ने आय का अनुमान कर्मचारियों के बोनस के लिए किए गए प्रावधानों को ध्यान में रखकर लगाया है। इन प्रावधानों को छोड़कर, तिमाही ऑपरेटिंग मुनाफा के लगभग 100 ट्रिलियन वॉन तक पहुंचने का अनुमान है।

मई में हुए एक बड़े वेतन समझौते के तहत, सैमसंग अपने सेमीकंडक्टर बिजनेस की कमाई के 10.5 प्रतिशत के बराबर एक खास सेमीकंडक्टर परफॉर्मेंस बोनस देगा। यह बोनस कम से कम 10 सालों तक कंपनी के स्टॉक के रूप में दिया जाएगा और यह कंपनी के मुनाफे वाले सेमीकंडक्टर बिजनेस के प्रदर्शन लक्ष्यों से जुड़ा होगा।

इस बोनस के लिए लगभग 20 ट्रिलियन वॉन का प्रावधान किया गया है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने पूरे 2025 के लिए 43.6 ट्रिलियन वॉन का ऑपरेटिंग मुनाफा दर्ज किया था। अकेले दूसरी तिमाही का अनुमानित मुनाफा, पिछले साल कंपनी के पूरे साल के ऑपरेटिंग मुनाफे से दोगुने से भी अधिक है।

दूसरी तिमाही में आय पिछले साल के मुकाबले 129.3 प्रतिशत बढ़कर 171 ट्रिलियन वॉन होने का अनुमान है। कमाई के अनुमान में शुद्ध मुनाफे को शामिल नहीं किया गया था।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने बिजनेस डिवीजन के हिसाब से कमाई का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया, हालांकि माना जा रहा है कि इसकी डिवाइस सॉल्यूशंस यूनिट (जिसमें सेमीकंडक्टर सेगमेंट शामिल है) का इसमें सबसे बड़ा हिस्सा होगा।

इस शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में ग्लोबल निवेश का लगातार बढ़ना माना जा रहा है, जिससे सेमीकंडक्टर की सप्लाई में कमी आई है और मेमोरी चिप की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं।

डिजिटल दौर में आंखों का रखें ख्याल, आयुर्वेद के ये आसान उपाय आएंगे काम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज के समय में मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी का इस्तेमाल बहुत बढ़ गया है। लगातार स्क्रीन देखने की वजह से आंखों में थकान, जलन, सूखापन और रोशनी से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में आंखों की सही देखभाल करना बेहद जरूरी हो गया है। आयुर्वेद में आंखों को शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग माना गया है और इन्हें स्वस्थ रखने के लिए कई आसान उपाय बताए गए हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, आंखों की समस्याओं के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण हो सकते हैं। पहला, आंखों का जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से इस्तेमाल करना। दूसरा, अपनी जीवनशैली और आदतों में लापरवाही करना। तीसरा, मौसम में होने वाले असामान्य बदलाव। इनसे बचने के लिए सही खानपान, अच्छी दिनचर्या और कुछ प्राकृतिक उपायों को अपनाने की सलाह दी गई है।

आंखों की देखभाल के लिए पादाभ्यंग (पैरों की तेल से मालिश) को भी लाभकारी बताया गया है। रोजाना गुनगुने तेल से पैरों की मालिश करने से शरीर को आराम मिलता है और आंखों की थकान कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा ठंडे पानी से आंखों को धोना भी एक आसान उपाय है। दिन में कुछ बार आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारने से ताजगी महसूस होती है।

आयुर्वेद और योग में आंखों के लिए कई तरह के अभ्यास बताए गए हैं। इनमें पामिंग एक सरल तरीका है। इसमें आंखें बंद करके हथेलियों से उन्हें ढककर कुछ देर आराम किया जाता है। इससे आंखों को आराम मिलता है और तनाव कम महसूस होता है। इसी तरह आंखों को धीरे-धीरे दाएं-बाएं घुमाने जैसे अभ्यास भी आंखों की मांसपेशियों को सक्रिय रखने में मदद कर सकते हैं।

सूर्य की हल्की रोशनी में बैठना, मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना और त्राटक जैसे योग अभ्यास भी पारंपरिक रूप से आंखों के लिए उपयोगी माने जाते हैं।

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ बुरी आदतों से बचना भी जरूरी है। ज्यादा देर तक स्क्रीन देखने से बचें, पर्याप्त नींद लें और आंखों पर अनावश्यक दबाव न डालें।

इसके अलावा, पढ़ते समय पर्याप्त रोशनी का ध्यान रखें और किताब या स्क्रीन को आंखों से उचित दूरी पर रखें। समय-समय पर आंखों को आराम देना भी जरूरी है। लंबे समय तक आंखों में परेशानी, धुंधला दिखाई देना या दर्द जैसी समस्या होने पर विशेषज्ञ की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

अत्यधिक गर्मी से बढ़ रही मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में बड़ा खुलासा

विश्व केसरी

सिडनी । यूरोप, अमेरिका समेत दुनिया के अधिकतर महाद्वीप हीट वेव से जूझ रहे हैं। जनहानि की खबरें भी आ रही हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया में की गई एक स्टडी ने युवाओं की मन:स्थिति पर पड़ने वाले असर को उजागर किया है। अध्ययन के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के कारण युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं।

द गार्जियन ऑस्ट्रेलिया में मंगलवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन की सह-लेखिका और सिडनी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल्स नेटवर्क की किशोर मनोचिकित्सक साइबेल डे ने कहा, 'जलवायु परिवर्तन पहले से ही बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को कई तरह से प्रभावित कर रहा है।'

सिडनी विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में न्यू साउथ वेल्स राज्य में वर्ष 2001 से 2022 के बीच 24 वर्ष तक की आयु के लगभग 7.2 लाख अस्पताल भर्ती मामलों का विश्लेषण किया गया।

अध्ययन में पाया गया कि जब तापमान रिकॉर्ड के शीर्ष 1 प्रतिशत स्तर तक पहुंच गया, तो गर्म महीनों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी अस्पताल भर्ती का जोखिम दोगुना हो गया, जबकि ठंडे महीनों में यह जोखिम तीन गुना तक बढ़ गया।

यह अध्ययन 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकियाट्री' में प्रकाशित हुआ है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि यदि वैश्विक तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो इस सदी के अंत तक गर्मी से जुड़े मानसिक स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती होने के मामलों में 6 प्रतिशत से 7.7 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। यह जानकारी सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में दी गई है।

अध्ययन में केवल उन गंभीर मामलों को शामिल किया गया है, जिनमें अस्पताल में भर्ती की आवश्यकता पड़ी। इनमें अवसाद (डिप्रेशन), सिजोफ्रेनिया, नशीले पदार्थों का दुरुपयोग, खान-पान संबंधी विकार (ईटिंग डिसऑर्डर) और आत्म-हानि (सेल्फ-हार्म) जैसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मामले शामिल हैं।

बच्चों को ब्रोंकियल अस्थमा से कैसे बचाएं, विशेषज्ञों ने योग से श्वसन क्षमता बढ़ाने पर दिए महत्वपूर्ण सुझाव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बच्चों में बढ़ती सांस संबंधी समस्याओं के बीच योग को स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से पीएम ई-विद्या पर एक विशेष कार्यक्रम 'योगशक्ति-बच्चों में ब्रोंकियल अस्थमा का योगिक प्रबंध' आयोजित किया गया है। इस लाइव सत्र में योग विशेषज्ञों ने बच्चों में ब्रोंकियल अस्थमा के प्रबंधन में योग की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की तथा उपयोगी योगाभ्यासों का प्रदर्शन भी किया गया।

एनसीईआरटी के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन 7 जुलाई 2026 की सुबह पीएम ई-विद्या चैनल 6 से 12 पर किया गया। यह सत्र विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक सभी लोगों के लिए उपयोगी रहा। इस कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ कृष्ण कुमार गुप्ता, योग प्रशिक्षक एवं एमडीएनआईवाई के पूर्व छात्रों ने स्कूली बच्चों के लिए उपयुक्त योग पद्धतियों और उनके लाभों की जानकारी दी।

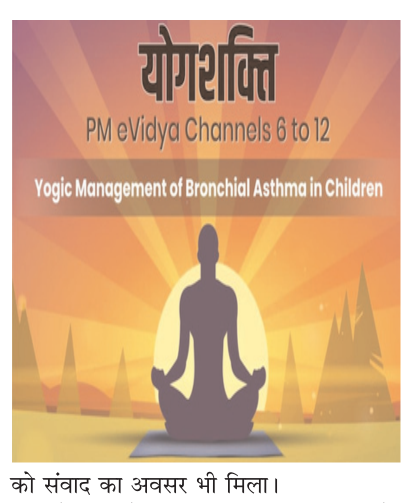

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों के साथ बच्चों को संवाद का अवसर भी मिला।

गौरतलब है कि योग को समग्र स्वास्थ्य और जीवनशैली का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। विभिन्न अध्ययनों में यह संकेत मिला है कि चिकित्सकीय उपचार के साथ पूरक रूप में अपनाए जाने पर योग बच्चों में अस्थमा से जुड़े कुछ लक्षणों और फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार लाने में सहायक हो सकता है।

यह पहल विद्यार्थियों और अभिभावकों को योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम से जुड़कर प्रतिभागी यह जान सके कि नियमित योगाभ्यास किस प्रकार बच्चों के समग्र स्वास्थ्य, श्वसन क्षमता और मानसिक संतुलन को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है। अभी 21 जून को ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस दुनियाभर में मनाया गया था। इस अवसर पर देशभर में बड़े पैमाने पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष की थीम के अनुरूप लोगों ने स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन के लिए योग अपनाने का संकल्प लिया। बड़ी संख्या में छात्रों के सामूहिक योग सत्र आयोजित हुए।

योग प्रशिक्षकों ने प्राणायाम, आसन और ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों के मुताबिक कि नियमित योग अभ्यास तनाव कम करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है।

याददाश्त कमजोर होने से पहले मस्तिष्क देता है यह संकेत, अल्जाइमर पर नई रिसर्च में खुलासा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अल्जाइमर बीमारी को आमतौर पर लोग भूलने की समस्या के तौर पर जानते हैं। जब किसी को नाम याद न रहे, चीजें रखकर भूल जाए या जगहों को पहचानने में दिक्कत हो, तब अक्सर कहा जाता है कि यह अल्जाइमर का असर हो सकता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों की एक नई रिसर्च ने में खुलासा हुआ है कि दिमाग में बदलाव सिर्फ याददाश्त कमजोर होने के बाद ही नहीं, बल्कि उससे कई साल पहले भी शुरू हो सकते हैं।

यह अध्ययन अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम हेल्थ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है और इसके नतीजे एक मशहूर वैज्ञानिक जर्नल 'नेचर कम्युनिकेशन्स' में प्रकाशित हुए हैं। रिसर्च में बताया गया है कि अल्जाइमर की शुरुआत में ही दिमाग की नई परिस्थितियों में ढलने की क्षमता, यानी कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी, प्रभावित हो सकती है।

कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी का मतलब होता है, जब कोई स्थिति बदल जाए तो उसके हिसाब से अपनी सोच और व्यवहार को बदल लेना। जैसे अगर आप किसी काम को एक तरीके से कर रहे हैं और अचानक नियम बदल जाए तो तुरंत नए नियम के हिसाब से खुद को ढाल लेना। यही क्षमता दिमाग की एक बहुत जरूरी ताकत मानी जाती है।

रिसर्च में वैज्ञानिकों ने चूहों पर अध्ययन किया, जिन्हें अल्जाइमर जैसी स्थिति के लिए विकसित किया गया था। इन चूहों का एक खास टेस्ट दिया गया, जिसे रिवर्सल लर्निंग कहा जाता है। इसमें पहले चूहों को एक तरीका सिखाया गया जिससे उन्हें इनाम मिलता था, लेकिन बाद में नियम बदल दिए गए और इनाम पाने का तरीका भी बदल गया।

दिलचस्प बात यह रही कि सामान्य चूहों ने जल्दी समझ लिया कि नियम बदल गए हैं और उन्होंने अपना तरीका भी बदल लिया, लेकिन अल्जाइमर वाले चूहों ने पुरानी आदत नहीं छोड़ी। वे बार-बार वही गलत तरीका अपनाते रहे।

सूरत: न्यू सिविल हॉस्पिटल में हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था, नवजात शिशुओं के लिए आरएफआईडी सिस्टम लागू

विश्व केसरी

गांधीनगर । गुजरात के सूरत में नवजात शिशुओं की चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए एक ठोस कदम उठाया गया है। दरअसल, सूरत स्थित न्यू सिविल हॉस्पिटल ने नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में नवजात शिशुओं की चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) आधारित सिक्योरिटी सिस्टम शुरू किया है। इस सिस्टम की मदद से अगर कोई बिना इजाजत हरकत होती है तो अलार्म बजने लगता है।

इसको लेकर डॉक्टरों का कहना है कि कड़े नियमों और पहचान की पुष्टि से बच्चों की सुरक्षा बेहतर होगी और मेडिकल ट्रांसफर के दौरान उन्हें सावधानी से संभाला जा सकेगा। सोमवार को इसी सिस्टम को लेकर समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए नई सिविल अस्पताल के सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि एनआईसीयू के बाहर आरएफआईडी मशीन लगाया गया है। इसका उद्देश्य नवजात शिशुओं की चोरी पर रोक लगाना है।

उन्होंने बताया कि एनआईसीयू में दाखिल बच्चों के हाथ पर एक टैग लगाया गया है ताकि अगर कोई भी व्यक्ति बच्चों को लेकर बाहर जाता है, तो निकास द्वार पर लगे आरएफआईडी-मशीन से बजर बजेगा और तत्तकाल सिक्योरिटी अलर्ट मोड में आ जाएगी। डॉक्टर लक्ष्मण ने बताया कि अस्पताल में पहले भी शिशुओं की चोरी की घटना घट चुकी है। इसलिए अब आरएफआईडी मशीन लगाई गई है।

वर्ल्ड आर्चरी का फैसला, ज्योति सुरेखा वेन्नम के वर्ल्ड कप फाइनल ब्रॉन्ज मेडल को सिल्वर में बदला

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय स्टार तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम का 2025 आर्चरी विश्व कप फाइनल (नानजिंग) में जीता गया ब्रॉन्ज मेडल अब सिल्वर में बदल गया है। खेल की वैश्विक संस्था 'वर्ल्ड आर्चरी' ने यह फैसला मैक्सिको की मरीना बर्नाल को डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद अयोग्य घोषित करने के चलते लिया।

भारत की टॉप कंपाउंड आर्चर ज्योति, चैंपियनशिप की फाइनल रैंकिंग में मूल रूप से तीसरे स्थान पर थीं, लेकिन मेक्सिको की मरीना बर्नाल के एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद मेडल रैंकिंग में बदलाव किया गया है।

बर्नाल से 29 सितंबर 2025 को डोपिंग सैंपल लिया गया था, जिसमें पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें वर्ल्ड आर्चरी फेडरेशन के नियम 3 के तहत अयोग्य घोषित कर दिया गया। ऐसे में फाइनल नतीजों में आधिकारिक बदलाव हुआ। 'आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया' से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को वर्ल्ड आर्चरी ने इस फैसले की पुष्टि की। इसके परिणामस्वरूप ग्रेट ब्रिटेन की एला गिब्सन को ब्रॉन्ज मेडल दिया गया है।

23 वर्षीय बर्नाल ने सितंबर में प्रतियोगिता के बाहर हुए टेस्ट में एनाबॉलिक स्टेरॉयड (नैंड्रोलोन) के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद डोपिंग उल्लंघन को चुनौती नहीं दी और उन पर 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के बाद तक का प्रतिबंध लगा दिया गया है।

फिलहाल ज्योति सुरेखा मैड्रिड में होने वाले आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 4 की तैयारी कर रही हैं, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय दल आर्चरी वर्ल्ड कप के फाइनल स्टेज के लिए तैयार है, जिसमें रिकर्व और कंपाउंड इवेंट्स में अनुभवी खिलाड़ियों और उभरते हुए सितारों का अच्छा मिश्रण है।

मैड्रिड के लिए टीम:

रिकर्व पुरुष: धीरज बोम्मादेवरा, नीरज चौहान और अतानु दास।

रिकर्व महिला: दीपिका कुमारी, कीर्ति, कुमकुम अनिल मोहोड और अंकिता भकत।

कंपाउंड पुरुष: साहिल राजेश जाधव, कुशल दलाल, गणेश थिरु मुरु और ऋषभ यादव।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: मिकेल मेरिनो के आखिरी समय में गोल से पुर्तगाल का टूटा सपना, क्वार्टर-फाइनल में पहुंचा स्पेन

विश्व केसरी ■

आर्लिंगटन । डलास स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए फीफा वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस जीत के साथ स्पेन ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लुइस डे ला फुएंते की टीम अब अपना अगला मुकाबला लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेलेगी।

पुर्तगाल की इस हार के साथ ही क्रिस्टियानो रोनाल्डो का विश्व कप सफर भी समाप्त हो गया। मुकाबले से पहले उन्होंने कहा था कि यह उनका आखिरी विश्व कप होगा।

41 वर्षीय रोनाल्डो ने अपने विश्व कप करियर में 27 मैच खेले और 11 गोल किए। इसके अलावा वह छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी भी बने।

मुकाबले की शुरुआत दोनों टीमों ने संतुलित अंदाज में की। हालांकि शुरुआती मिनटों में स्पेन अधिक आक्रामक नजर आया। मिकेल ओयारजाबल के शॉट पर डियोगो कोस्टा को तीसरे मिनट में ही शानदार बचाव करना पड़ा। पुर्तगाल ने भी तुरंत जवाब दिया, जब जोआओ कैंसेलो दाईं ओर से आगे बढ़े और उनका शक्तिशाली प्रयास क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया।

कुछ मिनट बाद, ओल्मो ने ओयारजाबल को मौका दिया, लेकिन जब डियोगो कोस्टा आगे आए, तो ओयारजाबल का शॉट बाहर चला गया। उतार-चढ़ाव वाले इस खेल में, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक जोरदार शॉट लगाया जिसे उनाई सिमोन पूरी तरह से रोक नहीं पाए।

इसके बाद अगले 15 मिनट काफी रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। स्पेन ने तेजा से पलटवार किया और डियोगो कोस्टा ने लामल और बाएना के शॉट्स पर दो शानदार बचाव किए। फिर पुर्तगाल ने खेल को संतुलित किया और स्पेन को रोके रखा। जोआओ फेलिक्स की मदद से रोनाल्डो ने एक कलात्मक शॉट लगाया, लेकिन उनाई सिमोन ने बचा लिया। यह मुकाबले में पुर्तगाल का सबसे अच्छा वक्त था।

दूसरे हाफ में भी खेल बराबरी का रहा, लेकिन पुर्तगाल ज्यादा खतरनाक लग रहा था। पेड्रो नेटो के दाईं ओर से किए गए हमलों की वजह से। चोट के कारण नूनो मेंडेस की जगह नेल्सन सेमेडो को मैदान पर उतारा गया, लेकिन फिर भी राष्ट्रीय टीम ने कुछ मुश्किलों के बावजूद स्पेन के हमलों को नाकाम कर दिया।

मुकाबला आगे बढ़ने के साथ रणनीतिक लड़ाई और भी अहम हो गई। लामिन यमल की फ्री-किक पर डियोगो कोस्टा ने शानदार बचाव करते हुए गेंद को कॉर्नर के लिए बाहर भेज दिया। अंतिम 15 मिनट में राफेल लियाओ के मैदान पर आने से पुर्तगाल के आक्रमण में नई ऊर्जा आई। उनकी शानदार चाल के बाद ब्रूनो फर्नांडीस को गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन उनका प्रयास साइड नेटिंग में जाकर लगा।

एक्स्ट्रा टाइम समाप्त होने से कुछ देर पहले स्पेन ने निर्णायक हमला किया। मिकेल मेरिनो ने खाली जगह का फायदा उठाते हुए डियोगो कोस्टा को छकाया और विजयी गोल दाग दिया।

टी20 रैंकिंग: वर्ल्ड कप में कूटे 238 रन, महिला बल्लेबाजों की रैंकिंग में 'नंबर-1' बनीं मूनी

विश्व केसरी ■

दुबई । विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 47.60 की औसत के साथ 238 रन बनाने वालीं बेथ मूनी महिला बल्लेबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। मूनी इस संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे पायदान पर रहीं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड सीतवीं बार खिताब जिताने में अहम योगदान दिया।

'प्लेयर ऑफ द सीरीज' बेथ मूनी फाइनल मैच में 49 गेंदों में 10 चौकों के साथ 64 रन की पारी खेलकर मूनी 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुनी गईं। ऐसा पांचवीं बार है, जब मूनी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर पहुंची हैं; उनसे ज्यादा समय तक दुनिया की नंबर 1 बल्लेबाज रहने का रिकॉर्ड सिर्फ कैरन रॉल्टन के नाम है।

मूनी (785 रेटिंग) ने एक पायदान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया की हमवतन जॉर्जिया वोल (779 रेटिंग) को पछाड़ दिया है, जो अब दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट (771 रेटिंग) को भी एक पायदान का नुकसान हुआ है, जो अब तीसरे स्थान पर खिसक गई हैं, उनके बाद चौथे स्थान पर हेली मैथ्यूज (754) और पांचवें पायदान पर भारत की स्मृति मंधाना (746) हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: बेल्जियम ने यूएसए का तोड़ा सपना, राउंड ऑफ 16 में हराकर वर्ल्ड कप से किया बाहर

विश्व केसरी ■

सिएटल । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में बेल्जियम ने यूएसए को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। सिएटल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में चार्ल्स डी केटेलेरे के पहले हाफ में किए गए दो गोल, हंस वनाकेन के पहले वर्ल्ड कप गोल और सब्स्टीट्यूट रोमेलु लुकाकू के आखिरी समय में किए गए गोल की वजह से बेल्जियम ने शानदार जीत दर्ज की।

बेल्जियम से हारने के बाद कनाडा और मैक्सिको के राउंड ऑफ 16 से बाहर होने वाली टीमों में यूएसए की टीम भी वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है।

20 मार्च 2025 के बाद से बेल्जियम की टीम कोई भी मैच नहीं हारी है। 2024-25 यूईएफए नेशंस लीग प्रमोशन/रेलिगेशन प्ले-ऑफ में यूक्रेन से 3-1 से बेल्जियम हारी थी; यह हेड कोच रूडी गार्सिया का पहला मैच था। इसके बाद बेल्जियम की टीम ने हार का मुंह नहीं देखा है। बेल्जियम ने (फीफा वर्ल्ड कप, यूईएफए वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन, यूईएफए नेशंस लीग प्ले-ऑफ, और फ्रेंडली मैच) में 12 जीत और छह ड्रॉ का शानदार रिकॉर्ड बनाया है, और इन 17 मैचों में उनका गोल डिफरेंशियल +40 रहा है।

मंगलवार को मिली हार के बाद यूएसए की टीम बेल्जियम के खिलाफ लगातार सात मैच हारी है। मॉरिसियो पोचेटिनो की टीम के लिए खतरे के संकेत तब दिखे जब बेल्जियम के पहले दमदार हमले के दौरान टिमोथी कास्टाग्ने के 18-यार्ड के शॉट को रोकने के लिए मैट फ्रीज को हवा में छलांग लगाकर बचाव करना पड़ा।

इसके बाद यूरी टिएलेमैन्स, डोडी लुकेबाकियो के क्रॉस को गोल में बदलने से बस कुछ इंच दूर रह गए, और फिर रूडी गार्सिया की टीम ने सही मायने में बढ़त हासिल की। ??लिएंड्रो ट्रॉसार्ड के बॉक्स में डाले गए खतरनाक क्रॉस ने यूएसए के डिफेंस के लिए कई मुश्किलें खड़ी कर दीं; निकोलस रास्किन ने गेंद को क्रॉस किया और डी केटेलेरे ने उसे गोल में बदल दिया।

बेल्जियम आसानी से आगे बढ़ रहा था, लेकिन 31वें मिनट में उनकी बढ़त उस वक्त खत्म हुई जब मलिक टिलमैन की डिफ्लेक्टेड फ्री-किक ने थिबाउट कोर्टुआ को गलत दिशा में भेज दिया। हालांकि, स्कोर केवल 116 सेकंड के लिए ही बराबर रहा, क्योंकि बाईं ओर से ट्रॉसार्ड का क्रॉस डी केटेलेरे तक पहुंचा, जिन्होंने हेडर से मैच का अपना दूसरा गोल किया।

एक घंटे का खेल पूरा होने से ठीक पहले यूएसए की मुश्किलें और बढ़ गईं, जब डिफेंस की एक गलती से बेल्जियम को तीसरा गोल मिल गया।

'विराट के लिए दिल में बहुत सम्मान, जल्द भारत आना चाहता हूं' : नोवाक जोकोविच

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है।

जोकोविच ने जियोस्टार पर कहा, 'मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे पता है कि विराट एक वैश्विक स्टार हैं, लेकिन खासकर भारत में, वह कमाल के हैं। मैं चाहूंगा कि वह मेरे मेजबान बनें और मुझे घुमाएं। मेरे मन में उनके और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सम्मान है।'

उन्होंने कहा, 'मैं सर्बिया से आता हूं, जहां क्रिकेट बड़ा खेल नहीं है। लेकिन मेरी टीम में कुछ लोग ब्रिटिश हैं, और उन्हें क्रिकेट पसंद है। इसलिए मैं पिछले 10 से 15 वर्षों से इस गेम के बारे में सीख रहा हूं। मुझे अभी भी अपनी क्रिकेट स्किल्स पर काम करने की जरूरत है। शायद विराट मेरी तकनीक और बैट स्विंग में मदद कर सकें। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान और प्रशंसा है। मुझे उनके देश भारत में उनसे मिलकर अच्छा लगेगा।'

जोकोविच ने रविवार को खेले गए चौथे राउंड के मुकाबले में रोमन सफीउलिन को 7-6(6), 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर, न सिर्फ अगले राउंड में जगह बनाई, बल्कि पूर्व दिग्गज रोजर फेडरर के 105 विंबलडन पुरुष एकल जीत के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इस टूर्नामेंट के सबसे सफल एकल खिलाड़ी बने। जोकोविच लगातार 9वीं बार विंबलडन क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे हैं।

विंबलडन में अपनी सफलता पर जोकोविच ने कहा, 'विंबलडन में, मैंने जो भी हासिल किया है, वो मेरी विरासत है। मैंने यह कई बार कहा है, और मैं हमेशा इसके बारे में खुलकर बात करता रहा हूं। यह वह टूर्नामेंट था जिसे जीतने का सपना मैंने बचपन में देखा था। मैं हमेशा यहां अच्छा करना चाहता था, हमेशा विंबलडन जीतना और दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहता था। 2011 में यह अनुभव करना मेरे लिए खुशी की बात थी।

अंडर-23 एशियन बॉक्सिंग: विश्वनाथ, गंगा और हितेश की शानदार जीत, दूसरे दिन तनु का जलवा

विश्व केसरी ■

जकार्ता । अंडर-23 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन एशियन चैंपियन विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान के अमीरबेक इस्मोइलोव को 5:0 से मात दी। यह प्रतियोगिता जकार्ता में 5 जुलाई से 16 जुलाई तक खेली जा रही है।

पुरुषों के वर्ग में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, गंगा (55 किग्रा) ने मंगोलिया के अमगलनबातार बुलगनखू को सर्वसम्मत फैसले में 5:0 से हराया। वहीं, हितेश (70 किग्रा) ने भी चीनी ताइपे के जून-झांग्लिन पर 5:0 से शानदार जीत दर्ज की, जिससे अलग-अलग वेट कैटेगरी में भारत की मजबूती का पता चलता है।

60 किग्रा के मुकाबले में सागर जाखड़ को जापान के कोइची नाकायामा के खिलाफ अयोग्य घोषित होने के कारण हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में, तनु (51 किग्रा) ने कोरिया की योंगयोन किम पर 5:0 से शानदार जीत दर्ज की।

टूर्नामेंट की शुरुआत में भारत का शानदार प्रदर्शन टीम की मजबूत तैयारी को दिखाता है। कई बॉक्सर्स के अपनी-अपनी कैटेगरी में आगे बढ़ने के साथ, भारत चैंपियनशिप के आने वाले दिनों में इस लय को बनाए रखने की कोशिश करेगा।

भारत ने अंडर-19 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जबरदस्त शुरुआत की। जकार्ता, इंडोनेशिया में पहले दिन वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप की गोल्ड मेडलिस्ट चंद्रिका पुजारी और सिल्वर मेडलिस्ट जॉयश्री देवी ने शानदार जीत दर्ज की।

प्रारंभिक राउंड में चंद्रिका ने लड़कियों की 51 किग्रा कैटेगरी में मंगोलिया की लखम त्सेंदबातार को 5-0 से हराया।

इसके बाद जॉयश्री ने भी शानदार प्रदर्शन किया और लड़कियों की 54 किग्रा कैटेगरी में चीनी ताइपे की चेन निंग होंग के खिलाफ दूसरे राउंड में 'रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट' (आरएससी) के जरिए जीत हासिल कर अगले राउंड में अपनी जगह पक्की की।

एमएस धोनी बर्थडे: कोलकाता, ओडिशा से पूर्व कप्तान का जन्मदिन मनाने रांची स्थित उनके घर पहुंचे फैंस

विश्व केसरी ■

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मंगलवार को अपना 45वां जन्मदिन मना रहे हैं। धोनी को उनके जन्मदिन पर देश-विदेश से बधाइयां मिल रही हैं। धोनी की लोकप्रियता का आलम यह है कि उनके जन्मदिन पर उनसे मिलने और उन्हें बधाई देने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से फैंस उनके घर पहुंचे हैं।

एक फैन ने आईएएनएस से कहा, 'धोनी, आपको 45वां जन्मदिन मुबारक हो। हम चाहते हैं कि आप हमेशा खुश और स्वस्थ रहें। आपने हमें वर्षों तक प्रेरित किया है। उम्मीद करते हैं कि आप ऐसा करते रहेंगे। हमने झारखंड टीम के साथ आपके बेहतरीन काम को देखा है, जिसमें एक मेंटर के तौर पर आपकी भूमिका भी शामिल है।'

एक अन्य फैन ने आईएएनएस से कहा, 'मैं उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। मैं ओडिशा से यहां आया हूं और पिछले छह दिनों से उनसे एक बार मिलने का इंतजार कर रहा हूं।'

एक अन्य फैन ने कहा, 'मैं धोनी का जन्मदिन मनाने के लिए कोलकाता से आया हूं। हम इसे हर साल मनाते हैं। मैं कोलकाता से हूं, जहां हम ओल्ड-एज होम में सोशल एक्टिविटी करते हैं। हर साल, हम ऐसा दो बार करते हैं—एक बार उनके जन्मदिन पर और दूसरी बार 23 दिसंबर को, जिस दिन उन्होंने वनडे में डेब्यू किया था।'

धोनी के एक युवा फैन ने कहा, 'हम बहुत जोश के साथ जश्न मना रहे हैं। हमें उम्मीद है कि धोनी बाहर आएंगे ताकि हम उनसे मिल सकें, बात कर सकें, केक काट सकें और साथ में जश्न मना सकें। हम उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देना चाहते हैं और प्रार्थना करते हैं कि वह फिट रहें। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि वह अगले साल फिर से आईपीएल खेलें।'

एक अन्य फैन ने कहा, 'हम चाहते हैं कि एम.एस. धोनी स्वस्थ रहें। हर साल आईपीएल में खेलते रहें और कई वर्षों तक क्रिकेट खेलें। हर साल, हम उनका जन्मदिन मनाने के लिए उनके फार्महाउस आते हैं। मेरे कोच एम.एस. धोनी के बहुत बड़े फैन हैं । और हर साल उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए यहां आते हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415